राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 48

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, मंगलवार, 29 जुलाई, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

आपरेशन सिंदूर के दौरान ट्रंप व मोदी में कारोबार पर नहीं हुई बात

>>3

पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड हाशिम मूसा सहित तीन पाकिस्तानी आतंकी ढेर

बड़ी सफलता ▸ आतंकियों के खिलाफ दो दिन पहले सुरक्षाबल ने शुरू किया था आपरेशन महादेव

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

दिल्ली स्थित संसद भवन में सोमवार को एक तरफ विपक्ष पहलगाम हमले के गुनहगारों के पाकिस्तान से जुड़ाव पर सवाल उठा रहा था तो दूसरी तरफ यहां से लगभग 800 किलोमीटर दूर श्रीनगर के दाचीगाम नेशनल पार्क में सुरक्षाबल ने तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को ढेर दिया। इनमें पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सुलेमान उर्फ सुलेमानी उर्फ हाशिम मूसा और उसके दो साथी आतंकी शामिल हैं। इन्हें मार गिराने के लिए दो दिन पहले सेना ने आपरेशन महादेव शुरू किया था, जो सोमवार देर शाम तक जारी रहा। पुलिस ने सुलेमानी व दो अन्य आतंकियों की पहचान की अभी पुष्टि नहीं की है, लेकिन उनमें एक हमजा अफगानी और एक जिब्रान बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, मारा गया हाशिम मूसा लश्कर-ए-तैयबा में शामिल होने से पहले पाकिस्तानी सेना के स्पेशल स्ट्राइक ग्रुप (एसएसजी) का कमांडो था। इससे पहलगाम हमले के षड्यंत्र में पाकिस्तानी सेना के शामिल होने का सच एक आर फिर उजागर हो गया है। मुठभेड़स्थल से एक एम-4 कार्बाइन, दो एसाल्ट राइफलें, 17 राइफल ग्रेनेड व अन्य साजो-सामान बरामद हुआ है।

आतंकियों ने 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में 25 पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर हत्या कर दी थी। एक स्थानीय घोड़ेवाले को भी आतंकियों ने मार डाला था। एनआइए ने हमले में लिप्त आतंकियों को पनाह देने वाले उनके दो मददगारों को भी पकड़ा था। हाशिम मूसा व उसके साथ पहलगाम हमले में लिप्त प्रत्येक आतंकी पर सुरक्षाबल ने 20-20 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था।

▸ **हाशिम मूसा पर 20 लाख रुपये का था इनाम, मुठभेड़स्थल से भारी मात्रा में हथियार बरामद**

▸ **सुलेमान उर्फ सुलेमानी उर्फ हाशिम मूसा को बताया जाता है पाक सेना का पूर्व अधिकारी**

सुलेमान उर्फ हाशिम मूसा की तस्वीर और जारी किया उसका स्केच। फाइल

आतंकियों के शव पुलिस के कब्जे में, आपरेशन अभी जारी

कश्मीर के आइजीपी वीके बिरदी ने मारे गए आतंकियों की पहचान या पहलगाम हमले के साथ उनके किसी संबंध की पुष्टि से इन्कार करते हुए कहा कि अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकियों के शव और हथियार सुरक्षाबल ने अपने कब्जे में ले लिए हैं।

अल्ट्रासेट इस्तेमाल करने की सूचना पर शुरू हुआ आपरेशन

आतंकियों के श्रीनगर से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित दाचीगाम नेशनल पार्क में स्थित महादेव पहाड़ी के आसपास छिपे होने की सूचना के आधार पर सेना की 50 आरआर और 24 आरआर ने संयुक्त रूप से आपरेशन महादेव शुरू किया था। सूचना थी कि इस इलाके में आतंकियों द्वारा अल्ट्रासेट इस्तेमाल किया गया है। बता दें कि लश्कर के आतंकी अल्ट्रा हाई-फ्रीक्वेंसी रेडियो उपकरणों का उपयोग 2016 से कर रहे हैं। यह चीन में बनी अत्याधुनिक इनक्रिप्टेड संचार प्रणाली है। जिस इलाके में यह मुठभेड़ हुई है, वहां पहुंचने के लिए लगभग 16 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इस क्षेत्र में खानाबदोश गुज्जर-बक्करवाल समुदाय ने भी इन दिनों अपने डेरे लगाए हुए हैं। कथित तौर पर बताया जा रहा है कि गुज्जर समुदाय के लोगों ने भी कुछ हथियारबंद लोगों को अपने डेरे से कुछ दूरी पर जंगल में देखा था।

सुरक्षाबल ने सुनियोजित तरीके से की आतंकियों की घेराबंदी पेज>>4

मुंबई हमले के बाद होती कार्रवाई, तो आतंकी हमले की हिम्मत नहीं करता पाक : राजनाथ

आपरेशन सिंदूर पर चर्चा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ **रक्षा मंत्री बोले, विपक्ष यह नहीं पूछ रहा कि भारत ने दुश्मन के कितने विमान गिराए**

▸ **साथ ही कहा, सारे लक्ष्य हासिल करने के बाद ही स्थगित किया गया आपरेशन**

▸ **कांग्रेस को दिखाया आईना, कहा- संप्रग सरकार ने पाक को माना था आतंकवाद पीड़ित**

▸ **आपरेशन की सफलता पर मेज थपथपाने का आग्रह, लेकिन कांग्रेस के सदस्य रहे चुप**

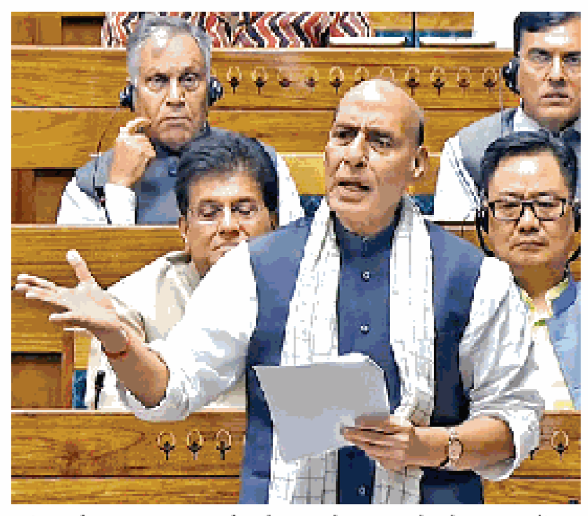

संसद के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को लोकसभा में बोलते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एएनआइ

आपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग तो विपक्ष ने सरकार को घेरने के लिए की थी, लेकिन बाद में स्थिति बदल गई। लोकसभा में पहले दिन चर्चा की शुरुआत करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस को ही कठघरे में खड़ा कर दिया। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर विपक्षी शोर के बीच उन्होंने मनमोहन सिंह सरकार के समय 2006 में पाकिस्तान को आतंकवाद पीड़ित देश स्वीकार करने और 2009 में समग्र वार्ता से आतंकवाद को अलग करने को भारी भूल करार दिया। राजनाथ ने कहा कि अगर मनमोहन सरकार ने 2008 में मुंबई हमले के बाद कार्रवाई की होती, तो पाकिस्तान आतंकी हमले करने की हिम्मत ही नहीं करता। विपक्ष की मंशा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, 'भारत के कितने विमान गिरे..? जो सवाल पाकिस्तानी टीवी चैनल्स और संसद में गूंज रहे थे, उन्हें कांग्रेस देश की संसद में पूछने लगी है!' लेकिन कोई यह नहीं पूछ रहा कि भारत ने दुश्मन के कितने विमान गिराए। चर्चा के दौरान एक मौका ऐसा भी आया जब राजनाथ सिंह ने आपरेशन सिंदूर की सफलता पर मेज थपथपाने का आग्रह किया। सपा मुखिया अखिलेश यादव समेत कई सदस्यों ने मेज थपथपाई भी, लेकिन राहुल गांधी समेत कांग्रेस के सदस्यों ने इसे अनसुना कर दिया।

रक्षा मंत्री ने अपने लगभग एक घंटे के भाषण में कहा कि ये मोदी जी का नया भारत है और आतंकवाद के विरुद्ध किसी भी हद तक जा सकता है। शांति बहाली की तमाम कोशिशों के बावजूद जब पाकिस्तान ने आतंकवाद का रास्ता नहीं छोड़ा, तब मोदी सरकार ने शांति स्थापित करने के लिए अलग रास्ता अपनाया, जिसमें 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 का आपरेशन सिंदूर शामिल है। उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर ने भारत को '1,000 कट्स' देने का सपना देखने वालों को नींद से जगा दिया है।

मोदी सरकार की 'बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते..' की नीति की तुलना संप्रग सरकार की नीति से करते हुए राजनाथ ने बताया कि किस तरह से 2006 में मनमोहन सरकार ने आतंकवाद के प्रायोजक पाकिस्तान को आतंकवाद का पीड़ित मान लिया था। यही नहीं 2008 में मुंबई हमले के बाद सेना को कार्रवाई करने की इजाजत नहीं दी गई। इसके एक वर्ष के भीतर ही 2009 में शर्म-अल-शेख (समझौते) में कंपोजिट डायलाग प्रोसेस से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को अलग किए जाने को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

सिर्फ पाक के डीजीएमओ के अनुरोध पर ही स्थगित किया गया आपरेशन पेज>>3

जागरण विशेष

दान में ही परमार्थ, चिकित्सा शिक्षा के लिए कर रहे देहदान

वाराणसी: अपना घर आश्रम में रह रहे निराश्रित लोग मानव कल्याण के लिए देह दान को परमार्थ मानते हैं। ● पेज-7

संपादकीय

गाजा संकट पर मूकदर्शक मोदी सरकार: पीएम मोदी स्पष्ट और

साहसिक शब्दों में उस विरासत की ओर से जोरदार आवाज उठाएं, जिसका प्रतिनिधित्व भारत लंबे समय से करता आया है। **सोनिया गांधी** का आलेख।

आवारा कुत्तों के आतंक से बेबस जनता: आवारा कुत्ते बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए खतरा बन जाएं, तो क्या जनहित को प्राथमिकता नहीं मिलनी चाहिए? **विजय गोयल** का दृष्टिकोण।

● पेज-8

विमर्श

दक्षिणपूर्व एशिया की क्षेत्रीय शांति में बाधा: थाइलैंड और कंबोडिया के बीच सैन्य संघर्ष इस बात का साक्ष्य है कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में राष्ट्रों के बीच विवाद आसानी से उभर रहे हैं। **विवेक ओझा** का दृष्टिकोण।

दुनिया पर छाने को तैयार रोबोट: अनेक विधाओं में रोबोट के उपयोग को संभव बनाते हुए तमाम देश इसकी संख्या को निरंतर बढ़ा रहे हैं। **ऋषभ मिश्रा** का आलेख।

● पेज-9

19 वर्षीय दिव्या ने हंपी को हराकर रचा इतिहास

महिला शतरंज विश्व कप जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं, टाईब्रेकर में अनुभवी हंपी को किया पराजित

88 वीं ग्रैंडमास्टर बनीं भारत की दिव्या देशमुख ऐतिहासिक जीत के बाद

43 लाख की इनामी राशि मिली दिव्या को, उपविजेता हंपी को 31 लाख रुपये

मुझे लगता है कि यह किस्मत की बात थी कि मुझे इस तरह ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला, क्योंकि इस टूर्नामेंट से पहले मेरे पास एक भी (जीएम) मानदंड नहीं था और अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं। - दिव्या देशमुख

सोमवार को जार्जिया के बाटुमी में भारत की शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख फिडे महिला विश्व कप 2025 जीतने के बाद प्रसन्न मुद्रा में। प्रेट्र >>

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

भारतीय शतरंज की नई सनसनी 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने सोमवार को अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए अनुभवी कोनेरू हंपी को हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीत लिया। दिव्या यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही दिव्या भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं।

जार्जिया के बाटुमी में हुए फाइनल में शनिवार और रविवार को दोनों क्लासिकल बाजी ड्रा रहने के बाद सोमवार को टाईब्रेकर में दिव्या ने बाजी पलट दी। पहला रैपिड गेम ड्रा रहा, लेकिन दूसरे में हंपी समय के दबाव में चूक गईं। अपनी मजबूत मानसिकता के दम पर दिव्या ने निर्णायक जीत हासिल की। 38 वर्षीय हंपी 2002 में ग्रैंडमास्टर बनी थीं और दिव्या का जन्म 2005 में हुआ था। हंपी के नाम विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप को छोड़कर सभी खिताब हैं।

भारत की चौथी महिला ग्रैंडमास्टर: नागपुर की रहने वालीं दिव्या देशमुख भारत की चौथी महिला ग्रैंडमास्टर बनी हैं। उनसे पहले कोनेरू हंपी, हरिका द्रोणावल्ली और आर. वैशाली यह मुकाम हासिल कर चुकी हैं।

दिव्या की उपलब्धियां

- 2022 में शतरंज ओलिंपियाड में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता
- 2024 में अंडर-20 विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीती
- 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में टीम और व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता
- 2023 में एशियाई शतरंज चैंपियनशिप में जीती

दो भारतीय शतरंज खिलाड़ियों के बीच शानदार फाइनल मुकाबला खेला गया। फिडे महिला शतरंज विश्व कप जीतने पर युवा दिव्या देशमुख पर गर्व है। यह सफलता कई युवाओं को प्रेरणा देगी। कोनेरू हंपी ने भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। दोनों खिलाड़ियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए ढेरों शुभकामनाएं। - नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

करंट फैलने से बाराबंकी के मंदिर में भगदड़, दो लोगों की मौत

जागरण संवाददाता, बाराबंकी

▸ **हैदरगढ़ स्थित औसानेश्वर मंदिर में रात में ढाई बजे हुआ हादसा, 42 घायल**

▸ **बंदरों द्वारा तोड़ा गया एक बिजली का तार टिन शेड पर गिरने उतरा था करंट**

▸ **सीएम ने जताया दुख, मृतकों के परिवार को मिलेंगे पांच-पांच लाख**

हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर में हुई दुखद दुर्घटना के बाद यहां औसानेश्वर महादेव मंदिर में रविवार देर रात टिन शेड में करंट उतर आने से भगदड़ मच गई। इसमें दो लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 42 लोग घायल हो गए। पांच लोगों की हालत गंभीर है। पोस्टमार्टम में करंट लगने से मौत की पुष्टि हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर शोक प्रकट करते हुए मृतकों के स्वजन को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

हैदरगढ़ स्थित औसानेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण का सोमवार होने के कारण रविवार रात 12 बजे से ही भक्त जलाभिषेक के लिए कतारबद्ध थे। रात 12:50 बजे मंदिर के कपाट खोले गए। रात ढाई बजे मंदिर परिसर में लगे टिन शेड में करंट उतर आया, जिससे भगदड़ मच गई। लोग जान बचाने के लिए एक-दूसरे को धक्का देकर रौंदते हुए भागने लगे। स्थानीय निवासी प्रशांत और रमेश को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि 42 लोग घायल हैं। हैदरगढ़ और त्रिवेदीगंज सीएचसी पहुंचे घायलों में से चार लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने घटनास्थल का जायजा लिया और सीएचसी पहुंचकर घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन ने स्थिति को संभाला और दो घंटे बाद जलाभिषेक सुचारु हो गया।

औसानेश्वर महादेव मंदिर में रायबरेली, अमेठी समेत कई जनपदों से श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए आते हैं। इसी श्रद्धाभाव को देखते हुए पहली बार विधायक दिनेश रावत ने हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा कराने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था। सोमवार सुबह आठ बजे पुष्प वर्षा होनी थी, लेकिन हादसे के कारण उसे टाल दिया गया।

हैदरगढ़ स्थित औसानेश्वर महादेव मंदिर में घटना के बाद घायलों को ले जाती एंबुलेंस। जागरण

टीन शेड में करंट फैलने पर अलग-अलग बात

मंदिर में मची भगदड़ और मौतों का कारण करंट रहा, जिसकी हर स्तर से पुष्टि हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मौत का कारण करंट ही आया है, लेकिन करंट कैसे उतरा? इसको लेकर अलग-अलग बयान आए हैं। जिलाधिकारी ने बंदर के कूदने से तार टूटने और करंट आने की बात कही, जबकि अनुसूचित एवं जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने होमगार्ड के डंडे से तार टूटने पर करंट आने की बात कही। उधर, बिजली विभाग ने लाइन और खंभों से लीकेज न होने की बात कहकर खुद को किनारे कर लिया है।

चिराग के हमले पर भाजपा की चुप्पी, जदयू के लिए अबूझ पहेली

पटना: केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रा) के अध्यक्ष चिराग पासवान के बिहार सरकार पर लगातार हमलों और उस पर एनडीए के सबसे बड़े घटक दल भाजपा की चुप्पी जदयू के लिए अबूझ पहेली बनती जा रही है। चिराग इन दिनों न सिर्फ कानून-व्यवस्था की स्थिति को बहुत खराब बता रहे हैं, बल्कि अपराधियों को बेलगाम तक कह रहे हैं। (पेज-4)

ट्रंप ने कहा- 15 से 20% रहेगी वैश्विक टैरिफ दर

टर्नबेरी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका उन देशों पर 15 से 20% के बीच टैरिफ लगाएगा, जो वाशिंगटन के साथ बातचीत के जरिये व्यापार समझौता नहीं कर पाए हैं। उनका प्रशासन जल्द ही लगभग 200 देशों को पत्र भेजकर उन्हें अमेरिका को निर्यात पर अपेक्षित टैरिफ दरों की सूचना देगा। (पेज-11)

जैसलमेर में स्कूल का मेनगेट गिरा, पहली कक्षा के छात्र की मौत

जयपुर: झालावाड़ में स्कूल की छत गिरने से शुक्रवार को सात बच्चों की मौत के बाद से राजस्थान में स्कूलों की जर्जर स्थिति लगातार उजागर हो रही है। सोमवार को जैसलमेर के पूनम नगर में सरकारी स्कूल का मुख्यद्वार गिर गया, जिससे पहली कक्षा के छात्र अरबाज की दबकर मौत हो गई। (पेज-7)

दैनिक जागरण सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

मैं कृतकृत्य भयउं तव बानी

सह अस्तित्व का पर्व

● पेज-13

बिहार में मतदाता सूची के प्रारूप के प्रकाशन पर अंतरिम रोक लगाने से शीर्ष कोर्ट का इन्कार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ **आज फिर होगी सुनवाई, शीर्ष कोर्ट ने कहा- वह मतदाता सूची पुनरीक्षण पर फाइनल सुनवाई करेगा**

▸ **कोर्ट ने चुनाव आयोग से फिर कहा- आधार और मतदाता पहचान पत्र दस्तावेजों में स्वीकार करे**

बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान पर फिलहाल कोई रोक नहीं है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के प्रारूप के प्रकाशन पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर फाइनल सुनवाई करेगा। जब याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया कि कोर्ट आदेश दे कि मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन सुप्रीम कोर्ट के अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगा तो कोर्ट ने कहा कि यह स्वाभाविक बात है और इसमें आदेश की जरूरत नहीं है। सोमवार को समय की कमी के कारण कोर्ट मामले पर विस्तृत सुनवाई नहीं कर सका और उसने सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। चुनाव आयोग के अनुसार, एक अगस्त को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित होना है। ऐसे में मंगलवार को होने वाली सुनवाई महत्वपूर्ण होगी और सभी की निगाहें उस पर रहेंगी।

शीर्ष अदालत ने एक बार फिर चुनाव आयोग से कहा कि वह मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मांगे जा रहे दस्तावेजों में आधार और मतदाता पहचान पत्र को स्वीकार करे। कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर नाम बाहर करने के बजाय बड़े पैमाने पर शामिल करने पर जोर होना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्या बाग्ची की पीठ ने आधार और मतदाता पहचान पत्र की सत्यता पर चुनाव आयोग के सवालों पर कहा कि कोई भी दस्तावेज फर्जी हो सकता है। आयोग द्वारा मान्य दस्तावेजों की सूची में शामिल 11 दस्तावेज भी फर्जी हो सकते हैं, यह हर मामले के अनुसार तय होगा।

गैर सरकारी संगठन एडीआर सहित कई विपक्षी दलों के नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान को चुनौती दी है।

'दस्तावेजों' को स्वीकार नहीं करने की शिकायत

कोर्ट ने यह भी कहा कि पिछली तारीख का अंतरिम आदेश उसे सही लगता है, जिसमें आयोग को आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड स्वीकार करने को कहा गया था। लेकिन एक याची की ओर से पेश कपिल सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग कोर्ट के आदेश के बावजूद इन दस्तावेजों को नहीं स्वीकार कर रहा है। पीठ ने कहा कि आयोग का कहना है कि वह पहले से ही आधार और मतदाता पहचान पत्र का रिफरेंस फार्म में भरवा रहा है, यानी उसने अस्वीकार नहीं किया है।

अब आंतरिक जांच को कैसे दे सकते हैं चुनौती : सुप्रीम कोर्ट

जस्टिस वर्मा से सवाल

जज के घर नकदी मिलने के मामले में शीर्ष कोर्ट ने जस्टिस वर्मा पर लगाई सवालों की झड़ी, पूछा- अगर आपको आंतरिक कमेटी के गठन पर आपत्ति थी तो आप उसके समक्ष पेश क्यों हुए

माला दीक्षित ● जागरण

▸ **जांच कमेटी की रिपोर्ट रद करने की मांग लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं जस्टिस वर्मा, रिपोर्ट में ठहराए गए हैं दोषी**

▸ **सिब्बल ने दी दलील, सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक जांच प्रक्रिया और सीजेआइ का उन्हें पद से हटाने की संस्तुति करना असंवैधानिक**

नई दिल्ली: घर में नकदी मिलने के आरोपों का सामना कर रहे इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के लिए सोमवार का दिन बहुत अच्छा नहीं रहा। आंतरिक जांच कमेटी की रिपोर्ट में दोषी ठहराए जाने का दाग छुड़ाने और कमेटी की रिपोर्ट रद करने की मांग लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे जस्टिस वर्मा पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने सवालों की झड़ी लगा दी। कोर्ट ने आंतरिक कमेटी की रिपोर्ट और प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे जस्टिस वर्मा के वकील कपिल सिब्बल से पूछा कि अगर आपको आंतरिक कमेटी के गठन पर आपत्ति थी तो आप उसके समक्ष पेश क्यों हुए? आपने तभी उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती क्यों नहीं दी? कोर्ट ने सवाल किया कि प्रक्रिया में भाग लेने के बाद वे आंतरिक जांच पर सवाल कैसे उठा सकते हैं। यह भी कहा कि उन्होंने घर में आग लगने और नकदी बरामद होने से इन्कार नहीं किया है। हालांकि सिब्बल का जवाब था कि वह कह चुके हैं कि उनका उससे लेना-देना नहीं है, वह उनकी नहीं है।

जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने शुरू से ही सख्त रुख अपनाया। पीठ ने याचिका में बनाए गए पक्षकारों को लेकर सवाल उठाया, जिस पर सिब्बल ने संशोधन करने पर सहमति जताई। सिब्बल ने आंतरिक जांच प्रक्रिया और रिपोर्ट को असंवैधानिक बताते हुए कहा कि संविधान के अनुसार किसी भी जज को केवल संसद ही पद से हटा सकती है। ऐसे में आंतरिक जांच प्रक्रिया और सीजेआइ का उन्हें पद से हटाने की संस्तुति करना असंवैधानिक है। तय प्रक्रिया और सुप्रीम कोर्ट का पूर्व फैसला कहता है कि जब तक जज पर कदाचार साबित न हो जाए तब तक उसके आचरण पर कोई चर्चा नहीं की जाएगी जबकि उनके मामले में इसका घोर उल्लंघन हुआ है। 22 मार्च को फोटो और वीडियो टेप वेबसाइट पर अपलोड किए गए। आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट पर सार्वजनिक बहस होने लगी। उन्हें पहले ही दोषी ठहरा दिया गया। पूरी प्रक्रिया राजनीतिक हो गई जबकि इस सबकी मनाही है। रिपोर्ट के निष्कर्ष जारी होने से प्रक्रिया का राजनीतिकरण हो गया। इस पर पीठ की अगुआई कर रहे जस्टिस दत्ता ने कहा, महाभियोग प्रक्रिया भी राजनीतिक है। पीठ ने सवाल किया कि अगर उन्हें आंतरिक कमेटी पर आपत्ति थी तो उसके समक्ष क्यों पेश हुए। सिब्बल ने कहा कि उन्होंने समिति के समक्ष इसलिए पेश होने का निर्णय लिया क्योंकि उन्हें लगा कि समिति सही निष्कर्ष पर पहुंचेगी। हालांकि, उन्हें वहां से सवालों का सामना करना पड़ा कि उन्होंने अपने स्थानांतरण पर आपत्ति क्यों नहीं उठाई। सीसीटीवी के बारे में क्यों नहीं बताया।

यशवंत वर्मा। फाइल

सिब्बल का सवाल, ... तो जस्टिस वर्मा कदाचार के दोषी कैसे पेज>>5

****

1.5 फीसद गिरावट रही दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीवेब की ओर से बीए और बीकाम प्रोग्राम के लिए जारी पहली कटआफ सूची में।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 29 जुलाई, 2025

आज का मौसम

बादल छाए रहेंगे। बिजली चमकने की संभावना है। कुछ जगहों पर मध्यम जबकि ज्यादातर जगह हल्की वर्षा होने के आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
29 जुलाई	30.0	24.0
30 जुलाई	31.0	24.0
नोएडा		
29 जुलाई	34.0	27.0
30 जुलाई	33.0	26.0
गुरुग्राम		
29 जुलाई	31.0	26.0
30 जुलाई	30.0	25.0

डिग्री सेल्सियस में

'बेहतर परिवहन व्यवस्था से ही रखी जाएगी हवा में बदलाव की बुनियाद'

संजीव गुप्ता ● जागरण

- क्लाइमेट ट्रेंडस द्वारा दिल्ली के एयरशेड में परिवहन क्षेत्र के योगदान पर रखे गए वेबिनार में बोले विशेषज्ञ
- कहा, केवल उम्रदराज वाहनों पर प्रतिबंध लगाने से नहीं बनेगी बात, ढांचागत विकास भी जरूरी ताकि सड़कों पर न लगे जाम

नई दिल्ली : पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि केवल उम्रदराज वाहनों पर प्रतिबंध लगाने से कुछ नहीं होगा। राजधानी का ढांचागत विकास भी जरूरी है ताकि सड़कों पर जाम न लगे। वाहनों पर भी उम्र नहीं बल्कि उनकी फिटनेस के हिसाब से रोक लगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदूषण स्वास्थ्य को भी एक खलनायक की तरह हानि पहुंचा रहा है, इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

''साफ हवा, सेहतमंद ज़िंदगी'' सोच के साथ ही पालिसी थिंक टैंक क्लाइमेट ट्रेंडस ने सोमवार को एक वेबिनार आयोजित किया, जिसमें दिल्ली एनसीआर की हवा को बेहतर बनाने के लिए परिवहन क्षेत्र की भूमिका पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि अब समय 'जानकारी जुटाने' का नहीं, 'कार्रवाई' का है और उस कार्रवाई की शुरुआत गाड़ियों से होनी चाहिए।

पुरानी गाड़ियां, जहरीली हवा : एन्वायरोकैटेलिस्ट के संस्थापक सुनील दहिया ने कहा, ''बीएस दो और बीएस तीन जैसे पुराने वाहन, जो अब तक चल रहे हैं, प्रदूषण का बड़ा कारण हैं। अगर हम बीएस छह या इलेक्ट्रिक गाड़ियों की ओर शिफ्ट करें तो प्रदूषण में 80 प्रतिशत तक की गिरावट मुमकिन है।'' दहिया ने यह भी रेखांकित किया कि हमारी नीतियों में सबसे बड़ी कमी है—''हिसाब का हिसाब नहीं।'' उन्होंने कहा कि हमें गतिविधि आधारित और इमीशन-लोड आधारित ट्रैकिंग इंडिकेटर्स चाहिए ताकि यह तय हो सके कि कौन जिम्मेदार है और उसका क्या असर हो रहा है।

हर दिन करोड़ों यात्राएं, हर सांस में धुआं

डब्ल्यूआरआइ इंडिया के काउस्तुभ चूके ने एक अहम आंकड़ा साझा किया– ''दिल्ली की आबादी करीब 2.4 करोड़ है और एनसीआर में लगभग चार करोड़ लोग रहते हैं। अगर हर व्यक्ति सिर्फ एक यात्रा भी करे तो प्रदूषण की मात्रा सोच से कहीं ज्यादा हो जाती है लेकिन सार्वजनिक परिवहन का हिस्सा 50 प्रतिशत से भी नीचे चला गया है।'' उन्होंने 'लो एमिशन जोन' की वकालत की। जैसे चांदनी चौक में पैदल यात्रा को बढ़ावा देना। चूके के मुताबिक, ''कमर्शियल गाड़ियां संख्या में भले कम हों, लेकिन वही 79 प्रतिशत नाइट्रोजन डाआक्साइड, 40 प्रतिशत कार्बन डाइआक्साइड और 30 से 40 प्रतिशत पार्टिकुलेट मैटर उत्सर्जित कर रही हैं। इनमें से ज्यादातर गाड़ियां दिल्ली की नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा से आती हैं।''

हवा में जहर, दिल पर असर

एम्स के डा. हर्षल साल्वे ने वायु प्रदूषण को एक 'तीरथा त्रिकोण' बताया, जिसकी चोटी पर मौत है लेकिन असली बोझ नींव में छुपा है। दिल की बीमारी, फेफड़ों की कमजोरी, अस्थमा, डायबिटीज और यहां तक कि डिमेंशिया जैसी बीमारियां। उन्होंने कहा, ''ये सब रोजाना घटता है लेकिन न तो हेल्थ रिपोर्टिंग में आता है, न ही नीतिगत चर्चा में।''

चलना और साइकिल चलाना, लेकिन कैसे ?

आइआइटी दिल्ली के डा राहुल गोयल ने कहा, ''दिल्ली की 50 प्रतिशत यात्राएं पैदल चलने से जुड़ी हैं। चाहे वो बस पकड़ना हो या मेट्रो से उतरने के बाद का सफर लेकिन हम ऐसा बुनियादी ढांचा ही नहीं बना पा रहे जो चलने या साइकिल चलाने को सुरक्षित बनाएं। असल गवर्नेंस यहीं चूक जाती है।''

जामिया मामले में आसिफ इकबाल तन्हा की याचिका पर पुलिस को नोटिस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : जामिया नगर इलाके में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा से संबंधित एक मामले में आरोप तय किए जाने के आदेश को आसिफ इकबाल तन्हा ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका पर न्यायमूर्ति संजीव नरुला की पीठ ने नोटिस जारी कर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। ट्रायल कोर्ट ने सात मार्च को तन्हा के विरुद्ध आरोप तय किए थे। अदालत ने आरोपितों की याचिकाओं को 30 अक्टूबर को सुनवाई के लिए तय कर दिया।

ट्रायल कोर्ट ने शरजील, तन्हा और नौ अन्य लोगों के खिलाफ मामले में आरोप तय किए थे। अदालत ने रिकार्ड पर लिया था कि शरजील का बयान न केवल भड़काने वाला था बल्कि वह हिंसा भड़काने की एक बड़ी साजिश का सरगना भी था। अदालत ने कहा था कि इसके लिए उनके खिलाफ आइपीसी की धारा 109 (उकसाने) का दंडात्मक प्रविधान उचित रूप से लागू होता है। यह मामला जामिया और शाहीन बाग में 2019-2020 के विरोध प्रदर्शनों से जुड़ा है।

न्यूज गैलरी

चिंताजनक हैं पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार की खबरें : हाई कोर्ट

नई दिल्ली: पांच लाख रुपये की मांग करने वाले आरोपित हवलदार देवेंद्र कुमार को अग्रिम जमानत देने से इन्कार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार की खबरें अन्याय की धारणा को बढ़ावा देती हैं और न्यायपालिका व कार्यपालिका को इसे जड़ से उखाड़ने के लिए पूरी ताकत लगानी चाहिए। (जासं)

सलमान से मिलने मुंबई पहुंचे सदर बाजार के तीन बच्चे

नई दिल्ली : दिल्ली के सदर बाजार इलाके से तीन नाबालिग स्कूली बच्चों के अचानक लापता होने से हड़कंप मच गया। तीनों बच्चों की उम्र महज 10 से 12 साल के बीच है जो मशहूर अभिनेता सलमान खान से मिलने के लिए बिना किसी को बताए दिल्ली से मुंबई पहुंच गए। हैरान कर देने वाली बात यह है कि इन बच्चों को फ्री फायर मोबाइल गेम खेलने की लत थी और इसी गेम के माध्यम से उनकी दोस्ती मुंबई के जालौन में रहने वाले एक अनजान खिलाड़ी से हुई जिसने इन्हें अभिनेता सलमान खान से मिलवाने का लालच दिया। (जासं)

केवी की छत का प्लास्टर गिरने से छात्र चोटिल

नोएडा : स्कूलों की जर्जर हालत बच्चों के लिए आफत बन रही है। राजस्थान के झालावाड़ में जिस दिन छत गिरने से सात बच्चों की मौत हुई थी, उसी दिन नोएडा के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में नौवीं कक्षा में छत का प्लास्टर गिरने से एक बच्चा चोटिल हो गया था। घटना के समय कक्षा में 40 छात्र थे लेकिन अन्य सभी बाहर निकल गए थे। शिक्षक ने बच्चे को प्राथमिक उपचार दिया। ताज्जुब की बात है कि स्कूल प्रबंधन ने मामले को तीन दिन तक दबाए रखा। (जासं)

एसीबी करेगी निर्माणाधीन बारापुला एलिवेटेड परियोजना की जांच

आरोप ▶ सरकार की सोमवार को हुई वित्त व्यय समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

सीएम ने कहा, पूर्व की आप सरकार की लापरवाही के कारण 175 करोड़ रुपये ठेकेदार को दिए गए

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

निर्माणाधीन बारापुला एलिवेटेड कारिडोर फेज-तीन परियोजना में हुई वित्तीय अनियमितताओं को लेकर दिल्ली सरकार ने सोमवार को बड़ा फैसला लिया। सरकार ने तय किया कि इस परियोजना में निर्माणकर्ता कंपनी को भुगतान हुए 175 करोड़ रुपये के मामले की जांच भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) करेगी। सरकार को आशंका है कि पूर्व की आप सरकार और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों की मिलीभगत और लापरवाही के कारण कंपनी को भुगतान किया गया।

भाजपा सरकार की मानें तो उस समय निर्माणकर्ता कंपनी 35 करोड़ रुपये लेकर विवाद निपटाने को तैयार थी लेकिन आप सरकार ने राशि नहीं दी। बाद में इसी मामले में आप सरकार ने कंपनी को 175 करोड़ का भुगतान किया। इस उच्चस्तरीय बैठक में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा सहित अन्य मंत्रियों के अलावा संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को वित्त व्यय समिति की बैठक में निर्माणाधीन बारापुला एलिवेटेड कारिडोर फेज-तीन की समीक्षा की गई। कारिडोर के निर्माण में बरती गई अनियमितताओं और ठेकेदार कंपनी को 175 करोड़ का भुगतान करने की जांच एसीबी से कराने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों को इस परियोजना को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके तहत मयूर विहार फेज-एक के सामने से सराय काले खां तक करीब साढ़े तीन किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कारिडोर बनाया जा रहा है।

बैठक के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि यह परियोजना भी पिछली आप सरकार के भ्रष्टाचार और घोर लापरवाही का एक और उदाहरण है। इसको अक्तूबर 2017 में पूरा हो जाना था लेकिन विभिन्न कारणों से यह पिछड़ती गई। मामला आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) में चला गया, जहां से कंपनी के पक्ष में आए फैसले में उसे 120 करोड़ रुपये अदा करने के लिए कहा गया। जब कंपनी को यह राशि अदा नहीं की गई तो वह हाई कोर्ट में चली गई। मई 2023 में कोर्ट ने पीडब्ल्यूडी को ब्याज व जीएसटी समेत 175 करोड़ रुपये अदा करने का आदेश दिया। यह राशि कंपनी को अदा कर दी गई है। सीएम के अनुसार पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का आलम यह था कि उसने कोर्ट में पुनर्विचार याचिका भी दायर नहीं की और न ही कोई कार्रवाई की।

दिल्ली सरकार की वित्त एवं व्यय समिति की बैठक की अध्यक्षता करतीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता साथ मौजूद मंत्री प्रवेश वर्मा, मंत्री कपिल मिश्रा व अन्य। सौजन्य : दिल्ली सरकार

जांच से नहीं प्रभावित होगा काम

मुख्यमंत्री के अनुसार जांच से यह भी पता चला है कि उस दौरान ठेकेदार कंपनी चाहती थी कि उसे 35 करोड़ रुपये ही मिल जाएं तो वह विवाद को आगे नहीं बढ़ाएगी लेकिन उसे यह राशि अदा नहीं की गई, जिसके बाद विवाद हाईकोर्ट तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अनियमितता में पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के भी संलिप्त होने की संभावना हैं। उन्होंने ये भी कहा कि इस जांच में परियोजना प्रभावित नहीं होगी और इसे तय समय पर पूरा कर लिया जाएगा।

दिल्ली में हर दिन कुत्तों के काटने से बच्चे व बुजुर्ग हो रहे रेबीज के शिकार : सुप्रीम कोर्ट

▶ छह वर्षीय बच्ची की मौत की खबर पर लिया स्वत: संज्ञान

नई दिल्ली, प्रेट्र : देशभर से आए-दिन बच्चों एवं बुजुर्गों को आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार तो इनके काटने पर समय से रेबीज का इंजेक्शन नहीं लगने से मौत तक हो जाती है। दिल्ली में पिछले दिनों छह वर्षीय एक बच्ची की कुत्ते के काटने से मौत की खबर का सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दिल्ली और इसके बाहरी इलाकों में हर दिन कुत्तों के काटने की सैकड़ों खबरें सामने आ रही हैं जिसके कारण बच्चे एवं बुजुर्ग रेबीज का शिकार हो रहे हैं।

जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने एक दैनिक अखबार में सोमवार को प्रकाशित राष्ट्रीय राजधानी में एक आवारा कुत्ते के हमले में छह वर्ष की बच्ची की मौत की खबर को बेहद परेशान करने वाला और चिंताजनक करार दिया। समाचार पर संज्ञान लेते हुए पीठ ने अपनी रजिस्ट्री को इसे जनहित में स्वतः संज्ञान याचिका के रूप में पंजीकृत करने का आदेश दिया। साथ ही कहा, 'इस आदेश को उचित आदेश के लिए समाचार रिपोर्ट के साथ प्रधान न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।''

एक अन्य याचिका पर कहा था, आप अपने घर में क्यों नहीं खिलाते खाना : नोएडा में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक अलग याचिका पर सुनवाई करते हुए 15 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा था, ''आप उन्हें अपने घर में खाना क्यों नहीं खिलाते ?''

शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा था, 'हमें इन दरियादिल लोगों के लिए हर गली, हर सड़क खुली छोड़ देनी चाहिए? इन जानवरों के लिए तो पूरी जगह है, लेकिन इंसानों के लिए कोई जगह नहीं है। आप उन्हें अपने घर में खाना क्यों नहीं खिलाते? आपको कोई नहीं रोक रहा है।''

यह टिप्पणी इलाहाबाद हाई कोर्ट के मार्च, 2025 के आदेश के कारण दायर एक याचिका पर की थी। याचिकाकर्ता ने उत्पीड़न का दावा करते हुए कहा था कि वह पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुसार आवारा कुत्तों को खाना खिलाने में असमर्थ है।

आप नेता अमानतुल्लाह खान पर सीबीआइ मामले में आरोप तय

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ वक्फ बोर्ड भर्ती घोटाले में आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत तय किए हैं आरोप

दिल्ली वक्फ बोर्ड में नियुक्तियों में अनियमितता से जुड़े मामले में अदालत ने आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। यह मामला सीबीआइ की ओर से दर्ज किया गया था। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने खान पर आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोप तय किए हैं। अब इस मामले की नियमित सुनवाई शुरू होगी।

जांच एजेंसी ने 31 अगस्त 2022 को आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोप पत्र के मुताबिक, अमानतुल्लाह खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के चेयरमैन के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए 2016 से 2021 के बीच नियमों को ताख पर रखकर अवैध तरीके से कई नियुक्तियां कीं। जांच एजेंसी का कहना है कि इन नियुक्तियों में न तो कोई विज्ञापन निकाला गया और न ही पात्रता मानकों का पालन किया गया।

सीबीआइ ने इस मामले में कुल 11 लोगों को आरोपित बनाया है जिनमें वक्फ बोर्ड से जुड़े कर्मचारी और फायदा पाने वाले व्यक्ति शामिल हैं। यह मामला सबसे पहले 2016 में सामने आया था और तभी से इसकी जांच जारी है।

यह मामला पहली बार 2016 में सामने आया था जब कुछ शिकायतकर्ताओं ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में नियमविरुद्ध नियुक्तियों को लेकर एलजी को ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद एलजी द्वारा मामले की जांच की अनुशंसा की गई और सीबीआइ ने प्रारंभिक जांच शुरू की। सीबीआइ की जांच में पाया गया कि नियुक्तियों में पारदर्शिता नहीं बरती गई। बाद में 31 अगस्त 2022 को सीबीआइ ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कर आरोपपत्र दाखिल किया। आरोप है कि अमानतुल्लाह खान ने ऐसे लोगों को नियुक्त किया जिनके पास वांछित अनुभव नहीं था।

यूपी-बिहार एसटीएफ ने हापुड़ में ढेर किया 50 हजार का इनामी बदमाश

जागरण संवाददाता, हापुड़ : यूपी-बिहार एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में बिहार का कुख्यात 50 हजार का इनामी बदमाश डब्ल्यू यादव मारा गया। मुठभेड़ में नोएडा एसटीएफ के हेड कांस्टेबल अनिल व बिहार एसटीएफ में कांस्टेबल रवि भी घायल हुए हैं। बदमाश ने 24 मई 2025 को बेगूसराय (बिहार) के हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम पार्टी) के प्रखंड अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता विकास कुमार उर्फ राकेश कदम का अपहरण करने के बाद हत्या कर दी थी। बदमाश पर हत्या, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास समेत विभिन्न मामलों में 24 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

एसपी ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि रविवार देर रात जानकारी मिली कि डब्ल्यू यादव क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। चेकिंग के दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बदमाश के पास से एक कार्बाइन, एक पिस्टल, एक तमंचा, 20 कारतूस, 12 खोखा, एक बाइक व पिट्ठू बैग बरामद किया है।

डीयू में दूसरे चरण में 24 हजार से ज्यादा सीटों पर आवंटन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में स्नातक कोर्सों में प्रवेश की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए डीयू ने दूसरी सीट आवंटन सूची जारी कर दी है। इस चरण में आठ हजार रिक्त सीटों के लिए 24,843 सीटों का आवंटन किया गया है। डीयू की रणनीति यही रही है कि आगे के चरणों में कालेजों में सीटें खाली न रह जाएं इसलिए पहले दो चरण में ही अधिक संख्या में आवंटन किए गए हैं।

डीयू दाखिला डीन प्रो. हनीत गांधी के अनुसार, अब अगले चरण में अतिरिक्त सीटें आवंटित नहीं की जाएंगी। अब तक कुल 87,335 सीटें आवंटित की जा चुकी हैं जबकि 71,624 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें अपग्रेड, फ्रीज और नए आवंटन शामिल हैं। दूसरे चरण में विशेषकर उन छात्रों को लाभ मिला है, जिन्होंने पहले चरण में अपग्रेड का विकल्प चुना था। ऐसे 27,314 छात्रों को उनके पसंदीदा कालेज व कोर्स की सीट मिल गई है, वहीं 17,922 छात्रों ने अपनी सीट फ्रीज कर ली है यानी अब वे किसी अन्य विकल्प की ओर नहीं बढ़ेंगे। अब छात्र 30 जुलाई तक सीट स्वीकार कर सकते हैं। कालेज की ओर से प्रवेश की मंजूरी 31 जुलाई तक दी जा सकती है। छात्र एक अगस्त, शाम 4:59 बजे फीस जमा कर प्रवेश पक्का कर सकते हैं। छात्र सीट की स्थिति डैशबोर्ड पर देख सकते हैं। यदि वे दाखिला प्रक्रिया में बने रहना चाहते हैं तो उन्हें समय रहते सीट स्वीकार करनी होगी। फीस नहीं पर वे अपग्रेड विकल्प का लाभ नहीं उठा सकेंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय। फाइल

अब मिड एंट्री और तीसरे राउंड की तैयारी : दूसरे चरण की प्रक्रिया पूर्ण होते ही विश्वविद्यालय रिक्त सीटों की नई सूची जारी करेगा। उसके बाद छात्रों को अपनी प्राथमिकताओं को फिर से व्यवस्थित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, मिड एंट्री का विकल्प भी खुलेगा।

डीयू एनसीवेब की कटआफ जारी, आई गिरावट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ मिरांडा हाउस और हंसराज कालेज में कटआफ में छह फीसद तक की कमी, आज से शुरू होंगे दाखिले

दिल्ली विश्वविद्यालय के नान कालेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीवेब) ने बीए और बीकाम प्रोग्राम में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पहली कटआफ सूची जारी कर दी है। इस बार की सूची में पिछले वर्ष की तुलना में औसतन एक से 1.5 फीसद की गिरावट देखने को मिली है जबकि कुछ प्रतिष्ठित कालेजों जैसे मिरांडा हाउस और हंसराज कालेज में तीन से छह फीसदी तक की कटौती की गई है।

डीयू की 15,200 सीटों के लिए इस बार 17,500 से अधिक छात्राओं ने आवेदन किया है। मिरांडा हाउस में बीए (इतिहास-राजनीति विज्ञान) की कटआफ 88 प्रतिशत से घटाकर 85 प्रतिशत की गई है, वहीं (अर्थशास्त्र-राजनीति विज्ञान) के लिए कटआफ 85 प्रतशत से घटाकर 80 प्रतिशत की गई है। हंसराज कालेज ने बीए (इतिहास-राजनीति विज्ञान) की कटआफ 87 प्रतिशत से घटाकर 81 प्रतिशत और बीकाम की कटआफ 88 प्रतिशत से घटाकर 84 प्रतिशत कर दी है। मैत्रेयी कालेज में बीए प्रोग्राम के लिए कटआफ 73 प्रतिशत, एसपीएम कालेज में 71 प्रतिशत, जबकि राजधानी और दीनदयाल उपाध्याय कालेज केंद्र में 69 प्रतिशत है।

बीकाम में कई कालेजों में 50 प्रतिशत पर भी मिल रहा प्रवेश : श्री गुरु गोबिंद सिंह कालेज आफ कामर्स ने सामान्य वर्ग के लिए 73 प्रतिशत और पीडब्ल्यूडी वर्ग के लिए 60 प्रतिशत कटआफ जारी की है। अदिति महाविद्यालय, भगिनी निवेदिता कालेज और आर्यभट्ट कालेज में बीकाम प्रोग्राम के लिए सामान्य श्रेणी की कटआफ 50 प्रतिशत रखी गई है। एसपीएम कालेज में 60 प्रतिशत पर बीकामम में दाखिला संभव है। छात्राएं प्रवेश 29 से 31 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगी। फीस जमा करने की अंतिम तिथि दो अगस्त शाम बजे तक होगी।

पहल

सीबीएसई से जुड़े स्कूलों में बढ़ी एआइ की पढ़ाई, अब 9वीं से 11वीं तक बाकायदा पढ़ाया जा रहा यह विषय, 2019 के मुकाबले इसे पढ़ाने में 1800 प्रतिशत की रिकार्ड बढ़ोतरी, विद्यार्थी बना रहे चैटबाट, माडल और एप

स्कूलों में अब एआइ के ज्ञान से लैस हो रहा भविष्य

रीतिका मिश्रा ● जागरण

4,543 सीबीएसई स्कूलों में अब एआइ विषय पढ़ाया जा रहा है जबकि वर्ष 2019 में 235 स्कूलों में ही इसे पढ़ाया जा रहा था

944 सीबीएसई स्कूलों में 11वीं में अभी एआइ विषय पढ़ाया जाता है जबकि 2020 में 80 स्कूलों में यह शुरू किया गया था

नई दिल्ली : राजधानी के अधिकतर सरकारी, सहायता प्राप्त व निजी स्कूलों में अब तकनीक की समझ केवल लैब तक सीमित नहीं रह गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) विषय अब 9वीं से 12वीं में बाकायदा पढ़ाए जा रहे हैं। पांच साल पहले जिन स्कूलों में एआइ को लेकर कोई चर्चा तक नहीं थी, वहीं अब विद्यार्थी न सिर्फ इसकी पढ़ाई कर रहे हैं बल्कि अपने प्रोजेक्ट्स के जरिये तकनीकी समाधान भी खोज रहे हैं। राजधानी के कई स्कूलों ने इस विषय को वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2019-20 में एआइ को नौवीं में वैकल्पिक कौशल विषय के रूप में शुरू किया था। तब मात्र 235 स्कूलों में यह विषय पढ़ाया जा रहा था लेकिन अब सीबीएसई से संबंधित 4,543 स्कूलों में एआइ विषय पढ़ाया जा रहा है यानी 2019 के मुकाबले अब इस विषय को पढ़ाने में 1800 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। 11वीं कक्षा में इस विषय को 2020-21 में जोड़ा गया। 11वीं में एआइ पढ़ाने वाले स्कूलों की संख्या 80 से बढ़कर 944 हो गई है।

एआइ अब लैब से निकलकर कक्षा तक : सीबीएसई ने एआइ को कौशल विषय के तौर पर शामिल किया था लेकिन अब यह विषय सिर्फ कागजों में नहीं बल्कि कक्षा के अंदर असली प्रोजेक्ट में बदल चुका है। विद्यार्थी खुद अपने आइडिया पर काम कर रहे हैं। नई दिल्ली स्थित स्कूल के कुछ विद्यार्थियों ने इमेज रिकग्निशन, बेसिक चैटबाट और वेदर प्रेडिक्शन जैसे प्रोजेक्ट्स बनाए हैं। कुछ ने पायथन जैसी भाषा भी सीख ली है।

प्रतीकात्मक

एआइ से बनाया ग्रीन इकोनामी बैंक : आइपी एक्सटेंशन स्थित नेशनल विक्टर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एक अनोखा कदम उठाया है। यहां विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्या वीना मिश्रा के साथ मिलकर एआइ की मदद से ग्रीन इकोनामी बैंक तैयार किया है।

झूठी शान के लिए पिता ने बेटी की हत्या कर फंदा लगाकर की आत्महत्या

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

▶ गुरुग्राम के बाद अब ग्रेटर नोएडा में बाप ने गला दबाकर की बेटी की हत्या

▶ कासना कोतवाली क्षेत्र की नई सिरसा कालोनी की घटना, आगरा के मूल निवासी थे पिता-पुत्री

गुरुग्राम की राधिका की पिता द्वारा चार गोलियां मारकर हत्या किए जाने की घटना लोग अभी भूले भी नहीं थे कि अब ग्रेटर नोएडा में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। यहां कासना कोतवाली क्षेत्र की सिरसा कालोनी में पिता ने झूठी शान के लिए बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी और खुद भी फंदा लगाकर जान दे दी। बेटी फोन पर किसी से बात करती थी, जिससे पिता को उसका किसी युवक से प्रेम प्रसंग चलने का शक था। इसे लेकर रविवार रात विवाद भी हुआ था।

मूलरूप से आगरा के जगनेर थाना अंतर्गत वाजिदपुर के अशोक कुमार (45) करीब 10 वर्ष पूर्व कासना के सिरसा नई कालोनी में किराये के मकान में परिवार के साथ रहने आए थे। परिवार में पत्नी शारदा, बड़ी बेटी संजना (19), बेटा विवेक और प्रशांत हैं। अशोक कासना की एक फैक्ट्री में सिलाई और संजना बिजली के मीटर बनाने की फैक्ट्री में काम करती थी। वह अक्सर मोबाइल पर किसी से बात करती थी। इससे पिता को उसके प्रेम प्रसंग का शक था। इसे लेकर पिता-पुत्री में अक्सर विवाद होता था। शारदा का कहना है कि रविवार रात पति, बेटी और दोनों बेटे खाना खाकर छत पर सोने गए थे। रात करीब 11 बजे पति ने अपना मोबाइल दोनों बेटों को दे दिया और संजना का मोबाइल छीन लिया। इसके बाद संजना ने पिता का मोबाइल भाइयों से छीनकर पटक कर तोड़ दिया। इसपर पिता-पुत्री में रात करीब एक बजे तक विवाद हुआ। काफी समझाने के बाद दोनों शांत हुए। सोमवार सुबह उठी तो पिता-पुत्री छत पर नहीं दिखे। घर का एक कमरा अंदर से बंद था। पड़ोसी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर पंखे पर फंदे से अशोक का शव लटका मिला और संजना का शव फर्श पर पड़ा था। हाथ-पैर पर हल्की चोट के निशान थे। कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र शुक्ला का कहना है कि प्रथमदृष्टया मामला यही लग रहा है कि बेटी की हत्या के बाद पिता ने आत्महत्या की है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल स्वजन ने कोई शिकायत नहीं दी है।

****

700 करोड़ लीटर से अधिक हो गई है इंडियन आयल और भारत पेट्रोलियम जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के पेट्रोल पंप पर आपूर्ति किए जाने वाले एथनाल मिश्रित पेट्रोल की मात्रा।

आपरेशन सिंदूर के दौरान ट्रंप व मोदी में कारोबार पर नहीं हुई बात

रखे तथ्य ▸ विदेश मंत्री जयशंकर ने लोकसभा में कहा, 22 अप्रैल से 17 जून के बीच पीएम मोदी और ट्रंप में नहीं हुई कोई बातचीत

पीएम मोदी व उपराष्ट्रपति वेंस में नौ मई को हुई थी बात, लेकिन कारोबार पर कोई चर्चा नहीं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम का बार-बार श्रेय लेने में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश को विदेश मंत्री जयशंकर ने ध्वस्त कर दिया है। लोकसभा में चर्चा के दौरान उन्होंने जो तथ्य सामने रखे, उससे साफ है कि राष्ट्रपति ट्रंप का दावा पूरी तरह से आधारहीन है। जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच पहली बार 22 अप्रैल, 2025 (पहलगाम हमले के दिन) और दूसरी बार 17 जून, 2025 (जी-7 शिखर बैठक के दौरान) टेलीफोन पर बात हुई। जबकि आपरेशन सिंदूर सात से नौ मई, 2025 तक चलाया गया था और 10 मई, 2025 को पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का आग्रह किया था। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से बात हुई थी, लेकिन इसमें कारोबार को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई। विगत 12 हफ्तों में राष्ट्रपति ट्रंप कम से कम 22 बार सार्वजनिक मंचों पर यह दावा कर चुके हैं कि भारत व पाकिस्तान के बीच संघर्ष उन्होंने ही रुकवाया और इसके लिए दोनों देशों को कारोबार करने का लालच दिया।

जयशंकर ने बताया, 'नौ मई, 2025 को उपराष्ट्रपति वेंस ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से बात की थी और बताया था कि पाकिस्तान की तरफ से अगले कुछ घंटों में बहुत ही बड़ा आक्रमण करने की तैयारी है। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बताया था कि अगर ऐसा होता है तो भारत बहुत ही कड़ा जवाब देगा। पाकिस्तान ने नौ और 10 मई को जो हमला किया उसे भारतीय सैन्य बलों ने असफल कर दिया। यह जवाब क्या था, आप सभी सेटेलाइट की तस्वीरों में देख सकते हैं। 10 मई को हमें फोन काल पर बताया गया कि पाकिस्तान संघर्ष रोकने को तैयार है। इस पर हमने यही कहा कि पाकिस्तान को यह बात डीजीएमओ के जरिये रखनी होगी। अमेरिका के साथ वार्ता में किसी भी स्तर पर कारोबार पर कोई बात नहीं हुई। साथ ही 22 अप्रैल, 2025 से 17 जून, 2025 के बीच प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच कोई बात नहीं हुई थी।'

विदेश मंत्री ने कांग्रेसी सांसदों से पूछा कि आपरेशन सिंदूर से पहले क्या आपने कभी सोचा था कि भारत बहावलपुर और मुरीदके (पाकिस्तान में आतंकियों के अड्डे) पर हमला करेगा। असलियत में आपकी सरकार ने मुंबई हमले के बाद इस तरह की संभावनाओं को खारिज कर दिया था। जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान अभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सदस्य है, जो चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसके बावजूद 25 अप्रैल, 2025 को सुरक्षा परिषद ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की और हमलावरों व उनका समर्थन करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की बात की। पाकिस्तान ने आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का नाम यूएनएससी के बयान से हटवाया और उनके विदेश मंत्री ने इसका श्रेय भी लिया। आज अमेरिका ने टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है और पाकिस्तान के वही विदेश मंत्री इसको मान रहे हैं। हमने आपरेशन सिंदूर को लेकर जबर्दस्त कूटनीतिक कोशिश की। संयुक्त राष्ट्र में 193 सदस्य हैं और इनमें से सिर्फ तीन पाकिस्तान के साथ हैं। दुनिया मान रही है कि आतंकवाद को सहन नहीं करना चाहिए और जिस पर हमला होता है उसे कदम उठाने का अधिकार है।

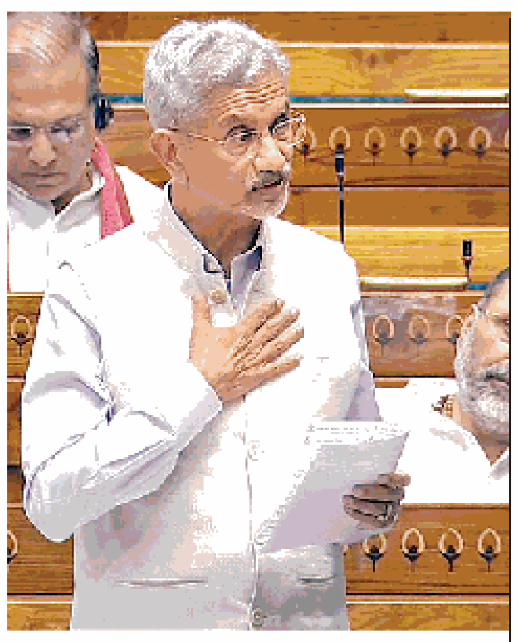

आपरेशन सिंदूर पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मामले से जुड़े कई तथ्य प्रस्तुत किए। प्रेट्र

ट्रंप का दावा, भारत-पाकिस्तान सहित पांच बड़े युद्धों को रुकवाया

लंदन, प्रेट्र : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बार फिर दावा किया कि अगर उन्होंने समय रहते सभी व्यापार वार्ताओं को रोकने की धमकी देकर हस्तक्षेप नहीं किया होता तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ गया होता। स्काटलैंड में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ आधिकारिक वार्ता से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान सहित दुनियाभर में छह बड़े युद्धों को रोकने के लिए कदम उठाने का श्रेय लिया। वह हमास के साथ युद्ध विराम वार्ता विफल होने के कुछ ही घंटों बाद गाजा में संघर्ष समाप्त करने के लिए इजरायल पर दबाव डालने के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। ट्रंप ने कहा कि कई युद्धविराम चल रहे हैं। अगर मैं नहीं होता तो छह बड़े युद्ध चल रहे होते। भारत पाक के साथ लड़ रहा होता। ट्रंप ने कहा, हमारे कई ऐसे हाटस्पाट हैं, जहां युद्ध छिड़ा हुआ था। मुझे लगता है कि भारत और पाकिस्तान बहुत बड़े हाटस्पाट थे, क्योंकि दोनों परमाणु संपन्न देश हैं। मैं पाकिस्तान और भारत के नेताओं को जानता हूं। वे एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, फिर भी वे परमाणु हथियारों की बात कर रहे थे। इसलिए, मैंने दोनों देशों से कहा कि यदि युद्ध नहीं रुका तो आप से कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा। जब वे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल शुरू करते तो बहुत बुरी घटनाएं घटित होतीं। हमने बहुत सारे युद्ध रोके हैं और ऐसा करना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है।

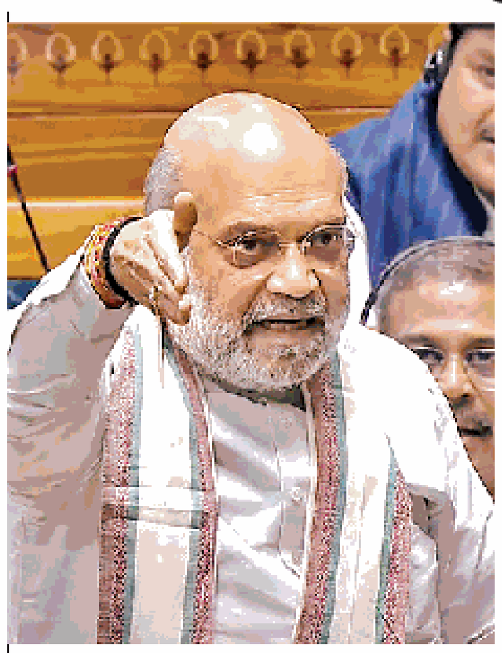

सोमवार को लोकसभा में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान हस्तक्षेप करते गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

अगले 20 वर्षों तक विपक्ष में ही रहेगी कांग्रेस : शाह

जयशंकर के भाषण के दौरान संक्षिप्त हस्तक्षेप करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विदेश मंत्री के बयान पर भरोसा नहीं करने और इसके बजाय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर विश्वास करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। शाह ने कहा कि इसीलिए वह विपक्ष में बैठी है और अगले 20 वर्षों तक विपक्ष में ही रहेगी। उन्होंने कहा, 'उन्हें (विपक्ष को) विदेश मंत्री पर भरोसा नहीं है। उन्हें किसी और देश पर भरोसा है। मैं उनकी पार्टी में विदेशी (राय) के महत्व को जानता हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे इस दृष्टिकोण को संसद पर थोप दें।'

विपक्ष पर भरोसा जताकर पीएम मोदी ने दिखाया बड़प्पन : सुप्रिया सुले

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : लोकसभा में आपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर चल रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए राकांपा (शरद पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि यह समय आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से एकजुटता दिखाने का है।

उन्होंने इस दौरान पीएम मोदी की जमकर तारीफ की और कहा कि आपरेशन सिंदूर पर दुनियाभर में देश का पक्ष रखने के लिए उन्होंने जिस तरह से विपक्षी सांसदों पर भरोसा जताया, यह उनका विपक्ष के प्रति विश्वास और बड़प्पन दोनों था। दुनिया में हम जहां भी गए, सभी हमें सम्मान की नजरों से देख रहे थे। वे कह थे कि आप तो महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और नरेन्द्र मोदी के देश से आए हैं।

सुले ने इस दौरान भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्हें इस मौके पर इन आरोपों से बचना चाहिए कि किसने क्या किया? या फिर उन्हें इतिहास पढ़ना चाहिए। देश में आपरेशन सिंदूर से पहले भी कई बड़े आपरेशन और युद्ध हुए हैं। मुंबई हमले में हमने आतंकी कसाब को जिंदा पकड़ा था। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां भी हम गए, सबने भारत के इस रुख की तारीफ की है कि हमने संघर्ष विराम का फैसला लेकर ठीक किया। बता दें कि विपक्षी गठबंधन इस मसले पर सरकार को घेर रहा है।

थरूर ने आपरेशन सिंदूर के खिलाफ पार्टी लाइन पर बोलने से किया इन्कार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

इसके बाद कांग्रेस ने पार्टी के वक्ताओं की सूची से उन्हें कर दिया बाहर

पहलगाम हमले के बाद से ही पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ मुखर और आपरेशन सिंदूर पर दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने वाले शशि थरूर ने कांग्रेस की लाइन पर लोकसभा में बोलने से इन्कार कर दिया। इसके बाद कांग्रेस ने भी उन्हें पार्टी के वक्ताओं की सूची से बाहर कर दिया। आपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होने के पहले संसद भवन पहुंचे शशि थरूर ने इस मामले में कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया। आज का दिन महत्वपूर्ण होने के बारे में पूछे जाने पर थरूर ने मुस्कुराते हुए संवाददाताओं से कहा-मौनव्रत, मौनव्रत।

दरअसल, आपरेशन सिंदूर के दौरान सबसे मुखर वक्ता के रूप में उभरे शशि थरूर के लोकसभा में बोलने को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। इस मुद्दे पर मोदी सरकार का खुलकर समर्थन करने के लिए वह पार्टी के ही कई नेताओं पर निशाने पर आ गए थे। वहीं, कांग्रेस आपरेशन सिंदूर के दौरान सेना को खुला समर्थन देने के बावजूद सरकार पर हमलावर रही है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस की ओर से शशि थरूर को लोकसभा में पार्टी लाइन पर बोलने के लिए कहा गया, जिसके तहत आपरेशन सिंदूर को लेकर उन्हें सरकार पर हमला करना था। लेकिन, थरूर ने साफ किया कि वह आपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में खुलकर बोलते आए हैं। ऐसे में अचानक उसके खिलाफ बोलना उचित नहीं होगा। इसके बाद कांग्रेस ने वक्ताओं की सूची से उनका नाम हटा दिया। वक्ताओं की सूची में थरूर की अनुपस्थिति ने काफी ध्यान आकर्षित किया है। विशेष रूप से यह देखते हुए कि उनके नेतृत्व में एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल ने आपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने के लिए अमेरिका और ब्राजील सहित कुछ अन्य देशों की यात्रा की थी।

विपक्ष की ओर से पुराने सवालों की ही झड़ी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- विपक्ष ने सुरक्षा व्यवस्था, ट्रंप की भूमिका, वायुसेना को क्षति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा
- गौरव गोगोई ने पूछा- आतंकी पहलगाम तक कैसे पहुंच गए व घटना के बाद भाग कैसे गए

आपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष जिस तरह आक्रामक था, उससे यही लग रहा था कि वह शायद कुछ ऐसे गंभीर मुद्दे उठाएगा जिनसे सरकार असहज होगी। लेकिन सोमवार को चर्चा में विपक्ष सारे पुराने सवाल ही उठाता रहा। शायद चर्चा शुरू होने से पहले कश्मीर में पहलगाम हमले के कुछ गुनहगार आतंकियों की मौत की खबर ने विपक्ष की धार को कुछ और कम कर दिया होगा।

विपक्ष की ओर से चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने गुलाम जम्मू-कश्मीर, सुरक्षा व्यवस्था, अमेरिका की भूमिका, वायुसेना को क्षति एवं प्रधानमंत्री की प्राथमिकता जैसे मुद्दों को लेकर प्रश्न किए गए। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जवाब को अधूरा बताते हुए सुरक्षा में चूक पर भी सवाल उठाया और कहा कि आपरेशन सिंदूर की जानकारी तो दी गई, लेकिन यह नहीं बताया कि पहलगाम तक आतंकी कैसे पहुंच गए? किसने मदद दी और घटना के बाद भाग कैसे गए? इस विफलता के लिए कौन जिम्मेदार है? उन्होंने सीधा प्रश्न किया कि हम गुलाम जम्मू-कश्मीर को वापस कब लेंगे?

आपरेशन सिंदूर पर सोमवार को लोकसभा में बोलते कांग्रेस नेता गौरव गोगोई। एएनआइ

राहुल गांधी की मौजूदगी में गोगोई ने कहा कि प्रत्येक आतंकी हमले के बाद सरकार कहती है कि आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है तो फिर उड़ी, पुलवामा एवं पहलगाम जैसे हमले क्यों हो रहे हैं? उन्होंने लड़ाकू विमानों के क्षतिग्रस्त होने का मामला भी उठाया और कहा कि देश में राफेल विमानों की संख्या महज 35 है। इनमें से यदि कुछ का नुकसान हुआ है तो यह गंभीर चिंता की बात है। इसकी सच्चाई नागरिकों के साथ-साथ सेना को भी जानने का अधिकार है। गोगोई ने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 26 बार बताया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक दबाव बनाकर संघर्ष विराम कराया। गोगोई ने कहा, 'अचानक 10 मई को हमें पता चला कि संघर्ष विराम हो गया है। क्यों? हम जानना चाहते हैं कि अगर पाकिस्तान घुटने टेकने को तैयार था, तो आपने क्यों रोका और किसके सामने आत्मसमर्पण किया?'

सपा सांसद रमाशंकर राजभर ने भी घटना के 17 दिन बाद आपरेशन सिंदूर चलाने पर प्रश्न उठाते हुए कहा जब पूरी तैयारी से युद्ध में उतरे थे तो तीन दिनों में ही खत्म क्यों कर दिया। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद गणपत सावंत ने पहलगाम में सुरक्षा-व्यवस्था नहीं होने का सवाल उठाया और कहा कि पहले जब मैं कश्मीर जाता था तो चप्पे-चप्पे पर जवान खड़े रहते थे। उस दिन ऐसा क्या हुआ कि हजारों पर्यटक आए थे, लेकिन जवान एक भी नहीं था।

पहलगाम हमले में पाक को क्लीन चिट देने के आरोप में घिरे चिदंबरम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- पूर्व गृह मंत्री ने कहा, संदर्भ से काट कर बयान किया जा रहा है प्रचारित
- कांग्रेस व चिदंबरम वही भाषा बोल रहे हैं, जो पाक बोलता है : शिवराज

लोकसभा में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के ठीक पहले पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान को क्लीन चिट देने के आरोपों में घिर गए। एक न्यूज पोर्टल को दिए साक्षात्कार में उन्होंने पहलगाम में हमला करने वाले आतंकियों के पाकिस्तान से आने के सुबूत नहीं होने का हवाला दिया था। उन्होंने कहा था-हम जानते हैं कि वे हमारे अपने यहां के आतंकवादी हो सकते हैं। फिर हम यह क्यों मान लेते हैं कि वे पाकिस्तान से आए हैं? इसका कोई सुबूत नहीं है। चिदंबरम ने सवाल किया कि क्या सरकार ने एक और पहलगाम को रोकने के लिए कोई कदम उठाया है? आतंकवादी कहां हैं? आपने उन्हें क्यों नहीं पकड़ा? आपने उनकी पहचान तक क्यों नहीं की? अचानक, एक खबर सामने आती है कि हमने उन्हें शरण देने वाले दो या तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। अब उसका क्या हुआ? भाजपा ने इसे पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का आरोप लगाते हुए चिदंबरम को निशाने पर ले लिया। वैसे बाद में चिदंबरम ने कहा कि उनके साक्षात्कार के एक छोटे से हिस्से को संदर्भ से काटकर गलत तरीके से प्रचारित किया गया है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूछा कि चिदंबरम ऐसा क्यों कह रहे हैं? कांग्रेस और चिदंबरम वही भाषा बोल रहे हैं, जो पाकिस्तान बोलता है। विपक्ष के चेहरे से नकाब उतर चुका है। पाकिस्तान भी पहलगाम हमले में संलिप्तता से साफ इन्कार करता रहा है। ठीक उसी तरह से चिदंबरम ने सवाल उठाया कि हमला करने वाले आतंकी पाकिस्तान से ही आए थे, इस बात का क्या सुबूत है। एएनआइ के अनुसार, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने चिदंबरम पर पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यही लोग सत्ता में रहते हुए कहते थे कि इसमें पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं है। चिदंबरम को यह समझना चाहिए कि इस तरह के बयान पाकिस्तान के रुख को और मजबूत करते हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस एक देशद्रोही संगठन बन गई है। आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने वाली कांग्रेस का क्या वजूद है? राहुल गांधी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हैं। उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप हैं। कांग्रेस अब पाकिस्तान समर्थक हो गई है। वह चीन के सहयोग से पाकिस्तान के सभी आतंकवादियों का समर्थन कर रही है।

भाजपा आइटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि कांग्रेस दुश्मन की रक्षा के लिए हमेशा पीछे हट जाती है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया-ऐसा क्यों है कि जब भी हमारी सेनाएं पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना करती हैं, तो कांग्रेस नेता इस्लामाबाद के बचाव पक्ष के वकील ज्यादा लगते हैं? जब राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है, तो कोई अस्पष्टता नहीं होनी चाहिए। लेकिन कांग्रेस के साथ ऐसा कभी नहीं होता।

पी. चिदंबरम। फाइल

लोगों को सुबूत की जरूरत नहीं, यह सब पाक ने किया है : प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, एएनआइ : शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार को पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम की टिप्पणी का खंडन करते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में लोगों को किसी सुबूत की जरूरत नहीं है। प्रियंका चतुर्वेदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पहलगाम हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता का सुबूत यह है कि उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का बचाव किया। टीआरएफ ने एक्स पर एक पोस्ट में पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। चिदंबरम गृह मंत्री रह चुके हैं और कई मंत्रालयों में काम कर चुके हैं। हमने पाक के साथ कई युद्ध किए हैं और उसकी आतंकी गतिविधियों का सामना किया है।

आपरेशन सिंदूर पर चर्चा से पहले संसद में एसआइआर पर गतिरोध

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- लोकसभा में निर्धारित समय से दो घंटे बाद शुरू हो सकी चर्चा
- राज्यसभा में भी एसआइआर पर चर्चा के लिए अड़ा रहा विपक्ष

बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) का मुद्दा मानसून सत्र में सदन की कार्यवाही में हर दिन बाधा बन रहा है। सोमवार को लोकसभा में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा प्रस्तावित थी, किंतु विपक्ष एसआइआर पर चर्चा का आश्वासन चाहता था। इसे लेकर हंगामा होता रहा और बार-बार सदन स्थगित करना पड़ा। वहां दो घंटे बाद चर्चा शुरू हो सकी, जबकि राज्यसभा की पूरे दिन की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई।

यह पहले ही तय हो चुका था कि लोकसभा में सोमवार से, जबकि राज्यसभा में मंगलवार से आपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होगी। पहलगाम हमले के बाद आपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा की मांग विपक्ष की ही थी, जिस पर सरकार भी सहमत हो गई। इसके बावजूद सोमवार को लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने एसआइआर पर हंगामा शुरू कर दिया। इस पर दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और आपरेशन सिंदूर पर दो घंटे विलंब से दोपहर दो बजे चर्चा शुरू हो सकी। इससे पहले सदन के स्थगन को लेकर दोनों पक्षों के अपने-अपने आरोप थे। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल का कहना था कि विपक्ष ने आपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की थी और सरकार इस पर चर्चा करना चाहती है तो विपक्ष एसआइआर पर हंगामे के बहाने इससे भाग रहा है। वहीं, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल का आरोप था कि विपक्ष सिर्फ इतना चाहता है कि 30 सेकेंड का समय एसआइआर का विषय उठाने के लिए दिया जाए और उसके बाद मात्र यह आश्वासन दे दिया जाए कि आपरेशन सिंदूर के बाद एसआइआर पर भी चर्चा कराई जाएगी। विपक्ष भी आपरेशन सिंदूर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा में मंगलवार से आपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होनी है, लेकिन सोमवार को मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर गतिरोध बना रहा। बार-बार स्थगन के बाद दोपहर दो बजे कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के विरोध में सोमवार को नई दिल्ली में संसद परिसर में प्रदर्शन करतीं सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत आइएनडीआइए के अन्य नेता। प्रेट्र

20 लाख रुपये से अधिक टर्नओवर पर अपार्टमेंट एसो. को कराना होगा पंजीकरण

नई दिल्ली, आइएएनएस : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में कहा कि अगर अपार्टमेंट एसोसिएशन का एक वित्त वर्ष में 20 लाख रुपये (विशेष श्रेणी के राज्यों में 10 लाख रुपये) से अधिक का कारोबार (टर्नओवर) है तो उन्हें पंजीकरण कराना होगा। हालांकि एसोसिएशनों को जीएसटी का भुगतान तभी करना होगा जब मेंटीनेंस (रखरखाव शुल्क) प्रति सदस्य 7,500 रुपये प्रति महीने से अधिक हो। जिन अपार्टमेंट एसोसिएशनों का रखरखाव शुल्क प्रति 7,500 रुपये प्रति माह तक है या जिनका कुल कारोबार 20 लाख रुपये से कम है, उन्हें जीएसटी के तहत पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं हैं।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को जीएसटी का भुगतान नहीं करना पड़ता है। केवल अपार्टमेंट एसोसिएशनों को ही भुगतान करना होता है। उन्होंने कहा, 'मासिक रखरखाव राशि के भुगतान के बावजूद, अपार्टमेंट के निवासियों पर जीएसटी अनुपालन की कोई आवश्यकता नहीं रखी गई है।'

मौलवी की डिंपल यादव पर टिप्पणी के खिलाफ राजग सांसदों ने किया प्रदर्शन

- समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की चुप्पी पर उठाए सवाल
- राजग सांसदों ने लगाए नारे- नारी शक्ति का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान
- डिंपल बोलीं- अच्छा होता कि राजग मणिपुर की महिलाओं के साथ खड़ा होता

नई दिल्ली, प्रेट्र : राजग सांसदों ने सोमवार को संसद परिसर में एक मौलवी द्वारा समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव के खिलाफ की गई कथित अमर्यादित टिप्पणियों के खिलाफ प्रदर्शन किया और उन्होंने इसे 'शर्मनाक, आपत्तिजनक और अस्वीकार्य' बताया। मौलाना साजिद राशिद ने एक टीवी बहस के दौरान डिंपल यादव के मस्जिद में एक बैठक के दौरान साड़ी पहनने पर विवादास्पद टिप्पणियां कीं और समाजवादी पार्टी की एक अन्य सांसद इकरा हसन से उनकी तुलना की, जिन्होंने अपने सिर को ढका हुआ था।

सत्तारूढ़ राजग सांसदों ने संसद भवन परिसर में मकर द्वार के पास प्रदर्शन किया और 'नारी शक्ति का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान' जैसे नारे लगाए। इस प्रदर्शन का नेतृत्व सत्तारूढ़ राजग की महिला सांसदों ने किया। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने सपा और उसके प्रमुख अखिलेश यादव की चुप्पी पर सवाल उठाया। स्वराज ने पूछा- 'क्या तुष्टिकरण की राजनीति उनके लिए महिला की गरिमा से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।'

उधर, राजग के विरोध hj डिंपल यादव ने कहा कि राजग का आक्रोश तब अधिक औचित्यपूर्ण होता जब वे मणिपुर जैसी घटनाओं के दौरान भी एकजुटता दिखाते। मणिपुर की महिलाओं के साथ खड़े होते तो बेहतर होता।

सपा सांसद डिंपल यादव के खिलाफ एक मौलवी की टिप्पणी के विरोध में सोमवार को राजग सांसदों ने मानसून सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। प्रेट्र

सिर्फ पाक के डीजीएमओ के अनुरोध पर ही स्थगित किया गया आपरेशन

प्रथम पृष्ठ से आगे

राजनाथ ने आपरेशन सिंदूर को पूरी तरह से सफल बताया और कहा कि सेना ने सारे लक्ष्य पूरे किए। उन्होंने साफ किया कि हमले के बाद पाकिस्तान ने हार मानी और सिर्फ पाकिस्तान के डीजीएमओ के अनुरोध पर ही इसे स्थगित किया गया और वह भी इस शर्त पर कि आगे वह कभी आतंकी हमले की गलती नहीं करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि आपरेशन सिंदूर अब भी जारी है और आतंकी हमले की स्थिति में पाकिस्तान को फिर उसी की भाषा में जवाब दिया जाएगा। उन्होंने विपक्ष को सिर्फ भारतीय विमानों के गिरने के बारे में सवाल उठाने पर भी आड़े हाथों लिया। राजनाथ ने विपक्ष को छोटे सोच से बाहर निकलकर आपरेशन सिंदूर को समग्रता में देखने को कहा कि छिटपुट नुकसान को नहीं देखते हुए बड़े लक्ष्य को हासिल करने में मिली सफलता और विफलता पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 1962 और 1971 में विपक्ष में रहते हुए जनसंघ ने कभी लड़ाई में विमानों, टैंकों और अन्य सैन्य साजोसामान के नुकसान के बारे में सवाल नहीं पूछा था।

रक्षा मंत्री ने कहा, हर देश में नागरिक विपक्ष और सरकार को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपते हैं। सरकार का काम नागरिकों के लिए काम करना है और विपक्ष का काम नागरिकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछना है। विपक्ष के सवाल हमारी राष्ट्रीय भावनाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करते। अगर उन्हें कोई सवाल पूछना ही है तो यह पूछना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकी ठिकानों को नष्ट किया और इसका जवाब है, हां... अगर आपको कोई सवाल पूछना है तो यह पूछना चाहिए कि क्या आपरेशन सिंदूर सफल रहा। इसका जवाब है, हां।

****

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

1 अगस्त से चुनाव आयोग बिहार में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाएगा। इसके लिए पहली अक्टूबर, 2025 तक 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले लोग फार्म-6 भरकर नए मतदाता बन सकते हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 29 जुलाई, 2025

ममता ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकाया

'रोहिंग्या वोट बैंक' की रक्षा के लिए धमका रहीं ममता : अमित मालवीय

सीएम ने अपने अफसरों से कहा- चुनाव अधिकारियों के निर्देश नहीं मानें

अमित मालवीय। फाइल

ममता बनर्जी। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राज्य में मतदाता सूची का संशोधन किए जाने के दौरान प्रदेश के अधिकारियों को धमकाने और चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए कहने का आरोप लगाया है। यह आरोप तब लगाया गया जब बनर्जी ने अपनी सरकार के अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदाता सूची के संशोधन के दौरान लोगों को परेशान नहीं किया जाए और भाजपा व चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वे बांग्ला बोलने वाले प्रवासियों, अल्पसंख्यकों, ओबीसी और गरीबों को लक्षित करके असली मतदाताओं को हटाने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सोमवार को भाजपा के बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा कि बनर्जी 'खुले तौर पर' अधिकारियों को धमका रही हैं ताकि वह अपने 'गैरकानूनी बांग्लादेशी और रोहिंग्या वोट बैंक' की रक्षा कर सकें, क्योंकि उन्हें पता है कि उनकी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, 'बोगस वोटों के बिना ढह जाएगी'। मालवीय ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब चुनाव आयोग के अधिकारियों को खुले तौर पर धमका रही हैं। कह रही हैं कि वे राज्य के लिए काम करते हैं और राष्ट्रीय चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन नहीं करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'यह उतावलापन क्यों है? अपने गैरकानूनी बांग्लादेशी और रोहिंग्या वोट बैंक की रक्षा करने के लिए। वह एक साफ, सत्यापित मतदाता सूची का विरोध कर रही हैं क्योंकि तृणमूल कांग्रेस का अस्तित्व नकली मतदाताओं पर निर्भर करता है। ममता बनर्जी जानती हैं कि बोगस वोटों के बिना उनकी पार्टी ढह जाएगी।'

भाजपा नेता ने कहा, 'यह केवल राजनीतिक घमंड नहीं है। यह भारत के संविधान और लोकतंत्र पर सीधा हमला है।' हाल ही में चुनाव आयोग ने सभी मुख्य चुनाव अधिकारियों को बताया है कि बिहार के बाद देश के अन्य सभी राज्यों में मतदाता सूची का संशोधन शुरू होगा।

आयोग ने बंगाल में मतदाता सूची जारी करने का शुरू किया कार्य

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण जल्द शुरू होने की अटकलों के बीच चुनाव आयोग ने वर्ष 2002 की मतदाता सूची जारी करने का कार्य आरंभ किया है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी की आधिकारिक वेबसाइट पर फिलहाल बंगाल की 294 में से 109 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची जारी की गई है। विभिन्न राज्यों में पिछली बार एसआइआर 2002 से 2004 के दौरान हुआ था, जबकि बिहार में यह 2003 में। कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा, नदिया, हावड़ा, हुगली, पूर्व व पश्चिम मेदिनीपुर और बांकुड़ा जिलों में पड़ने वाले विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं की सूची जारी की गई है।

जान दे दूंगी, पर किसी को छीनने नहीं दूंगी अपनी भाषा : ममता

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- बंगाल में शुरू किया 'भाषा आंदोलन', भाजपा पर निशाना साधा
- एनआरसी को राज्य में लागू नहीं होने देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई

बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने देशभर में प्रवासी बांग्लाभाषियों पर कथित हमले के विरोध में सोमवार को बीरभूम जिले के बोलपुर से राज्यव्यापी 'भाषा आंदोलन' की शुरुआत करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य में नेशनल रजिस्टर आफ सिटीजंस (एनआरसी) लागू नहीं होने देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

ममता ने कहा कि बांग्ला दुनिया में पांचवीं व एशिया में दूसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है, फिर भी भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों पर अत्याचार हो रहे हैं। भाजपा बांग्ला की पहचान मिटाने की कोशिश कर रही है जबकि मैंने मैंने कभी हिंदी भाषियों से नहीं कहा कि आप बंगाल छोड़कर चले जाओ। मैं जान दे दूंगी लेकिन किसी को अपनी भाषा छीनने की इजाजत नहीं दूंगी।

ममता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने विदेश दौरे के समय कभी धार्मिक पहचान पर सवाल नहीं करते। जब वे अरब देशों की यात्रा पर जाते हैं तो क्या शेख से यह पूछकर गले मिलते हैं कि वे हिंदू हैं या मुसलमान? क्या उन्होंने मालदीव के राष्ट्रपति से गले मिलते वक्त उनसे उनका धर्म पूछा था? केंद्र ने बंगाल को उसका बकाया नहीं दिया, जबकि पड़ोसी देश को 5,000 करोड़ रुपये दान दे दिए।

आयोग पिछले दरवाजे से एनआरसी के लिए प्रयास कर रहा

ममता ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का परोक्ष संदर्भ देते हुए आरोप लगाया कि केंद्र के इशारे पर चुनाव आयोग पिछले दरवाजे से एनआरसी लागू करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने दोहराया कि वह बंगाल में न तो एनआरसी लागू होने देंगी और न ही डिटेंशन सेंटर स्थापित करने देंगी। ममता ने बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को परोक्ष तौर पर चेतावनी देते हुए कहा- आप मतदाता सूची से प्रामाणिक मतदाताओं के नाम न काटें।

सांसद डिंपल यादव पर मौलाना की टिप्पणी से सियासी उबाल

जागरण टीम, लखनऊ

- सपा कार्यकर्ता ने विभूति खंड थाने में दर्ज कराई एफआइआर
- स्त्री विरोधी वक्तव्य और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप

सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी की टिप्पणी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस संबंध में सपा कार्यकर्ता प्रवेश यादव ने रविवार को गोमती नगर के थाना विभूति खंड में तहरीर देकर मौलाना साजिद पर स्त्री विरोधी वक्तव्य देने और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है। तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, ''जो हो रहा है, अच्छा हो रहा है। यह अच्छी बात है कि एफआइआर दर्ज हुई है।'' दूसरी ओर, मौलाना साजिद रशीदी ने सफाई दी कि उनकी टिप्पणी इस्लामिक मान्यताओं के आधार पर थी। कहा, ''मैंने कोई अपमानजनक बात नहीं की। यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है कि मस्जिद में सिर ढकना चाहिए।'' हालांकि, उनकी इस सफाई ने विवाद को और हवा दी।

विवाद तब शुरू हुआ, जब आल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने एक टीवी डिबेट शो में डिंपल यादव के संसद भवन के पास स्थित मस्जिद में आयोजित सपा की बैठक में शामिल होने और उनके पहनावे पर टिप्पणी की।

इस बयान के बाद सोमवार को संसद से लेकर सड़क तक हंगामा मचा रहा। मौलाना साजिद रशीदी ने टीवी डिबेट के दौरान डिंपल यादव के मस्जिद में बिना सिर ढके जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा था, ''मस्जिद में दो महिलाएं थीं, एक इकरा हसन ने सिर ढका था, लेकिन डिंपल यादव ने नहीं।'' इस टिप्पणी को महिला विरोधी और अपमानजनक बताते हुए सपा कार्यकर्ता प्रवेश यादव ने शिकायत दर्ज कराई।

इंस्पेक्टर विभूतिखंड सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश यादव समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए हैं। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर देखा कि मौलाना साजिद ने सार्वजनिक मंच पर डिंपल यादव पर आपत्तिजनक अभद्र भड़काऊ व स्त्री विरोधी टिप्पणी की है जिससे एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंची है। साथ ही लोगों को भड़काने का प्रयास किया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपित के खिलाफ बीएनएस की धारा 79 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने), 196, 197, 299, 352, 353 व आइटी एक्ट की धारा 67 समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच की जा रही है।

चिराग के हमले पर भाजपा की चुप्पी, जदयू के लिए बनी अबूझ पहेली

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

- बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर लगातार हमलावर हैं चिराग
- एनडीए के दो घटक दल हम और रालोमो नीतीश के साथ दिख रहे

चिराग पासवान फाइल

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रा) के अध्यक्ष चिराग पासवान के बिहार सरकार पर लगातार हमलों और उस पर एनडीए के सबसे बड़े घटक दल भाजपा की चुप्पी जदयू के लिए अबूझ पहेली बनती जा रही है। चिराग इन दिनों न सिर्फ कानून-व्यवस्था की स्थिति को बहुत खराब बता रहे हैं, बल्कि अपराधियों को बेलगाम तक कह रहे हैं। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कानून-व्यवस्था को हमेशा अपनी प्राथमिकता सूची में पहले नंबर पर बताया है। 2005 में यही विषय उनके सत्ता में आने का मुख्य कारण भी बना था। जहां तक एनडीए के घटक दलों का प्रश्न है तो भाजपा ने इस मुद्दे पर एक तरह से चुप्पी साध ली है।

भाजपा के प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल से पूछा गया तो उनका उत्तर था- बिहार में कानून का राज है और रहेगा। सरकार जीरो टालरेंस की नीति पर काम कर रही है। हालांकि, भाजपा कोटे के एक कैबिनेट मंत्री ने चिराग की कानून-व्यवस्था से जुड़ी टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर दोनों हाथ जोड़ लिए। कानून-व्यवस्था को लेकर चिराग से मिलते-जुलते आरोप महागठबंधन की ओर से भी लगाए जाते हैं। ऐसे मामलों पर भाजपा के बड़े नेता मोर्चा खोल देते हैं। राजद शासनकाल की याद दिलाते हुए बताया जाता है कि वह जंगलराज का दौर था। लेकिन, चिराग के आरोपों पर भाजपा नेता उसी अंदाज में बचाव करते नहीं दिख रहे।

भाजपा से अलग एनडीए का घटक दल हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा (हम) नीतीश के पक्ष में खड़ा है। इसके संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी कहते हैं कि विधानसभा सीटों के लिए दबाव बनाने के लिए चिराग को यह सब नहीं करना चाहिए। उन्होंने 2020 में भी ऐसा ही किया था। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा भी चिराग के रुख का समर्थन नहीं करते हैं। हालांकि, वह मानते हैं कि अपराध की घटनाएं इधर बढ़ी हैं।

तेज बोले- हमें सम्राट चौधरी से लगता है डर

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : चार दिन पहले उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बुखार छुड़ा देने की धमकी देने वाले विधायक तेज प्रताप यादव को अब डर लग रहा है। वह भी किसी और से नहीं, सम्राट चौधरी से लग रहा है। उन्होंने सोमवार को कुछ मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा- हमको सबसे ज्यादा डर सम्राट चौधरी से लगता है। कब, कहां, क्या करवा दे, पता नहीं। 24 जुलाई को विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और सम्राट चौधरी के बीच तीखी झड़प हुई थी। उस समय तेज प्रताप विधानसभा में नहीं थे।

यह पहला अवसर है, जब तेज प्रताप ने बताया कि उन्हें भी डर लगता है। इससे पहले कई लोग उनके डर से पार्टी छोड़ चुके हैं। हाल में ही उन्होंने राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल को पागल करार दिया था। उन पर एक राजद कार्यकर्ता ने घर में बंद कर पिटाई करने का भी आरोप लगाया था। तेज प्रताप ने कहा कि विधानसभा में सम्राट चौधरी जिस तरह तेजस्वी पर हमलावर हुए, हम उसी से डर रहे हैं। उन्होंने कहा- हम यहां बैठे हैं। हमारे ऊपर बम फिंकवा दें तो...।

डबल इंजन की सरकार में अपराध-भ्रष्टाचार का बोलबाला : तेजस्वी

जागरण संवाददाता अररिया

- नेता प्रतिपक्ष ने कहा, अपराधी दिनदहाड़े विजय व सम्राट बन चुके हैं

तेजस्वी यादव। फाइल

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति अत्यंत खराब है। अपराधी दिनदहाड़े विजय और सम्राट बन चुके हैं, जिससे राज्य में क्रिमिनल डिसआर्डर की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पिछले एक सप्ताह में बिहार में 100 हत्याएं हो चुकी हैं। उन्होंने डबल इंजन की सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि एक इंजन अपराध में और दूसरा भ्रष्टाचार में लिप्त है। सीएजी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि सरकार में 71 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है, जिसका कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। वे सोमवार सुबह अररिया सर्किट हाउस में प्रेस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और दोनों डिप्टी सीएम इस मामले में मौन हैं। तेजस्वी ने एक डिप्टी सीएम पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने जन्म प्रमाण पत्र में गजब की तिकड़मबाजी की है। 2005 में वह 26 वर्ष के थे, जबकि 2010 में 28 वर्ष के हो गए और 2020 में उनकी उम्र 51 वर्ष बताई गई। इस प्रकार, उन्होंने 10 साल में 23 वर्ष की उम्र बढ़ा ली।

तेजस्वी ने सम्राट चौधरी पर भी आरोप लगाया कि उन्होंने बिना मैट्रिक के पीएचडी कर लिया। जो व्यक्ति इतनी बड़ी धोखाधड़ी करता है, हम लोगों के साथ गाली-गलौज करता है, उसे बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने एसआइआर में धांधली की बात करते हुए चुनाव आयोग से निष्पक्ष वोटर लिस्ट की मांग की।

टीएमसी विधायक का विवादित बयान, पर्यटकों पर हमला नहीं करते आतंकी

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : टीएमसी विधायक साबित्री मित्रा ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले पर यह कहकर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया कि आतंकी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाते। मुस्लिम बहुल मालदा जिले के मानिकचक की विधायक मित्रा ने एक रैली को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकियों के पास एक बड़ी योजना होती है और वे सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि फिर पहलगाम में इतने सारे पर्यटकों को किसने मारा? उनकी पहचान क्या है? वहीं, भाजपा ने मित्रा पर आतंकियों का बचाव करने का आरोप लगाया। भाजपा के आइटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में मित्रा के बयान को शर्मनाक और राष्ट्र-विरोधी बताया। हालांकि, बाद में मित्रा ने दावा किया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने कहा कि मेरा मतलब था कि पहलगाम हमले के असली अपराधियों का पता लगाया जाना चाहिए ताकि बड़ी साजिश का पर्दाफाश हो सके।

राष्ट्रीय फलक

मूसा ने आइएसआइ और लश्कर के इशारे पर किया था पहलगाम हमला

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर

आपरेशन महादेव में पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड हाशिम मूसा उर्फ सुलेमानी की मौत से पाकिस्तान के आतंकी चेहरे का सच फिर सामने आ गया है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, सुलेमानी ने पहलगाम हमले को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ और लश्कर के अपने हैंडलर सज्जाद और काजी सैफ के निर्देश पर अंजाम दिया था। वह दोनों के लगातार संपर्क में था। हमले के पीछे आइएसआइ व लश्कर का उद्देश्य पूरे भारत में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने की साजिश व बलोच विद्रोहियों द्वारा जफर एक्सप्रेस पर किए गए हमले से पैदा हुए हालात से आम पाकिस्तानियों का ध्यान हटाना था। सूत्रों के अनुसार, हाशिम मूसा और उसके साथियों को आइएसआइ व लश्कर ने सिर्फ चुनिंदा हमलों के लिए भेजा था। गुरिल्ला युद्ध में पूरी तरह प्रशिक्षित पाकिस्तानी कमांडो होने के कारण वह आबादी से दूर जंगल में ही रहने को प्राथमिकता देता था। सूत्रों की मानें तो अप्रैल में पहलगाम हमले से पहले वह दो से तीन बार त्राल में देखा गया था। हमले के सिलसिले में पकड़े गए दो स्थानीयों परवेज व बशीर ने भी उसके हमले में शामिल होने की पुष्टि की है।

दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान में आतंकियों से मुठभेड़ के बाद बरामद हथियार। सौ. सुरक्षाबल

चार वर्ष से सक्रिय था हाशिम मूसा

हाशिम मूसा सुरक्षाबल की नजर में 21 दिसंबर 2023 को आया, जब पुंछ के डीकेजी सेक्टर में एक सैन्य वाहन पर आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया। हमले में पांच सैन्यकर्मी वीरगति को प्राप्त हुए थे। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों की मानें तो वह वर्ष 2022 के अंत में गुलाम जम्मू-कश्मीर से राजौरी-पुंछ के बीच के रास्ते घुसपैठ कर दाखिल हुआ था। उसके साथ पांच आतंकी और थे। हाशिम कुपवाड़ा व पुंछ में एलओसी पर स्थित भारतीय चौकियों पर बैट हमलों में भी शामिल रहा है।

ओजीडब्ल्यू को भी नहीं लगने देता था भनक : हाशिम मूसा के बारे में कहा जाता है कि वह इतना शातिर था कि किसी भी ओवरग्राउंड वर्कर के पास या किसी स्थानीय आतंकी के साथ दो से तीन दिन से ज्यादा समय तक नहीं ठहरता था। हाशिम और उसका गुट किसी भी जगह हमला करने से पहले वहां से बच निकलने के लिए अपना रास्ता तैयार करता था। हमले से पहले तक वह अपने ओवरग्राउंड वर्कर नेटवर्क को भी अपने इरादे से बेखबर रखता था।

दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान में पहाड़ी पर बना आतंकियों का ठिकाना। सौ. सुरक्षाबल

पुंछ में सुरक्षाबल का दबाव बढ़ने के बाद हाशिम कश्मीर में दाखिल हुआ था और कुछ समय तक वह शोपियां, बड़गाम और कुलगाम में सक्रिय रहा। उसने कुलगाम के रहने वाले लश्कर आतंकी जुनैद रमजान बट को अपने गुट में शामिल किया। उसने जुनैद के साथ कुलगाम के ऊपरी जंगल में सेना के गश्तीदल पर हमला किया था, जिसे तीन सैन्यकर्मी बलिदान हुए थे। इसके बाद हाशिम अपने दो पाकिस्तानी साथियों और जुनैद को लेकर त्राल चला गया और इसके बाद उसने हारवन-दाचीगाम के पहाड़ों पर अपना ठिकाना बनाया। इसी ठिकाने से उसने 20 अक्टूबर 2024 को श्रीनगर-जोजि ला मार्ग पर स्थित गगनगीर में सोनमर्ग सुरंग के निर्माण में जुटे लोगों पर हमला किया था। इसके बाद वह बांडीपोरा रास्ते गुलमर्ग की तरफ चला गया, जहां उसने 24 अक्टूबर 2024 को गुलमर्ग के बोटापथरी में एक सैन्य दल पर हमला किया, जिसमें पांच सैन्यकर्मी वीरगति को प्राप्त हुए थे।

स्थानीय मददगारों की वजह से अब तक बचता रहा हाशिम मूसा

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर

- पहलगाम हमले के मुख्य गुनहगार के मारे जाने से आतंकियों की बदली रणनीति का भी हुआ पर्दाफाश
- आतंकी अब बस्ती नहीं, जंगल के भीतरी हिस्से में बनाते हैं ठिकाना, आसपास रहता है मुखबिरों की जाल

आपरेशन महादेव में पहलगाम हमले के मुख्य गुनहगार हाशिम मूसा उर्फ सुलेमानी व उसके दो अन्य साथी आतंकियों के मारे जाने के साथ ही कश्मीर में मरणासन्न आतंकवाद को फिर जिंदा करने की पाकिस्तानी साजिश को बड़ा झटका लगा है। लेकिन इसके साथ ही जम्मू संभाग के राजौरी जिला से कश्मीर संभाग में श्रीनगर के हारवन-दाचीगाम तक आतंकियों के स्थानीय नेटवर्क (मददगार) और आतंकियों की बदली रणनीति का भी पर्दाफाश हो गया है। स्थानीय मददगारों की वजह से ही हाशिम मूसा अब तक पकड़ से दूर था।

हाशिम ने श्रीनगर के हारवन-दाचीगाम में जिस वन क्षेत्र में अपना ठिकाना बनाया था, वहां किसी आम आदमी का पहुंचना आसान नहीं है। उसके ठिकाने से मिले राशन व अन्य साजो सामान से पता चलता है कि यह सामान निकटवर्ती गांवों से ही लिया गया था। इस पूरे इलाके में लगभग सभी आवासीय बस्तियों में सुरक्षाबल के शिविर हैं या फिर इस पूरे क्षेत्र में आने-जाने के लगभग हर रास्ते पर सुरक्षाबल की मौजूदगी व निगरानी है। इसके बावजूद वह सभी की नजर से बचा हुआ था। हालांकि अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों की मानें तो दो दिन पहले कुछ लोगों ने ही उस इलाके को चिन्हित किया था, जहां हाशिम ठिकाना बनाए हुए था।

सूत्रों ने बताया कि जिस क्षेत्र में आतंकी ठहरते हैं, उसके आसपास की बस्तियों में उन्होंने अपने मुखबिरों का एक जाल तैयार कर रखा होता है। यह मुखबिर भी आपस में एक-दूसरे को नहीं जानते। ये अपने इलाके में होने वाली सुरक्षाबल की किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत आतंकियों तक पहुंचाते हैं। सूत्रों ने बताया कि बीते कुछ वर्षों के दौरान आतंकियों ने अपनी रणनीति में व्यापक बदलाव किया है। वह अब किसी एक ओवरग्राउंड वर्कर पर निर्भर नहीं रहते और न उनके साथ फोन पर नियमित संवाद करते हैं। वह किसी बस्ती में या साथ सटे किसी बाग, खेत या जंगल में नहीं रहते हैं बल्कि वन क्षेत्र के भीतरी हिस्सों में ठिकाने बनाकर रह रहे हैं। वह अपने ठिकाने को यथासंभव अपने ओवरग्राउंड वर्कर की नजर से भी दूर रख रहे हैं और जब कभी उन्हें कोई सामान मंगवाना होता है तो वह उन्हें एक जगह बता देते हैं। आम लोगों के साथ कम से कम संपर्क हो, इसके लिए यह अपने साथ सुई धागा तक लेकर चलते हैं और चिह्नित स्थानों पर तभी रुकते हैं जब इनके सीमा पार हैंडलर किसी ओवरग्राउंड वर्कर विशेष के बारे में सूचित करें।

सीमा पार से निर्देश मिलने पर पहुंचाया जाता है सामान

आतंकियों के स्थानीय मददगार भी कश्मीर में सक्रिय आतंकियों तक तभी मदद पहुंचाते हैं, जब सीमा पार बैठे उनके हैंडलर उनकी पुष्टि करें और निर्देश दें। उसके बाद वह निर्देशानुसार आवश्यक साजो-सामान के साथ एक निश्चित स्थान पर संपर्क करते हैं। फोन पर न्यूनतम संपर्क किया जाता है और अगर किया भी जाना है तो वह एनक्रिपेटिड ऐप के जरिए किया जाता है, ताकि कोई दूसरा संदेश न सुन सके।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को श्रीनगर के दाचीगाम में आतंकरोधी अभियान के दौरान तीन पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराने पर सुरक्षाबल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं इस अभियान के बारे में जो कुछ भी कहूंगा, वह पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने अभियान में शामिल बलों की सराहना करते हुए कहा कि मैं सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और इस (दाचीगाम) अभियान में भाग लेने वाले सभी कर्मियों को बधाई देता हूं।

'सब जानते हैं आतंकियों की कब्रों पर नारे लगाकर किसने लिए लाभ'

राज्य ब्यूरो, जागरण • जम्मू

- जम्मू में आतंक पीड़ितों के 80 संबंधियों को नियुक्ति पत्र दिए गए
- आतंकियों और अलगाववादियों का समर्थन करने वालों पर बरसे

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा आतंकियों और अलगाववादियों का समर्थन करने वालों पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि विडंबना यह है कि जो लोग खून बहाते थे, उनका ही साथ दिया जाता था। लाभ लेने के लिए आतंकियों की कब्रों पर बड़े-बड़े लोग जाकर नारे लगाते। दुख है कि मां भारती के सपूतों को इंसाफ नहीं दिया गया। सोमवार को आतंक पीड़ितों के 80 निकट संबंधियों को नियुक्ति पत्र देने के बाद उपराज्यपाल जम्मू के कन्वेंशन सेंटर संबोधित कर रहे थे। इससे पहले बारामुला में आयोजन हुआ था जहां 40 आतंक पीड़ित परिवारों को नियुक्ति पत्र मिले। उपराज्यपाल ने कहा कि यहां आतंक पीड़ितों का सामाजिक बहिष्कार होता था। आज आतंक पीड़ितों के परिवारों ने साहसपूर्वक अपनी बात रखी। अपने कष्टदायक अनुभव साझा किए और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों और उनके समर्थकों की भूमिका को उजागर किया।

आतंक पीड़ितों के परिवारों के दर्द और दुख को साझा किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के आम नागरिकों ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों और उनके पीछे लगे आतंकी तंत्र के कारण अकल्पनीय आघात सहा है। आतंक पीड़ित परिवारों को चुप रहने के लिए धमकाया गया। अपराधियों और उनकी मदद करने वालों को बचाने के लिए उनकी पीड़ा को नजरअंदाज किया गया। उपराज्यपाल ने कहा कि मैं आतंक पीड़ित परिवारों को आश्वस्त करता हूं कि अपराधियों को सजा दी जाएगी।

सुनियोजित तरीके से की गई आतंकियों की घेराबंदी

प्रथम पृष्ठ से आगे

अधिकारियों ने बताया कि आतंकी बच कर भाग न सकें इसके लिए सुरक्षाबल ने उनके ठिकाने की घेराबंदी इस अंदाज में की गई कि उनके नेटवर्क को भी भनक न लग सके। शनिवार शाम से ही आपरेशन शुरू हो गया था पर जवानों ने दिन के समय अपनी गतिविधियों को पूरी तरह सीमित रखा। रविवार दिन में सुरक्षाबल जंगल में ही डेरा डाले रहे और रात होने पर ही आतंकियों के ठिकाने की ओर बढ़े। सोमवार तड़के दो बजे के करीब आतंकियों ने अपने अल्ट्रासेट को फिर खोला और सीमापार संपर्क करने का प्रयास किया। जवानों ने आतंकियों की उपस्थिति को सुनिश्चित करने को तीन से चार गोलियां हवा में चलाईं, लेकिन आतंकियों की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। जवानों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया तो आतंकियों ने ग्रेनेड दागा। जवानों ने जवाबी फायर किया और उसके बाद हुई मुठभेड़ में तीनों आतंकी मारे गए।

शुभम द्विवेदी के परिवार चिदंबरम के बयान को बताया शर्मनाक

जागरण संवाददाता, कानपुर

- पत्नी ने कहा, शुभम को दिया जाए बलिदानी का दर्जा
- पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड के मारे जाने पर जताई खुशी

पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले शुभम द्विवेदी के स्वजन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के बयान से आहत हैं। शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने कहा कि ऐसी बातों ने उन्हें और दुखी कर दिया है। आतंकियों व पाकिस्तान से चिदंबरम को इतनी हमदर्दी क्यों है। शुभम की पत्नी एशान्या ने कहा कि कांग्रेस नेता का बयान बेहद शर्मनाक है। उन्होंने एक बार फिर मांग की है कि शुभम को बलिदानी का दर्जा दिया जाए।

चिदंबरम ने एक बयान में कहा था कि पहलगाम में हमला करने वाले आतंकियों के पाकिस्तान से ही आए थे, इस बात का क्या सुबूत है। इसे लेकर संजय द्विवेदी ने कहा कि शुभम के गम में पहले से ही हम आहत हैं। अब ऐसी बोलियां, आतंकियों की गोलियों की तरह पूरे परिवार को मर्माहत कर रही हैं। एशान्या ने कहा कि चिदंबरम का बयान देश को कमजोर करने वाला है। कांग्रेस नेता देश के गर्व व सेना के शौर्य को झुठला रहे हैं। वहीं, पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सुलेमान उर्फ हाशिम मूसा के मारे जाने पर शुभम के पिता व पत्नी संतुष्टि जताई है। दोनों ने कहा कि सेना ने कांग्रेस नेता के बयान का जवाब दे दिया है।

एशान्या ने आगामी एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच खेले जाने का कड़ा विरोध जताया है। उनका कहना है कि जो देश हमारा दुश्मन है और आतंक को पनाह देता है, उसका बायकाट करना चाहिए। क्रिकेट मैच नहीं खेलना चाहिए।

****

80 से अधिक छात्रों की तबीयत बिगड़ गई बुलंदशहर के विद्यालय में मच्छरों से छुटकारा पाने के लिए की गई फागिंग के कारण। विद्यार्थियों ने चेहरे और आंखों में जलन, उल्टी और सांस लेने में कठिनाई की शिकायत की, जिसके चलते कई बेहोश हो गए।

मेडिकल सहित सभी यूजी-पीजी कोर्सों की पुस्तकें 22 भारतीय भाषाओं में होगी उपलब्ध

भारतीय भाषा पुस्तक परियोजना के तहत शिक्षा मंत्रालय ने इन किताबों को डिजिटल रूप में करेगा तैयार

चार सौ से अधिक अधिक प्रोग्रामों के करीब 60 हजार कोर्सों की ढाई लाख पुस्तकें की गई है चिह्नित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट व फार्मेसी जैसे उच्च शिक्षा से जुड़े कोर्सों की राह में अब भाषा आड़े नहीं आएगी, बल्कि छात्र अब अपनी पसंद से 22 भारतीय भाषाओं में से किसी भी भाषा में इनकी पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। शिक्षा मंत्रालय ने अब उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाए जाने वाले सभी अंडर ग्रेजुएट (यूजी) व पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) कोर्सों की प्रमुख पुस्तकों को 22 भारतीय भाषाओं में अनुवाद कर डिजिटल रूप से मुहैया कराने का फैसला लिया है। जिसकी तैयारी भी शुरू कर दी गई है। साथ ही पहले चरण में अनुवाद की जाने वाली पुस्तकों की मैपिंग का काम भी पूरा कर लिया है।

शिक्षा मंत्रालय ने यह मुहिम भारतीय भाषा पुस्तक परियोजना के तहत शुरू की है। इसका उद्देश्य अगले तीन वर्ष में विश्वविद्यालयों सहित देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाए जा रहे कोर्सों की पुस्तकों को भारतीय भाषाओं में अनुवाद कर डिजिटल तरीके से मुहैया कराना है। मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना के तहत अब तक करीब चार सौ प्रोग्राम से जुड़े 60 हजार कोर्सों की ढाई लाख पुस्तकों को चिह्नित किया गया है। इसकी शुरुआत सबसे पहले उन कोर्सों और भाषा में किया जाएगा, जिनकी मांग राज्यों की ओर से पहले आएगी यानी यदि मणिपुर से किसी कोर्स की पुस्तकों को पहले मणिपुरी भाषा में अनुवाद कराने का अनुरोध आता है तो पहले उस कोर्स के पुस्तकों का मणिपुरी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। बाद में उसका अनुवाद दूसरी भारतीय भाषाओं में होगा।

मंत्रालय के अनुसार, इस पहल से अंग्रेजी भाषा में कमजोर होने के बाद भी छात्र अपने पसंद के कोर्सों की पढ़ाई अपनी भाषा में कर सकेंगे। इस अनुवाद में तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दों में बदलाव नहीं किया जाएगा। इसके तहत पहले चरण में सभी कोर्सों की प्रमुख दो से तीन पुस्तकों का ही अनुवाद किया जाएगा। पुस्तकों के अनुवाद किए हुए डिजिटल संस्करण को सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ साझा किया जाएगा, जो छात्रों की जरूरत के आधार पर भविष्य में इसे प्रिंट भी करा सकती है।

इन 22 भाषाओं में अनुवाद

शिक्षा मंत्रालय ने यूजी और पीजी कोर्सों से जुड़ी पाठ्यपुस्तकों को जिन 22 भारतीय भाषाओं में अनुवाद कराने का फैसला लिया है, उनमें हिंदी, तमिल, कन्नड़, असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तेलुगु, और उर्दू शामिल है।

सर्जरी का लाइव प्रसारण केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए होना चाहिए : एनएमसी

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने कहा है कि सर्जरी के लाइव प्रसारण का इस्तेमाल आपरेशन करने वाले सर्जन, अस्पताल या उत्पाद ब्रांड के प्रचार के लिए नहीं किया जाना चाहिए और ऐसा करने से पहले मरीज की सहमति अवश्य ली जानी चाहिए। सर्जरी के संचालन और लाइव प्रसारण को विनियमित करने के लिए इस सप्ताह जारी अपने विस्तृत दिशानिर्देशों में आयोग ने कहा कि आपरेशन के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों में सर्जनों का कोई वित्तीय या व्यावसायिक हित नहीं होना चाहिए। नियमों में कहा गया है, "लाइव प्रसारण केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए होने चाहिए, न कि व्यावसायिक लाभ या प्रचार के लिए। सर्जनों को महिमामंडन से बचना चाहिए और ध्यान शल्य चिकित्सा तकनीकों और रोगी देखभाल पर केंद्रित होना चाहिए।" इसमें कहा गया है कि लाइव प्रसारण से जुड़ी जटिलताओं और जोखिमों को कड़े नियमों और बीमा कवरेज के जरिए दूर किया जाना चाहिए।

कुछ राज्यों में डीजीपी की तदर्थ नियुक्ति पर दो हफ्ते बाद विचार करेगा कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट सोमवार को कुछ राज्यों में डीजीपी की तदर्थ नियुक्ति सहित कई मुद्दों पर दो सप्ताह बाद विचार करने पर सहमत हो गया। कोर्ट ने कहा कि वह याचिकाकर्ता एवं पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की उस याचिका पर भी विचार करेगी जिसमें उन्होंने एक ऐसी व्यवस्था लागू करने की मांग की है जिसमें मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की सदस्यता वाला एक आयोग डीजीपी का चयन करे।

अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि सीबीआइ निदेशक की नियुक्ति की तरह, डीजीपी के रूप में एक उपयुक्त व्यक्ति की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की जा सकती है। केंद्र के नियमों के तहत, 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर अनुराग गुप्ता 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने वाले थे। लेकिन राज्य सरकार ने उनके कार्यकाल विस्तार के लिए केंद्र को पत्र लिखा। चीफ जस्टिस ने कहा, "ये सभी मामले महत्वपूर्ण हैं और इनमें समय लगेगा।" चीफ जस्टिस ने विभिन्न पक्षों की ओर से पेश वकीलों से कहा कि वे याचिकाओं की प्रतियां वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन को उपलब्ध कराएं, जो न्यायमित्र के रूप में पीठ की सहायता करेंगे। एक पक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 2006 के फैसले और उसके बाद के निर्देशों का अक्षरशः पालन नहीं किया गया है।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति से पूछा, कितने मंदिरों का अधिग्रहण

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा के ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन समिति से यह पता लगाने के लिए कहा कि भारत में कितने मंदिरों का प्रशासन सरकारों ने कानूनों के जरिये अधिग्रहित किया है। शीर्ष अदालत ने प्रबंधन समिति की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा, "सरकार ने कितने सैकड़ों मंदिरों का अधिग्रहण किया है? जो भी दान मिल रहा है... बेहतर होगा कि आप वहां जाकर पता करें।"

अदालत उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 की संवैधानिकता के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई कर रही थी। ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति की ओर से अधिवक्ता तन्वी दुबे के माध्यम से दायर की गई याचिका उस अध्यादेश को चुनौती देती है जिसने मंदिर के प्रशासन का नियंत्रण राज्य को सौंप दिया है। जब यह बताया गया कि मंदिर से संबंधित एक अन्य आवेदन एक अलग पीठ के समक्ष लंबित है, तो शीर्ष अदालत ने कहा कि दोनों मामलों को एक ही पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश के आदेशों की आवश्यकता है। सुनवाई की शुरुआत में पीठ ने पूछा कि याचिकाकर्ता सीधे शीर्ष अदालत में क्यों आए, बजाय इसके कि वे इलाहाबाद हाई कोर्ट में जाते।

सिब्बल ने विवाद की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए कहा कि राज्य सरकार एक निजी धार्मिक संस्थान के प्रबंधन पर कब्जा करने का प्रयास कर रही है। शीर्ष अदालत ने हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार को मंदिर के फंड से 300 करोड़ रुपये का उपयोग एक कारिडोर परियोजना के पुनर्विकास के लिए करने की अनुमति दी थी, जो वर्तमान में चुनौती के अधीन है। संबंधित मामले में मंदिर के भक्त देवेंद्र गोस्वामी ने शीर्ष अदालत के 15 मई के आदेश को वापस लेने के लिए एक आवेदन दायर किया है, जिसमें तर्क दिया गया है कि यह आदेश मंदिर की प्रबंधन समिति को सुने बिना पारित किया गया था। 350 सदस्य और 'सेवायत' रजत गोस्वामी वाली प्रबंधन समिति ने कहा है कि राज्य का आचरण 'मेलाफाइड' था क्योंकि मंदिर के फंड का उपयोग करके पांच एकड़ भूमि अधिग्रहण का मुद्दा पहले ही 8 नवंबर, 2023 को हाई कोर्ट तय कर चुका है और इसे राज्य को मंदिर के फंड का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी गई थी।

कोर्ट ने कपिल सिब्बल से कहा- बेहतर होगा कि आप वहां जाकर पता करें

दो मामले एक पीठ से सूचीबद्ध कराने को सीजेआइ के आदेश की आवश्यकता

उप्र में एसडीएम को जान से मारने की धमकी, 15 लाख की मांगी रंगदारी

जागरण संवाददाता, बिजनौर : धामपुर की एसडीएम रितु रानी को जान से मारने की धमकी देते हुए 15 लाख की रंगदारी मांगी गई है। एसडीएम के सीयूजी नंबर के वाट्सएप पर धमकी भरे मैसेज भेजकर एनआइए के डिप्टी एसपी रहे तंजील अहमद हत्याकांड का जिक्र करते हुए अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है। सीओ अभय कुमार पांडेय के अनुसार मैसेज भेजने वाले मोबाइल नंबर के आधार पर सर्विलांस टीम और पुलिस जांच में जुटी है।

रितु रानी। फाइल

24 जुलाई की दोपहर पौने तीन बजे एसडीएम के सीयूजी नंबर के वाट्सएप पर कई धमकी भरे मैसेज भेजे गए, जिसमें उन्हें जान से मारने और अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने एसडीएम को कई मोबाइल नंबर के बारकोड के फोटो भी भेजे, जिसमें 15 लाख की रंगदारी मांगते हुए तुरंत रुपये भेजने को लिखा।

हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने के खिलाफ पंजाब की याचिका खारिज

- **पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दाखिल हुई थी याचिका**
- **हरियाणा को 4,500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी देने का दिया था निर्देश**

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पंजाब सरकार की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें हरियाणा को 4,500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने के फैसले का पालन करने का निर्देश दिया गया था। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब को निर्देश दिया था कि वह दो मई को केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए निर्णय का पालन करे।

सोमवार को कोर्ट के समक्ष पंजाब का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हरियाणा पहले ही अपने हक का 100 प्रतिशत से ज्यादा पानी उपयोग कर रहा है और मानवीय आधार पर पंजाब ने हरियाणा को 4,000 अतिरिक्त क्यूसेक पानी दिया है। उन्होंने कहा कि यह दोनों राज्यों के लिए भावनात्मक महत्व का मामला है। सिंघवी ने कहा कि हाई कोर्ट ने पंजाब को दो मई के फैसले का पालन करने को कहा है, जिसमें हरियाणा को 4,500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी देने का निर्देश दिया गया है। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की ओर से पेश सालिसिटर

जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सभी पक्षों को सुनने के बाद बोर्ड ने फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने भाखड़ा नांगल बांध स्थल पर पुलिस बल भेजा ताकि पानी का रुख न मोड़ा जाए। मेहता ने कहा कि एक राज्य पुलिस द्वारा वहां अपनी पुलिस तैनात करना उचित नहीं था। याचिका को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में की गई किसी भी टिप्पणी का उचित कार्यवाही में उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा लिए जाने वाले किसी भी अन्य निर्णय पर प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

अनिरुद्धाचार्य के बयान पर राज्य महिला आयोग ने लिया संज्ञान

जागरण संवाददाता, आगरा : कथा के दौरान युवतियों के विवाह पर आपत्तिजनक बयान देकर वृंदावन के कथावाचक अनिरुद्धाचार्य चारों ओर से घिरते जा रहे हैं। उनके बयान पर महिला संगठनों व अन्य लोगों के विरोध के बाद राज्य महिला आयोग ने भी संज्ञान ले लिया। आयोग की अध्यक्ष डा. बबीता सिंह चौहान ने नोटिस जारी कर कथावाचक के बयान पर उनसे जवाब मांगा है। इससे पहले ही अधिवक्ताओं की शिकायत पर एसपी सिटी को जांच सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट जल्द आते ही कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कथावाचक अनिरुद्धाचार्य अब बैकफुट पर आ गए हैं। अमेरिका में कथा कर रहे कथावाचक ने एक वीडियो जारी कर कहा है कि मेरी कुछ बहनें प्रसारित हो रहे वीडियो से आहत हैं। कहना चाहता हूं कि कुछ लड़कियां ऐसी होती हैं कि लिव इन में रहकर चार जगह मुंह मारके किसी के घर जाएंगी, तो क्या वे किसी रिश्ते को निभा पाएंगी। इसलिए लड़की हो या फिर लड़का दोनों को चरित्रवान होना चाहिए।

सभी को गले लगाने में निहित है हिंदू धर्म का सार : मोहन भागवत

- **सच्चा हिंदू होने का मतलब दूसरों का विरोध नहीं**
- **प्रत्येक व्यक्ति को कर्तव्य की भावना के साथ कार्य करना चाहिए**

कोच्चि में सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में उपस्थित मोहन भागवत, स्वामी पूर्णमृतानंद पुरी और रमेश पोखरियाल। प्रेट्र

कोच्चि, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि सच्चा निष्ठावान हिंदू होने का मतलब दूसरों का विरोध करना नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म का सार सभी को गले लगाने में निहित है।आरएसएस से जुड़े 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' की ओर से आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' में भागवत ने कहा, अक्सर यह गलतफहमी होती है कि सच्चा हिंदू होने का मतलब दूसरों को गाली देना है, लेकिन सच्चा हिंदू होने का मतलब किसी का विरोध करना नहीं है। हिंदू होने का सार सभी को गले लगाना है। उन्होंने कहा, जो कोई हिंदुओं को एकजुट करना चाहता है, उसे इस सार का ध्यान रखना चाहिए। भागवत ने कहा कि भारत आध्यात्मिकता की भूमि है और देश की राष्ट्रवाद की भावना अत्यंत पवित्र है। समाज के समग्र परिवर्तन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत कर्तव्य की भावना के साथ कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा, सच्चा विद्वान वह नहीं है जो केवल एक कमरे में बैठकर चिंतन करता है, बल्कि सच्चा विद्वान वह है जो विचार को कार्य में परिवर्तित करता है और उसे अपने अनुभव से प्रदर्शित करता है।

याचिका में दावा, यूका के जहरीले कचरे की राख में सक्रिय हैं रेडियो एक्टिव पदार्थ

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर : मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष एक जनहित याचिका की सुनवाई हुई, जिसमें दावा किया गया कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे की राख में रेडियो एक्टिव पदार्थ हैं, यह चिंता का विषय है। कोर्ट ने जनहित याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के बाद मुख्य जनहित याचिका के साथ सुनवाई किए जाने की व्यवस्था दे दी। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का विनष्टीकरण लैंडफिल सेल प्रक्रिया से किया जाना चुनौती के योग्य है। ऐसा इसलिए क्योंकि रेडियो एक्टिव पदार्थ मिश्रित राख जमीन में दबाने से मिट्टी व पानी दूषित होंगे। याचिका में कहा गया है कि भोपाल गैस त्रासदी के 40 साल बाद यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर में पड़े 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे का विनष्टीकरण सफलतापूर्वक धार जिले के पीथमपुर स्थित सुविधा केंद्र में कर दिया गया है। जहरीले कचरे से 850 मीट्रिक टन राख व अवशेष एकत्रित हुआ है।

मोइत्रा के खिलाफ पैसे लेकर सवाल पूछने में लोकपाल को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीआइ ने लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा और उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी से जुड़े कथित पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में लोकपाल को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआइ ने लोकपाल की सिफारिश पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत पिछले साल 21 मार्च को महुआ और हीरानंदानी के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी। महुआ पर आरोप है कि उन्होंने हीरानंदानी से पैसे लेकर अपने संसदीय विशेषाधिकारों का दुरुपयोग किया और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हुए अपनी लागइन आइडी और पासवर्ड साझा किए।

सीबीआइ ने मामले की जांच के निष्कर्ष लोकपाल को सौंप दिए हैं जो अब आगे की कार्रवाई तय करेगा। महुआ मोइत्रा पिछले लोकसभा चुनाव में बंगाल की कृष्णानगर सीट से निर्वाचित हुई थीं। दिसंबर 2023 में उन्हें अनैतिक आचरण के लिए सदन से निष्कासित कर दिया गया था। इससे उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। 2024 के आम चुनावों में भाजपा की उम्मीदवार अमृता राय को हराकर वे फिर कृष्णानगर से सांसद बनीं।

- **लोकपाल की सिफारिश पर सीबीआइ ने पिछले साल महुआ और हीरानंदानी के खिलाफ दर्ज की थी प्राथमिकी**
- **इस अनैतिक आचरण के चलते दिसंबर 2023 में तृणमूल सांसद की चली गई थी लोकसभा की सदस्यता**

महुआ मोइत्रा। फाइल

लोकपाल ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा लगाए गए आरोपों की प्रारंभिक जांच के आधार पर सीबीआइ को निर्देश जारी किए थे। दुबे ने आरोप लगाया था कि महुआ ने हीरानंदानी से नकदी और उपहार लेकर गौतम अदाणी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाने के लिए संसद में सवाल पूछे।

सिब्बल का सवाल, ...तो जस्टिस वर्मा कदाचार के दोषी कैसे

प्रथम पृष्ठ से आगे

सिब्बल ने ये भी कहा कि जब वह कह चुके हैं कि वह पैसा उनका नहीं था तो आवास के आउटहाउस में नकदी मिलने से वह कदाचार के दोषी कैसे हो गए? जज के खिलाफ सिर्फ संसद में कार्यवाही की दलील पर पीठ ने ये भी सवाल किया कि अगर कोई नागरिक लोकसभा और राज्य सभा को बताता है कि फलां जज ने कदाचार किया है और सासंद उस पर कार्यवाही नहीं करते तो क्या होगा? सिब्बल ने कहा कि वह कोर्ट आ सकता है। कोर्ट ने सिब्बल से पूछा कि वे जिस आंतरिक रिपोर्ट को वह चुनौती दे रहे, उसे उन्होंने याचिका के साथ क्यों नहीं लगाया।

सिब्बल ने कहा कि वह आंतरिक रिपोर्ट याचिका के साथ संलग्न करेंगे। सिब्बल ने जब सीजेआइ द्वारा आंतरिक जांच रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजने और साथ ही जस्टिस वर्मा को पद से हटाने की संस्तुति किए जाने पर सवाल उठाया तो पीठ ने कहा कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को रिपोर्ट भेजने से आप यह कैसे अनुमान लगा सकते हैं कि सीजेआइ ने जस्टिस वर्मा को पद से हटाने की संस्तुति की है। जस्टिस दत्ता ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं तो उन्हें रिपोर्ट भेजी गई तो क्या गलत था? प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद के मुखिया होते हैं जो राष्ट्रपति को सलाह देती है तो प्रधानमंत्री रिपोर्ट भेजना कैसे गलत हो गया?

पीठ ने आंतरिक कमेटी पर सवाल उठाने पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट के कई पूर्व फैसलों में आंतरिक जांच को सही ठहराया गया है। सिब्बल ने कहा कि वह प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। पीठ ने कहा कि आंतरिक जांच रिपोर्ट सिर्फ प्रारंभिक तदर्थ रिपोर्ट है, वह साक्ष्य नहीं है। जजेस एन्क्वायरी एक्ट में जांच का दायरा ज्यादा व्यापक होता है।

वेबसाइट पर वीडियो और फोटो जारी करने की दलील पर पीठ ने सिब्बल से कहा कि क्या आपने वीडियो जारी करने को कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई बुधवार तक टालते हुए सिब्बल से कहा कि वह अपनी दलीलों को बुलेट प्वाइंट में रखें और याचिका में संशोधन कर पक्षकारों को सुधारें।

जस्टिस वर्मा के आवास से मिली थीं भारी मात्रा में जले हुए नोटों की गड्डियां : जस्टिस वर्मा जब दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश थे तब गत 14 मार्च की रात 11.35 पर उनके घर में आग लग गई थी। इसे बुझाने पहुंचे अग्निशमन दस्ते और पुलिस को जस्टिस वर्मा के आवास में स्थित एक स्टोर रूम में भारी मात्रा में जले हुए नोटों की गड्डियां मिली थीं। इसके बाद तत्कालीन सीजेआइ संजीव खन्ना ने मामले की जांच के लिए हाई कोर्ट के न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय आंतरिक जांच समिति गठित की थी। समिति ने अपनी जांच के बाद दी रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को कदाचार का दोषी पाया और यह भी कहा कि वह पद पर रहने लायक नहीं हैं।

उधर बताते चलें कि जस्टिस वर्मा को पद से हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू हो चुकी है।

जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट मे याचिका दाखिल कर आंतरिक जांच रिपोर्ट रद करने की मांग की है। साथ ही सीजेआइ द्वारा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को रिपोर्ट भेजकर उन्हें पद से हटाने की की गई संस्तुति को चुनौती दी है। आरोप लगने के बाद जस्टिस वर्मा का दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरण कर दिया गया था और उनसे न्यायिक कामकाज वापस लिया जा चुका है।

छात्रों के समग्र विकास में योगदान दे रही राष्ट्रीय शिक्षा नीति : पीएम मोदी

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछले पांच वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करके छात्रों के समग्र और बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एनईपी के पांच वर्ष पूरे होने पर एक संदेश में मोदी ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय मंगलवार को अखिल भारतीय शिक्षा समागम का आयोजन कर रहा है और इस कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल शुरू की जाएगी।

मोदी ने कहा, 'शिक्षा वह माध्यम है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर और राष्ट्र को सशक्त बनाती है। हमारा उद्देश्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है जिसमें विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता और सपनों के अनुरूप आगे बढ़ सकें। आज देश गौरवशाली भारतीय संस्कृति से जुड़ी शिक्षा को तकनीक और वैश्विक मानकों से सुसज्जित कर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पिछले पांच वर्षों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं।''

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आज भारत मंडपम में अखिल भारतीय शिक्षा समागम का करेंगे शुभारंभ

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत काल में भारत एक भव्य और विकसित राष्ट्र के निर्माण की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस दौरान, हमारे युवाओं के आत्मविश्वास, जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। शिक्षा समागम हमारे साझा संकल्प और सहयोग की भावना का प्रतीक है।''

उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि यह आयोजन न केवल शिक्षण संस्थानों को अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं, रणनीतियों और उपलब्धियों को साझा करने का अवसर प्रदान करेगा, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयासों को भी और सशक्त करेगा।''

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एनईपी 2020 के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को भारत मंडपम में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2025 का शुभारंभ करेंगे।

मुरादाबाद : विधायक जी के मुंह लगता है... बोलकर मंडी समिति के सचिव की पिटाई

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

मुरादाबाद मे मंडी समिति में अवैध निर्माण रोकने पर सचिव संजीव कुमार को उनके कार्यालय में बंद कर पिटाई की गई। समिति कार्यालय में सीसीटीवी और फर्नीचर की भी तोड़फोड़ की गई। पूरे विवाद के पीछे दोपहर में शहर के भाजपा विधायक रितेश गुप्ता का नाम सामने आया। मंडी सचिव कार्यालय में विधायक के साथियों संग प्रवेश करने की सीसीटीवी फुटेज भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने लगी। लेकिन, शाम होते-होते मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की गई। यहां तक कि अज्ञात हमलावरों के खिलाफ सचिव की तहरीर पर प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की गई है।

सचिव संजीव कुमार ने बताया कि मेरे साथ मारपीट की गई है। मैं विधायक को पहचानता नहीं हूं, मगर मौके पर

- **मंडी सचिव से भाजपा विधायक की गरमागरमी के बाद बढ़ा विवाद, वीडियो प्रसारित**
- **दोपहर में मामले ने पकड़ा तूल, शाम होने तक पड़ा ठंडा, तहरीर पर प्राथमिकी भी नहीं**

मारपीट के बाद फोन से घटना की जानकारी अधिकारियों को देते प्रभारी मंडी सचिव संजीव कुमार। जागरण

मारपीट करने वाले लोग बार-बार आरोप लगा रहे थे कि विधायक जी के मुंह लगता है। मेरे साथ मारपीट की गई। कार्यालय के सीसीटीवी तोड़ दिये। कुर्सियों फेंक दी। इस कृत्य से मेरा पूरा स्टाफ दहशत में है। इस तरह से नौकरी कैसे होगी? पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद है। सचिव का आरोप है कि फल मंडी की लाइसेंसधारी आढ़ती दो दिनों से अवैध निर्माण करा रहे थे। उसे रोकने की चेतावनी दी तो महिला के पति ने विधायक को फोन मिलाकर सचिव को थमा दिया। फोन पर गाली-गलौज की गई और धमकी दी गई-''रुको, हम खुद आ रहे हैं, अभी तुम्हें सही कर देंगे।'' सचिव का आरोप है कि करीब 15 मिनट बाद ही 10-15 लोग उनके कक्ष में घुस आए और दरवाजा बंद कर उनपर हमला बोल दिया। कुर्सी को लात मारकर गिरा दिया गया। सीसीटीवी को तोड़ दिया गया। कर्मचारियों को धमकाकर भगा दिया गया।

राजद विधायक से गर्मागर्मी के बाद पंचायत सचिव ने कराई प्राथमिकी

जागरण संवाददाता, पटना : पटना के मनेर में पंचायत सचिव और विधायक के बीच गर्मागर्मी के बाद मामला प्राथमिकी तक पहुंच गया है। विधायक के खिलाफ पंचायत सचिव ने सोमवार को एससी-एसटी थाने में आवेदन दिया। विवाद की जड़ मनेर के सराय गांव की रिंकी देवी के पति अविनाश कुमार का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में देरी है। 26 जुलाई को मनेर के राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने इस संबंध में मिली शिकायत पर बलुआ व सराय के पंचायत सचिव संदीप कुमार को फोन किया। प्रसारित आडियो में उन्होंने स्वयं को भाई वीरेंद्र बताया, इस पर सचिव ने कहा कि वह उन्हें नहीं जानता। इसके बाद उन्होंने स्वयं को मनेर का विधायक बताया और मृत्यु प्रमाण पत्र शीघ्र जारी करने को कहा। इस पर सचिव ने कहा कि जब उसके लाग-इन में जिले से स्वीकृति के बाद आवेदन आएगा, तब प्रमाण पत्र जारी होगा।

****

बठिंडा में चोरों ने बस चुराई, गड्ढे में धंसने पर छोड़कर भाग गए

बठिंडा की मौड़ मंडी से चोरी की गई पीआरटीसी की बस गड्ढे में धंसने के कारण खड़ी। जागरण

जागरण संवाददाता, बठिंडा

बठिंडा के मौड़ मंडी बस अड्डे से चोरों ने पीआरटीसी (पेप्सू रोड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन) की बस चुरा ली। बस रास्ते में गंदे पानी से भरे गहरे गड्ढे में धंस गई और आगे नहीं बढ़ी। इससे घबराकर चोर बस को वहीं छोड़कर भाग गए। चोरी के कुछ घंटों बाद बस मिल गई जो वापस डिपो लाई गई। पीआरटीसी स्टेशन इंचार्ज सुखपाल सिंह ने बताया कि बस चोरी होने की जानकारी सुबह तब मिली जब बस चालक कुलदीप सिंह अपने रूट पर जाने के लिए बस अड्डे पहुंचा लेकिन बस वहां नहीं थी। चालक ने उनसे संपर्क किया। उन्होंने बताया कि मौड़ बस स्टैंड पर रोज रात को पीआरटीसी की 8-9 बसें खड़ी होती हैं जो सुबह अपने-अपने रूट पर चलाई जाती हैं। चोरों ने तीन बसों से छेड़छाड़ की और बस स्टार्ट करके ले गए। जब चोर फैक्ट्री रोड पर बस के टायर गहरे गड्ढे में धंस गये।

रक्षा राज्य मंत्री को धमकी देने वाला धनबाद से गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, रांची : रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ को धमकी देने वाले नित्यानंद पाल को पुलिस ने सोमवार को धनबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। वह ट्रेनों में घूम-घूम कर सामान बेचने का काम करता है। साथ ही प्रभावशाली व्यक्तियों को अज्ञात फोन नंबरों के माध्यम से धमकी देकर पैसा वसूलता है। पाल ने 26 जुलाई को दो मोबाइल नंबरों से मैसेज और फोन के माध्यम से मंत्री को जान से मारने की धमकी दी थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने नित्यानंद को जेल भेज दिया।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि तकनीकी निगरानी और मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर आरोपित की पहचान नित्यानन्द पाल के रूप में हुई। वह मूल रूप से बोकारो का निवासी है। गिरफ्तारी के बाद आरोपित ने मंत्री को धमकी देने की बात स्वीकार की।

4 ड्रोन भेजे गए पाकिस्तान की ओर से रविवार रात। बीएसएफ की चौकसी के चलते जवानों ने चारों ड्रोन बरामद कर लिए। इसके अलावा एक विदेशी पिस्टल, मैग्जीन, 1.150 किलो हेरोइन भी बरामद की गई।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 29 जुलाई, 2025

धरती की निगरानी करने वाले सेटेलाइट निसार का प्रक्षेपण कल

उपलब्धि ▶ नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) को जीएसएलवी-एस16 से प्रक्षेपित किया जाएगा : इसरो अध्यक्ष

इसरो और नासा मिलकर पहली बार ऐसा सेटेलाइट लांच कर रहे हैं जो पूरी धरती पर नजर रखेगा

चेन्नई, प्रेट्र : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा है कि पृथ्वी पर नजर रखने वाले सेटेलाइट नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) को 30 जुलाई, बुधवार को भारतीय राकेट जीएसएलवी-एस16 से लांच किया जाएगा। निसार के साथ जीएसएलवी-एस16 राकेट श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरेगा और सेटेलाइट को कक्षा में स्थापित करेगा।

2,392 किलोग्राम वजन वाला निसार धरती की निगरानी करने वाला सेटेलाइट है। इसमें नासा की तरफ से तैयार एल-बैंड और इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार लगाया गया है, जिन्हें विश्व में सबसे उन्नत माना जा रहा है। इसरो और नासा मिलकर पहली बार ऐसा सेटेलाइट लांच कर रहे हैं जो पूरी धरती पर नजर रखेगा। नारायणन ने रविवार को कहा, निसार हर मौसम में 24 घंटे पृथ्वी फोटो खींच सकता है। यह भूस्खलन का पता लगा सकता है, आपदा प्रबंधन में मदद कर सकता है और जलवायु

सेटेलाइट नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार

परिवर्तन पर भी नजर रख सकता है। इस सेटेलाइट से भारत, अमेरिका और पूरे विश्व को लाभ होगा। यह पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी के लिए भी महत्वपूर्ण है।

भारत के मानव अंतरिक्ष यान मिशन, गगनयान के बारे में नारायणन ने बताया कि इस साल दिसंबर में व्योममित्र नामक मानव रोबोट को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसके सफल होने के बाद अगले साल दो

वी. नारायणन। फाइल

अन्य मानवरहित मिशन भी लांच किए जाएंगे। इस सफलता के बाद गगनयान मिशन मार्च 2027 में लांच किया जाएगा। गगनयान मिशन में पृथ्वी की 400 किलोमीटर पर स्थित निचली कक्षा में तीन अंतरिक्षयात्रियों को भेजा जाएगा। इसके बाद पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी भी कराई जाएगी। आइएएनएस के अनुसार अन्य प्रमुख मिशनों पर अपडेट देते हुए इसरो प्रमुख ने बताया कि आदित्य-एल1 सौर उपग्रह ने सौर अनुसंधान डाटा भेजना शुरू कर दिया है। विज्ञानी सौर गतिविधि की गहन जानकारी के लिए इस डाटा का विश्लेषण कर रहे हैं। इसरो प्रमुख ने भारत के आगामी चंद्र मिशनों की प्रगति के बारे में भी बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि चंद्रमा से मिट्टी के नमूने वापस लाने के लिए डिजाइन किया गया चंद्रयान-4 सफल होगा।

ग्लेशियर पिघलने और बादल फटने के रहस्य जानने में मददगार बनेगा उपग्रह निसार

रमेश चंद्रा • जागरण

नैनीताल: हिमालय के ग्लेशियरों के पिघलने और बादल फटने की घटनाओं का रहस्य उजागर करने में उपग्रह निसार आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के लिए बेहद मददगार साबित होगा। बुधवार 30 जुलाई को इसरो के पहले भारतीय मिशन निसार सेटेलाइट की लांचिंग का एरीज के विज्ञानियों को बेसब्री से इंतजार है। निसार के जरिए एरीज को हिमालय के पिघलते-सिकुड़ते ग्लेशियरों के आंकड़ों, बादल फटने, भूस्खलन आदि के अलावा वायुमंडलीय स्थिति और मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

एरीज निदेशक डा. मनीष नाजा के अनुसार धरती के तमाम हिस्सों में आए दिन आपदाएं आती रहती है। इन घटनाओं के पीछे के कारणों को समझने के लिए निसार जैसे अत्याधुनिक मिशन की सख्त जरूरत थी। खासकर एरीज के लिए यह उपग्रह बेहद सहयोगी साबित होगा। क्योंकि एरीज के लिए सबसे

डा. मनीष नाजा, निदेशक एरीज। जागरण

बड़ी चुनौती हिमालय के पिघलते और सिकुड़ते ग्लेशियरों के संरक्षण के लिए विज्ञानिक उपाय तलाशने की है। हिमालय दुनिया के बड़े हिस्से की जलवायु को प्रभावित करता है और इस बर्फीले शिखर पर जलवायु परिवर्तन का असर जारी है। निसार के जरिए हमें हिमालय के पिघलते ग्लेशियरों के सटीक आंकड़ों के अलावा वायुमंडलीय स्थिति और मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। हिमालय राज्यों में बादल फटने जैसी घटनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। बादल फटने के पीछे कारणों को अभी सही से समझ नहीं पाए हैं। जिन्हें समझने के लिए निसार मददगार साबित होगा। यह सेटेलाइट घटना के दौरान की सटीक डेटा उपलब्ध कराएगा। डा. नाजा ने बताया कि जलवायु परिवर्तन का बहुत बड़ा प्रभाव कृषि पर पड़ रहा है। बढ़ते तापमान के साथ कृषि या वनस्पतियों की परिस्थितियां भी बदलने लगी हैं। निसार इसका सर्वे करने में बड़ी मदद करेगा और वनस्पतियों के संरक्षण को लेकर विज्ञानी उपाय तलाशने में सहायता मिलेगी। तूफान के अलावा पर्वतीय राज्यों के जंगलों में आग व उससे नुकसान के सही आंकड़े भी उपलब्ध हो सकेंगे। यह वायुमंडल में फैले प्रदूषण की जानकारी भी देगा।

एरीज निदेशक डा. मनीष नाजा ने बताया कि वर्तमान में एरीज के पास मौसम संबंधी आंकड़े जुटाने के लिए स्ट्रेटोस्फेयर ट्रोपोस्फेयर (एसटी) रडार जैसी सुविधा है। लेकिन यह दौर अंतरिक्ष में स्थापित उपग्रहों का भी है, जो त्वरित जानकारी देने में सहायक होते हैं।

रायपुर में चर्च ट्रस्ट के कब्जे से मुक्त कराई गई 400 करोड़ की जमीन

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर : छत्तीसगढ़ के रायपुर में राजभवन के सामने स्थित लगभग 400 करोड़ रुपये की बेशकीमती भूमि को प्रशासन ने यूनाइटेड चर्च आफ नार्थ इंडिया ट्रस्ट के कब्जे से मुक्त करवा लिया है। यह भूमि 1922 में अंग्रेजों के शासनकाल में चर्च ट्रस्ट को 2,59,476 वर्गफुट (लगभग छह एकड़) जमीन लीज पर दी गई थी। 31 मार्च 2022 को लीज अवधि समाप्त होने के बाद भी ट्रस्ट ने भूमि पर अवैध कब्जा बनाए रखा था। हिंदू स्वाभिमान संगठन ने 2016 में इस मामले की जानकारी प्राप्त की थी कि लीज की भूमि को बेचा गया है। संगठन ने 14 सितंबर 2017 को तहसीलदार (नजूल) न्यायालय में याचिका दायर की थी। संगठन के अध्यक्ष विश्वदिनी पांडे ने आरोप लगाया कि राजभवन, आयकर भवन, एलआइसी कार्यालय और गास मेमोरियल के आसपास चर्च ट्रस्ट ने अवैध कब्जा कर रखा है। शेष 29 एकड़ भूमि को भी अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

उधर, दुर्ग रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को तीन आदिवासी युवतियों की मतांतरण के लिए तस्करी के आरोप में गिरफ्तार पास्टर सुखमन मंडावी की बहन भी उसके इस काम में शामिल है। पुलिस अधीक्षक (जीआरपी) श्वेता सिन्हा के अनुसार सुखमन से पूछताछ में कुछ और संदिग्धों के नाम सामने आए हैं।

रिवर्ट ग्रुप में पाकिस्तान के स्लीपर माड्यूल को चिन्हित कर रहीं जांच एजेंसियां

जागरण संवाददाता, आगरा

▶ मतांतरण गिरोह सदस्यों से पूछताछ में अब तक तीन पाकिस्तानियों के नाम आए सामने

▶ सात राज्यों के रिवर्ट युवक-युवतियों को स्लीपर माड्यूल के रूप में प्रयोग की आशंका

मतांतरण गिरोह के तार कश्मीर और पाकिस्तान से जुड़े होने के साक्ष्य सामने आने के बाद जांच की दिशा बदल गई है। एटीएस समेत अन्य जांच एजेंसियों को आशंका है कि सात से अधिक राज्यों एवं शहरों में फैले मतांतरण गिरोह के जाल के माध्यम से पाकिस्तान स्लीपर माड्यूल तैयार कर रहा था। वह रिवर्ट मुस्लिमों को अपने स्लीपर माड्यूल के रूप में प्रयोग कर सकता था। जांच एजेंसियां मतांतरण गिरोह के प्रमुख सदस्य अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह समेत एक दर्जन से अधिक सदस्यों का पूरा डाटा तैयार कर रही है।

जांच में सामने आया है कि मतांतरित युवक-युवतियां किसी न किसी माध्यम से कश्मीरी युवतियों के संपर्क में आई थीं। उन्हें दावा (बौद्धिक चर्चा) में आनलाइन आमंत्रित किया गया और धर्म के विरुद्ध भड़काया गया। पाकिस्तानी ग्रुपों से

प्रतीकात्मक

जोड़कर मतांतरण के लिए तैयार किया गया था। जांच एजेंसियां को आशंका है कि पाकिस्तान रिवर्ट मुस्लिम ग्रुपों के माध्यम से अलग-अलग राज्य एवं शहरों में स्लीपिंग माड्यूल का नेटवर्क खड़ा तैयार कर रहा था। रिवर्ट मुस्लिमों को कट्टरता का पाठ पढ़ा कर उन्हें अपने लिए तैयार किया जा रहा था। ताकि भविष्य में जरूरत होने पर धर्म के नाम पर इन रिवर्ट मुस्लिमों का प्रयोग किया जा सके। पाकिस्तान के लिए रिवर्ट ग्रुप, स्लीपिंग माड्यूल को रकम भेजने का माध्यम बनते थे। गिरोह को विदेशों से फंडिंग के साक्ष्य जांच एजेंसियों को मिल चुके हैं। इनमें से दुबई में बैठे पाकिस्तानी नागरिक तनवीर अहमद और साहिल अदीम द्वारा फंडिंग किए जाने की जानकारी बरेली की युवती ने पूछताछ में दी थी। वहीं, रहमान कुरैशी द्वारा फलस्तीन के लिए क्रिप्टो करेंसी एवं डालर में क्राउड फंडिंग की गई थी।

मतांतरण की शिकार हुई हरियाणा के झज्जर की रहने वाली महिला चिकित्सक और सदर क्षेत्र के जूता कारोबारी की दोनों बेटियों को पुलिस मंगलवार को न्यायालय में प्रस्तुत करेगी। दो बेटियों को पुलिस ने कोलकाता से बरामद किया था।

दूसरों को ईसाई बनाकर लाखों कमाता रहा 'भट्ठा मजदूर'

मतांतरण का जाल

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

▶ आठ वर्ष पहले ईसाई मिशनरीज के संपर्क में आकर शुरू किया मिशन मतांतरण

▶ लोगों को मतांतरित करने के बदले होती थी फंडिंग, दो मंजिला मकान बनवाया

'मिशन मतांतरण' रैकेट का हिस्सा बने हेमराज के विरुद्ध भी सोमवार को प्राथमिकी लिख ली गई। वह आठ वर्ष पहले भट्ठे पर मजदूरी करता था मगर ईसाई मिशनरी के संपर्क में आकर मतांतरण का जाल बुनने लगा। बदले में उसे मोटी रकम मिलती थी। उसने दो मंजिला मकान बनवाया और सुविधाएं भी जुटा लीं। रोजगार न व्यापार, इसके बावजूद उसके खर्च देखकर पड़ोसियों का भी माथा ठनका था। पुलिस आशंका जता रही कि उसे दूसरे प्रदेशों से फंडिंग होती थी, इसके लिए उसके बैंक खातों का ब्योरा मांगा गया है।

जिले के चेना रुरिया गांव में हेमराज ने अपने मकान में सभागार भी बनाया था। इसमें रविवार को प्रार्थना सभा की आड़ में मतांतरण होता था। वह खुद को पथ प्रदर्शक बताते हुए आर्थिक कमजोर एवं बीमार लोगों को सभा में बुलाता था। उन्हें कुछ रुपये देकर ईसाई बनने को कहता

प्रतीकात्मक

था। बीमारी दूर होने के चमत्कार की काल्पनिक कहानियां सुनाता था। रविवार को हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह कई कार्यकर्ताओं के साथ पहुंच गए थे।

उन्होंने मतांतरण का आरोप लगाया तो हेमराज की अनुयायी महिलाएं भिड़ गईं थीं। बाद में पुलिस पहुंची और हेमराज को थाने ले गई। उसके विरुद्ध राघवेंद्र ने तहरीर दी थी। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि हेमराज के विरुद्ध उप्र विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन संप्रेषण अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत प्राथमिकी लिखी गई है। इसमें सात वर्ष से कम सजा का प्रविधान होने के कारण उसका शांतिभंग में चालान किया गया है। उसके बैंक खातों की जांच कराई जा रही, ताकि फंडिंग की प्रमाणित जानकारी हो सके। यह भी जांच कराई जा रही कि उसने अब तक कितने लोगों को मतांतरित किया। कई ग्रामीणों के बयान दर्ज किए गए हैं।

13 दिन में पांचवीं प्राथमिकी, तमिलनाडु से जुड़ चुके तार : जिले के ग्रामीणों को प्रलोभन देकर ईसाई बनाने का रैकेट गांवों तक पसर चुका। बीते 13 दिनों में पांच अलग स्थानों पर इसका भंडाफोड़ होने के बाद पांच प्राथमिकी लिखी जा चुकी हैं। इनमें शामिल पद्मनाभन व उसकी पत्नी किरन को तमिलनाडु की ईसाई मिशनरी से फंडिंग होने के प्रमाण मिल चुके हैं।

छग में ननों की गिरफ्तारी का सांसदों ने किया विरोध, रिहाई की मांग

नई दिल्ली, प्रेट्र : छत्तीसगढ़ में पुलिस द्वारा केरल की दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित यूडीएफ (यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) के सांसदों ने सोमवार को संसद भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि ननों को उनकी आस्था के कारण जेल में डाल दिया गया है। भाजपा जहां भी सत्ता में है, वहां अल्पसंख्यकों का ''सुनियोजित उत्पीड़न'' हो रहा है।

केरल के कैथोलिक चर्च ने अपने मुखपत्र 'दीपिका डेली' में एक तीखे संपादकीय में भाजपा और संघ परिवार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सिर्फ ननों को ही बंधक नहीं बनाया गया, बल्कि देश के धर्मनिरपेक्ष संविधान को भी बंधक बनाया गया।

देश में मानसूनी बारिश सामान्य से 7% अधिक, लेकिन राज्यों में असमान

▶ भारत में 447.8 मिमी वर्षा हुई, जबकि सामान्य 418.9 मिमी थी

▶ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा में सामान्य वर्षा

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत ने एक जून से मानसून की शुरुआत के बाद से सामान्य से सात प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की है, लेकिन मौसमी बारिश राज्यों में असमान रूप से वितरित हुई है। इस अवधि में देश में 447.8 मिमी वर्षा हुई, जबकि सामान्य 418.9 मिमी थी, जिसमें क्षेत्रों के बीच बड़ी भिन्नताएं हैं। राजस्थान, लद्दाख, नगालैंड, मणिपुर और सिक्किम ने 'बड़े अधिशेष'' वर्षा दर्ज की है।

आइएमडी के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 384.7 मिमी वर्षा हुई, जबकि सामान्य 200.4 मिमी थी, जो 92 प्रतिशत अधिक है। इसीप्रकार सामान्यतः कम वर्षा वाले लद्दाख ने 30 मिमी वर्षा दर्ज की है। जबकि यहां सामान्य बारिश 10.7 मिमी होती थी, जो इस बार 181% अधिक है। नगालैंड और मणिपुर ने क्रमशः 514.5 मिमी और 457.9 मिमी वर्षा प्राप्त की, जो सामान्य के करीब है। जबकि सिक्किम ने 598.4 मिमी वर्षा दर्ज की, जो सामान्य से 78%अधिक है।

राज्य और संघ शासित क्षेत्र जिन्होंने ''अधिशेष'' वर्षा (20 से 59% अधिक) प्राप्त की है, उनमें मध्य प्रदेश, गुजरात, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, झारखंड और असम शामिल हैं। मध्य प्रदेश में 645.8 मिमी वर्षा हुई, जबकि सामान्य 418.4 मिमी थी, जो 54%अधिक है। गुजरात ने 463.2 मिमी वर्षा प्राप्त की, जो 35% अधिक है, जबकि दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव में 1466.1 मिमी वर्षा हुई, जो 1153.8 मिमी की तुलना में 27%अधिक है।

अधिकांश राज्यों जैसे उप्र, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, ओडिशा, गोवा, त्रिपुरा, मिजोरम, बंगाल, जम्मू और कश्मीर, छत्तीसगढ़, पुडुचेरी और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में ''सामान्य'' वर्षा हुई है। इन सभी स्थानों पर औसत वर्षा का प्रतिशत 19 के भीतर ही है। अरुणाचल, असम, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र और लक्षद्वीप में वर्षा की कमी (20 से 59% कम) की सूचना है। अरुणाचल में 521.8 मिमी वर्षा हुई, जबकि सामान्य 942.2 मिमी थी, जो 45 प्रतिशत की कमी है, जबकि बिहार में 272 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य 474.2 मिमी से 43 प्रतिशत कम है।

राजस्थान में तेज वर्षा, सड़कों पर चलीं नावें

जागरण संवाददाता, जयपुर

▶ 11 जिलों के स्कूलों में दो दिनों का अवकाश घोषित किया

▶ सिरोही में स्कूल बस पानी में फंसी, 35 बच्चों को सुरक्षित निकाला गया

राजस्थान के लगभग एक दर्जन जिलों में सोमवार सुबह से भारी वर्षा का सिलसिला जारी रहा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति गंभीर हो गई। भारी वर्षा के पूर्वानुमान के कारण प्रदेश के 11 जिलों में स्कूलों में अगले दो दिनों तक अवकाश घोषित किया गया है।

धौलपुर में निरंतर हो रही बारिश के कारण पार्वती नदी उफान पर है, जिससे जिला मुख्यालय से लगभग 60 गांवों का संपर्क टूट गया है। भीलवाड़ा में रविवार से जारी बारिश ने बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी है। बिजौलिया और शाहपुरा क्षेत्रों में सड़कों पर पांच से छह फीट पानी भर गया है, जिससे सड़कों पर नावें चल रही हैं। लोगों को नावों के माध्यम से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

सिरोही के केराल गांव में एक निजी स्कूल की बस पानी में फंस गई, जिसमें सवार 35 बच्चों को ट्रैक्टर और क्रेन की मदद से सुरक्षित निकाला गया। चित्तौड़गढ़ में बेड़च नदी की पुलिया पार करते समय दो बाइक सवार युवक बह गए हैं, जिनकी तलाश जारी है। झालावाड़ में भी भारी बारिश के कारण कई गांवों में स्थिति बिगड़ गई है। प्रशासन ने भीलवाड़ा, झालावाड़ और चित्तौड़गढ़ में प्रभावित

भीलवाड़ा में निचले इलाकों में फंसे लोगों को नावों से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। जागरण

लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ ही भोजन के पैकेट भी वितरित किए हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार और बुधवार को भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

चौबीस घंटे में 155 मिमी वर्षा से पटना के निचले इलाके डूबे : बिहार के पटना में 24 घंटे के दौरान 155.2 मिमी बारिश से निचले इलाके डूब गए। कंकड़बाग, राजेंद्रनगर व पाटलिपुत्र कालोनी में घुटने से कमर भर पानी जमा हो गया। एनएमसीएच व श्री गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल में परिसर से लेकर वार्ड व आइसीयू तक पानी फैल गया। शहर के अधिकतर गली-मोहल्ले व सड़कों पर तालाब जैसा दृश्य दिखा। एयरपोर्ट पर छह उड़ानें विलंबित रहीं।

ट्रैक पर पानी आने से पटना के आसपास कई ट्रेनों को रोकना पड़ा। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले चार से छह दिनों तक पटना सहित दक्षिणी भागों में अच्छी वर्षा की संभावना व्यक्त की है। चार जिलों जमुई, बांका, भागलपुर और अररिया में बहुत भारी वर्षा को लेकर आरेंज अलर्ट एवं तीन जिलों गया, नवादा और मुंगेर जिले के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

श्रद्धा का महासावन

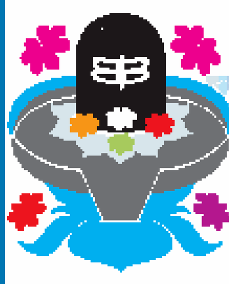

निश्चित है शिव के प्रति समर्पित व्यक्ति का कल्याण

भगवान शिव अनादि काल से संपूर्ण ब्रह्मांड का नेतृत्व कर रहे हैं। इस सृष्टि में भगवान के शिवलिंग स्वरूप की पूजा की जाती है। शिव सबसे अंत में शयन करते हैं। सबसे अंत में शयन ब्रह्म ही करता है, इसलिए शिवलिंग ब्रह्म स्वरूप माना गया है। सृष्टि के सृजन, पालन व उपसंहार तीनों का कारण शिवलिंग ही है। ऊर्ध्वगामी शक्ति शिवत्व में व्याप्त है। सृजन, पालन और संहार यह तीनों ही प्रकृति के मूल तत्व हैं। हमारे जीवन के शुभ और अशुभ कर्मों का फल शिव ही देते हैं। पुराणों, वेदों और शास्त्रों में भगवान शिव के महात्म्य को प्रतिपादित किया गया है। भगवान शिव आदिदेव महादेव हैं। हमारी सांस्कृतिक मान्यता के अनुसार 33 करोड़ देवताओं में शिरोमणि देव शिव ही हैं। सावन माह भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। सनातन धर्म में यह माह शिव के पूजन व दर्शन के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। इस महीने में शिव की भक्ति करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। शिव पृथ्वी पर अपने निराकार- साकार रूप में निवास करते हैं। वह सर्वव्यापक एवं सर्वशक्तिमान हैं। शिव के प्रति जब समर्पित हो जाएंगे तो कल्याण निश्चित है। शिव को विनाश व सृजन दोनों का देवता माना जाता है, उनका विनाश रचनात्मक भी है, क्योंकि वह अज्ञानता और माया का नाश करके ज्ञान का प्रकाश लाते हैं। शिव ब्रह्मांड का निराकार सिद्धांत हैं, जिन्हें विभिन्न रूपों में दर्शाया गया है। वे समय और स्थान से परे हैं, वह आदि और अनंत हैं। अनंत चेतना का प्रतिनिधित्व करते हैं। भगवान शिव को अद्वितीय और अनंत ज्ञान के स्वरूप में दर्शाया जाता है।

गोपाल शास्त्री
प्रधान पुजारी, ललिता देवी मंदिर नैमिषारण्य

सामरिक महत्व

निरमा यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र केशवकांत ने अन्य प्रोफेशनल के साथ किया इनोवेशन, भारतीय सेना ने ड्रोन के परीक्षण के बाद इसे सेना में शामिल करने का फैसला किया

दुश्मन पर ग्रेनेड फेंककर सुरक्षित लौटेंगे केशव के गति ड्रोन

शत्रुघ्न शर्मा • जागरण

अहमदाबाद: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जमाने में अब युद्ध लड़ने के तरीके में तेजी से बदलाव आया है। आपरेशन सिंदूर के बाद अहमदाबाद के इंजीनियर केशवकांत शर्मा ने ऐसा ड्रोन तैयार करने की ठानी जो ग्रेनेड की पिन खोल सके और दुश्मन पर फेंककर सुरक्षित वापस लौट सके।

केशव के बनाए गति नामक ड्रोन करीब साढ़े सात किलोमीटर की दूरी तक जाकर 500 मीटर की ऊंचाई से ढाई किलो वजन के दो ग्रेनेड फेंककर आ सकता है। भारतीय सेना ने ड्रोन के परीक्षण के बाद इसे सेना में शामिल करने का फैसला किया है। गति ड्रोन की खासियत ये है कि उसे कंप्यूटर व रिमोट कंट्रोल के जरिये संचालित करते हुए फिक्स टारगेट पर हमला किया जा सकता है।

निरमा यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रानिक एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग करने के बाद

इनोवेशन गति ड्रोन के साथ इंजीनियर केशवकांत। जागरण

केशवकांत शर्मा ने प्रोत्थपन टेक्नोलाजी प्रा. लि. नामक कंपनी बनाई, इसमें इंजीनियरिंग, एआइ व अन्य क्षेत्र के पांच अन्य छात्रों को शामिल कर उन्होंने ड्रोन के हवाई हमले में उपयोग पर काम करना शुरू किया। भारत व पाक के बीच हाल ही हुए युद्ध के दौरान पाक ने भारत के खिलाफ तुर्किये व चाइना निर्मित ड्रोन का उपयोग किया था, हालांकि, भारत के डिफेंस सिस्टम ने उनके हमलों को पूरी तरह नाकाम कर दिया था।

इसी दौरान केशवकांत ने करीब एक माह की मेहनत के बाद गति नामक ड्रोन तैयार किया, जो पूरी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) पर आधारित है और हेलीकाप्टर के समान तकनीक से उड़कर दुश्मन पर हैंड ग्रेनेड की पिन खोलकर हमला कर सकता है।

केशवकांत नेशनल कैडेट कोर से करीब तीन वर्ष तक जुड़े रहे। इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने इस क्षेत्र में काम करना शुरू किया। केशवकांत मूल रूप से पटना से हैं, उनका जन्म अहमदाबाद में ही हुआ है। उनके पिता अनिल कुमार ओएनजीसी में मैकेनिकल इंजीनियर थे। उन्होंने कई मल्टी नेशनल कंपनी के साथ भी काम किया है।

चार व छह ग्रेनेड की क्षमता के ड्रोन भी तैयार करेंगे

यह डेढ़ से दो किलो वजन के दो ग्रेनेड लेकर करीब साढ़े सात किमी तक 500 मीटर की ऊंचाई से ग्रेनेड को फेंक सकता है। सेना ने आपरेशन सिंदूर में इस तरह की तकनीक की कमी महसूस की, गति ड्रोन काफी हद तक इसे पूरा कर सकेगा। केशव बताते हैं कि भविष्य में चार व छह ग्रेनेड की क्षमता के ड्रोन भी तैयार करेंगे। उन्होंने राजस्थान के पोखरण व महाराष्ट्र में भारतीय सेना के समक्ष अपने इस इनोवेशन का प्रदर्शन किया इसके बाद सेना ने इस ड्रोन का आर्डर भी दिया है। पहली खेप में सेना 20 ड्रोन लेगी, अगस्त तक यह ड्रोन सेना के बेड़े में शामिल हो जायंगे। यह ड्रोन मोर्टार, ग्रेनेड व अन्य विस्फोटक यंत्र का भी आसानी से परिवहन कर सकता है।

नशा निवारण पाठ्यक्रम लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा पंजाब

राज्य ब्यूरो, जागरण, चंडीगढ़

पंजाब की नशे के खिलाफ जंग एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है क्योंकि राज्य सरकार 'युद्ध, नशे के विरुद्ध' अभियान के तीसरे चरण के अंतर्गत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक अनूठा नशा निवारण पाठ्यक्रम शुरू करने जा रही है। यह पहल साक्ष्य पर आधारित है और इसे प्रमुख व्यवहार वैज्ञानिकों की सहायता से विकसित किया गया है। दावा है कि नशा निवारण पाठ्यक्रम लागू करने वाला पंजाब पहला राज्य बनेगा।

यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने मंगलवार सायं पंजाब भवन में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल व मुख्यमंत्री भगवंत मान एक अगस्त को फाजिल्का जिले के अरनीवाला में इस राज्यव्यापी नशा निवारण पाठ्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि यह अनूठा कार्यक्रम नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. अभिजीत बनर्जी के नेतृत्व वाले संगठन द्वारा जे-पाल साउथ एशिया के सहयोग से तैयार किया गया है।

प्रमुख व्यवहार विज्ञानियों की मदद से डिजाइन किया गया यह पाठ्यक्रम कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 8 लाख विद्यार्थियों को नशे से बचाव की जानकारी और इससे बचने के कौशल से सशक्त बनाएगा। पाठ्यक्रम 35 मिनट के सत्रों पर आधारित होगा जो हर पखवाड़े (15 दिन) में एक बार 27 सप्ताह तक आयोजित किए जाएंगे। इसमें डाक्यूमेंट्री, क्विज, पोस्टर व इंटरैक्टिव गतिविधियों जैसे रोचक माध्यमों के माध्यम से मिथकों को तोड़ना, मना करने की रणनीतियों व समूह दबाव से बचाव जैसे विषयों पर फोकस किया जाएगा।

****

आइआइटी खड़गपुर में आत्महत्या क्यों कर रहे छात्र

सुप्रीम कोर्ट ने शारदा विश्वविद्यालय मामले पर भी उठाए सवाल

दोनों मामलों में जांच तेजी से आगे बढ़ाने का दिया निर्देश, पूछा, प्रबंधन कर क्या रहा है

नई दिल्ली, आइएएनएस : सुप्रीम कोर्ट ने आइआइटी खड़गपुर और ग्रेटर नोएडा के शारदा विश्वविद्यालय में आत्महत्या के मामलों पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने दोनों मामलों में जांच को तेजी से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। शैक्षणिक संस्थानों में आत्महत्या से होने वाली मौतों के मामले की सुनवाई कर रही जस्टिस जेबी पार्डीवाला और आर. महादेवन की पीठ ने पूछा, प्रबंधन आखिर कर क्या रहा है। पीठ ने उप्र व बंगाल पुलिस को चार हफ्ते के भीतर विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष के छात्र के आत्महत्या करने की घटना पर पीठ ने आइआइटी खड़गपुर के वकील से पूछा, क्या गड़बड़ है? आइआइटी खड़गपुर में छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? क्या आपने इस समस्या पर विचार किया है? क्या कदम उठाए हैं? आइआइटी खड़गपुर मामले में न्याय मित्र ने कहा, शिकायत संस्थान द्वारा दर्ज कराई गई थी। घटना की जांच चल रही है। इसमें कहा गया है कि शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त टास्क फोर्स इस मुद्दे पर काम कर रहा है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट को रिकार्ड में रखने में समय लगेगा। सुनवाई के दौरान आइआइटी खड़गपुर के वकील ने कहा कि 10 सदस्यीय समिति गठित की गई है तथा 12 सदस्यीय परामर्श केंद्र भी स्थापित किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

मामले में शीर्ष अदालत ने लिया है स्वत: संज्ञान

शीर्ष अदालत ने 21 जुलाई को इन दोनों संस्थानों में छात्रों की मौत का स्वत: संज्ञान लेकर न्यायमित्र से घटनाओं के संबंध में स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा था। शीर्ष अदालत ने उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या को गंभीरता से लिया और मार्च में छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन किया।

शारदा विश्वविद्यालय में एक छात्रा से जुड़ी ऐसी ही घटना पर भी शीर्ष अदालत ने सवाल उठाए। पीठ ने आदेश दिया, दोनों घटनाओं की जांच कानून के अनुसार और सही दिशा में तेजी से आगे बढ़ाई जाए। न्यायमित्र के रूप में कोर्ट की सहायता कर रहीं अधिवक्ता अपर्णा भट ने पीठ को दोनों मामलों में जांच की स्थिति से अवगत कराया।

शारदा विश्वविद्यालय मामले पर 30 पृष्ठों की स्थिति रिपोर्ट का हवाला देते हुए अपर्णा ने कहा, एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें दो व्यक्तियों के नाम हैं जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पीठ ने पूछा, क्या शारदा विश्वविद्यालय मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है, तो न्यायमित्र ने कहा, हां, प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीठ ने आगे पूछा, इसे किसने दर्ज किया? अपर्णा ने कहा, मृतका लड़की के पिता ने घटना के दो घंटे बाद प्राथमिकी दर्ज कराई, तो पीठ ने पूछा, पिता को कैसे पता चला कि उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है? पिता को किसने सूचित किया? अदालत ने प्रशासनिक लापरवाही पर चिंता जताते हुए पूछा, क्या छात्रों ने पिता को सूचित किया? कालेज प्रबंधन ने इसकी सूचना क्यों नहीं दी? क्या पुलिस और अभिभावकों को तुरंत सूचित करना उनकी जिम्मेदारी नहीं है?"

शारदा विश्वविद्यालय के वकील से पूछा- हमारे निर्देशों का पालन क्यों नहीं कर रहे पीठ ने शारदा विश्वविद्यालय के वकील से कहा, आप हमारे निर्देशों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? हमने पूरा फैसला सुनाया है। हम यह अपने बच्चों के लिए कर रहे हैं। क्या यह आपका कर्तव्य नहीं था कि आप तुरंत पुलिस को सूचित करते, माता-पिता को सूचित करते?

आरक्षण कार्यपालिका के कार्य का हिस्सा, हाई कोर्ट ऐसा आदेश कैसे दे सकता है

- राज्य की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा, प्रथम दृष्टया, हाई कोर्ट का आदेश त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है
- आरक्षण प्रदान करने के लिए कार्यकारी निर्देश पर्याप्त हैं, इसके लिए कानून बनाने की जरूरत नहीं है

नई दिल्ली, प्रेट्र: बंगाल सरकार को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 17 जून के कलकत्ता हाई कोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की संशोधित सूची के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी गई थी। चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और एनवी अंजारिया की पीठ ने राज्य की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा, "प्रथम दृष्टया, हाई कोर्ट का आदेश त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है।"
ज्ञात हो, हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने 17 जून को राज्य सरकार द्वारा ओबीसी-ए और ओबीसी-बी श्रेणियों के तहत 140 उपवर्गों को आरक्षण के संबंध में जारी अधिसूचनाओं पर 31 जुलाई तक अंतरिम रोक लगा दी थी। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि राज्य सरकार द्वारा ओबीसी श्रेणियों के संबंध में आठ मई से 13 जून के बीच जारी कार्यकारी अधिसूचनाएं उस तिथि तक प्रभावी नहीं होंगी।
बहरहाल, चीफ जस्टिस गवई ने सुझाव दिया कि यदि पक्षकार इच्छुक हों तो वह हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से अनुरोध करेंगे कि वे इस मुद्दे पर छह हफ्ते के भीतर तय समय-सीमा में निर्णय लेने के लिए नई पीठ गठित करें। इससे पूर्व पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर किया और विवादित फैसले के कुछ हिस्सों का हवाला देते हुए कहा, "यह आश्चर्यजनक है। हाई कोर्ट ऐसा आदेश कैसे पारित कर सकता है? आरक्षण कार्यपालिका के कार्य का हिस्सा है। इंदिरा साहनी (मंडल फैसले) से ही यह स्थापित कानून है।"

पीठ ने कहा कि आरक्षण प्रदान करने के लिए कार्यकारी निर्देश पर्याप्त हैं और इसके लिए कानून बनाने की आवश्यकता नहीं है। प्रतिवादियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार और गुरु कृष्णकुमार ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की याचिका का विरोध किया। कृष्णकुमार ने कहा कि राज्य कार्यकारी आदेश द्वारा आरक्षण प्रदान करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन कुछ निर्णय ऐसे भी हैं जो कहते हैं कि यदि इसे नियंत्रित करने वाला कोई विधायी ढांचा है तो कानून की कठोरता का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई ओबीसी सूची बिना किसी आंकड़े के तैयार की गई थी। हालांकि, सिब्बल ने दलील दी कि नई सूची राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किए गए एक नए सर्वेक्षण और रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई थी।

आप कोर्ट के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं, सार्वजनिक माफी कहां है

- कर्नल सोफिया पर टिप्पणी कर माफी नहीं मांगने वाले मंत्री को सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार
- कोर्ट ने कहा, मप्र के मंत्री विजय शाह का आचरण उनकी मंशा व ईमानदारी पर संदेह पैदा कर रहा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश के जनजातीय मामलों के मंत्री कुंवर विजय शाह को भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपनी टिप्पणी पर सार्वजनिक रूप से माफी न मांगने पर फटकार लगाते हुए कहा कि वह अदालत के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि मंत्री का आचरण उनकी मंशा और ईमानदारी पर संदेह पैदा कर रहा है।

शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने हालांकि कहा कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है जो आनलाइन उपलब्ध भी है और इसे अदालत के रिकार्ड में रखा जाएगा। पीठ ने मंत्री द्वारा दिए गए बयानों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआइटी) को 13 अगस्त तक अपनी रिपोर्ट देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच दल ने अब तक 87 लोगों से पूछताछ की है। पीठ ने कांग्रेस नेता जया ठाकुर द्वारा शाह के इस्तीफे की मांग वाली याचिका पर भी विचार करने से इन्कार कर दिया। इसने कहा कि रिट याचिका में पूर्व की घटनाओं के बारे में लगाए गए कुछ आरोपों की तीन सदस्यीय एसआइटी द्वारा जांच की जाएगी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 18 अगस्त के लिए स्थगित कर दी।

गौरतलब है कि 19 मई को सुप्रीम कोर्ट ने शाह को फटकार लगाते हुए उनके खिलाफ दर्ज एफआइआर की जांच के लिए एसआइटी के गठन का आदेश दिया था। शाह उस समय आलोचनाओं के घेरे में आ गए जब एक वायरल वीडियो में उन्हें कर्नल कुरैशी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए दिखाया गया। आपरेशन सिंदूर पर मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी ने एक अन्य महिला अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ देशव्यापी ख्याति प्राप्त की थी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने कर्नल सोफिया के खिलाफ "अपमानजनक" टिप्पणी करने और "गटर की भाषा" का इस्तेमाल करने के लिए शाह को फटकार लगाई और पुलिस को आदेश दिया कि वैमनस्य और नफरत को बढ़ावा देने के आरोप में उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज की जाए।

कुंवर विजय शाह। फाइल

नाम डाग बाबू, पिता कुत्ता बाबू... बन गया निवास प्रमाण पत्र

जागरण संवाददाता, पटना

- पटना में मामला खुला तो आवेदक समेत तीन के खिलाफ प्राथमिकी

बिहार के पटना में निवास प्रमाणपत्र जारी करने के मामले में बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां मसौढ़ी अंचल कार्यालय से 'डाग बाबू' के नाम से निवास प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया। यह प्रमाणपत्र हाल ही में 24 जुलाई को जारी किया गया। प्रमाणपत्र में नाम डाग बाबू, पिता- कुत्ता बाबू, माता- कुटिया देवी के साथ मोहल्ले का नाम, वार्ड संख्या और पिनकोड भी दर्ज है। प्रमाणपत्र पर एक कुत्ते की तस्वीर लगी है। इस मामले में काफी किरकिरी होने के बाद जिला प्रशासन ने सोमवार को आवेदक समेत आइटी (तकनीकी) सहायक और राजस्व अधिकारी पर कार्रवाई करते हुए तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

जिलाधिकारी डा. त्यागराजन ने बताया कि मसौढ़ी अंचल में 'डाग बाबू' के नाम से निवास प्रमाणपत्र जारी करने का मामला संज्ञान में आते ही मसौढ़ी के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) को जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया था। रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ कि दिल्ली की एक महिला का आधार कार्ड संलग्न करते हुए आवासीय प्रमाणपत्र के लिए आनलाइन आवेदन किया गया था। राजस्व अधिकारी मुरारी चौहान ने गलत साक्ष्यों के आधार पर दिए गए आवेदन की जांच किए बिना ही प्रमाणपत्र जारी कर दिया था।

पटना जिले के मसौढ़ी में कुत्ते के नाम जारी आवासीय प्रमाण पत्र। सौ: इंटरनेट मीडिया

सतना में अब शून्य रुपये वार्षिक आय का प्रमाण पत्र आया सामने

नईदुनिया प्रतिनिधि, सतना : मध्य प्रदेश के सतना जिले की कोठी तहसील में तीन रुपये वार्षिक आय का प्रमाण पत्र जारी होने के बाद अब उचेहरा तहसील में शून्य रुपये वार्षिक आय का प्रमाण पत्र जारी होने का मामला सामने आया है। एसडीएम ने इसे लिपिकीय त्रुटि मानते हुए सुधार की बात कही है। कलेक्टर डा. सतीश कुमार एस ने संबंधित अधिकारियों और लोक सेवा केंद्र संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अमदरी गांव निवासी संदीप कुमार नामदेव को जारी प्रमाण पत्र में परिवार की आय शून्य दर्शाई गई है, जिससे लोग हैरान हैं। यह प्रमाण पत्र सात अप्रैल को जारी हुआ था, जबकि 17 जुलाई को संशोधित प्रमाण पत्र में आय 40 हजार रुपये दर्शाई गई है। एसडीएम सोमेश द्विवेदी ने बताया कि आनलाइन प्रक्रिया के कारण ऐसे मामले अक्सर सामने नहीं आते हैं। यह लिपिकीय त्रुटि थी, जानकारी मिलने पर सुधार दी गई।

झालावाड़ के बाद जैसलमेर में गिरा स्कूल का मेनगेट, पहली कक्षा के छात्र की मौत

जागरण संवाददाता, जयपुर

- उदयपुर में स्कूल के तीन कमरों का प्लास्टर गिरा, 45 छात्र बचे
- हाई कोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान, केंद्र और राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट

झालावाड़ में स्कूल की छत गिरने से शुक्रवार को सात बच्चों की मौत के बाद से राजस्थान में स्कूलों की जर्जर स्थिति लगातार उजागर हो रही है। सोमवार को जैसलमेर के पूनम नगर में सुबह करीब आठ बजे सरकारी स्कूल का मुख्यद्वार गिर गया, जिससे पहली कक्षा के सात वर्षीय छात्र अरबाज की दबकर मौत हो गई। इस हादसे में पांच वर्ष की बच्ची व एक शिक्षक भी घायल हो गए। दोनों के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार को ही उदयपुर के नया राजपुरा में सरकारी स्कूल के तीन कमरों की छत का प्लास्टर गिर गया। इन कमरों में 45 छात्र पढ़ाई कर रहे थे। हालांकि, सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।
उधर, राजस्थान हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सरकारी स्कूलों की बदहाली पर केंद्र व राज्य सरकार से 14 बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी है। न्यायाधीश अनूप कुमार ने झालावाड़ हादसे को दिल झकझोर देने वाला बताया। कहा, एक सर्वे के मुताबिक राजस्थान सहित 12 राज्यों में संचालित 22 प्रतिशत स्कूलों के भवन जर्जर हैं। 31 प्रतिशत भवनों में दरारें हैं। उन्होंने कहा, प्रत्येक जिले में आनलाइन पोर्टल शुरू हो, जिसमें स्कूलों की हालत का उल्लेख हो। सरकार प्रदेश की सभी शैक्षणिक संस्थाओं का व्यापक सर्वे करवाकर सुनिश्चित करे कि इनके भवन जर्जर न हों। घटिया निर्माण करने वालों की जिम्मेदारी तय हो। घटना होने पर जिम्मेदारों से निर्माण लागत वसूली जाए, उन पर आपराधिक मामला दर्ज करने के साथ विभागीय कार्यवाही भी की जाए। कोर्ट ने प्रदेश के मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग के सचिव, बाल विकास विभाग, राष्ट्रीय बाल आयोग से जवाब मांगा है।
इस बीच, राज्य सरकार द्वारा जर्जर स्कूलों, अस्पतालों आदि के भवनों की मरम्मत को लेकर बनाई गई समिति के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता ने बैठक कर जर्जर भवनों की सूची तैयार करने व मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू करने का निर्देश दिया है।

झालावाड़ जिले में 25 जुलाई को स्कूल की छत गिरने से हुई थी आठ बच्चों की मौत। फाइल

मणिपुर के पांच जिलों में 155 हथियार, 1652 गोला-बारूद जब्त

इंफाल, प्रेट्र: मणिपुर में सुरक्षाबलों ने गत कुछ दिनों में पहाड़ी जिलों चूड़चंद्रपुर, कांगपोकपी, फेरजावल, तेंगनौपाल व चंदेल में चलाए गए कई अभियानों के दौरान 155 हथियार और 1,652 गोला-बारूद बरामद किए हैं। पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, असम राइफल्स व सेना की संयुक्त टीमों द्वारा खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में ये हथियार बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, बरामद हथियारों में एके सीरीज की आठ राइफल, दो इंसास राइफल, चार कार्बाइन, एक एसएलआर, नौ एमएम की आठ पिस्तौल, 12 बोर की 14 बंदूक, सिंगल बोर की 21 बंदूक, 14 देशी पिस्तौल शामिल हैं। इसके अलावा 31 पोम्पी (स्थानीय स्तर पर निर्मित मोर्टार), 39 आइईडी, 13 हथगोले व 1,600 गोला-बारूद भी जब्त किए गए।

पांच उग्रवादी गिरफ्तार: सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व व थौबल जिलों से वसूली में शामिल तीन प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है।

पूर्व तारीख से लागू नहीं होगी जज बनने से पहले तीन वर्ष वकालत की अनिवार्यता

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जज बनने से पहले तीन वर्ष वकालत की अनिवार्यता संबंधी 20 मई का उसका निर्णय भविष्य में लागू होगा। इससे उस भर्ती नोटिस पर प्रभाव नहीं पड़ेगा जो शीर्ष कोर्ट के निर्णय से पहले जारी किए गए थे।

ज्ञात हो,सुप्रीम कोर्ट ने 20 मई को फैसले में कहा था कि नए विधि स्नातक प्रवेश स्तर की न्यायिक सेवा परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते। इस परीक्षा में बैठने के लिए न्यूनतम तीन साल वकालत करना अनिवार्य होगा। सुप्रीम कोर्ट ने नवीद बुख्तिया व पांच अन्य की याचिका पर विचार करने से सोमवार को मना कर दिया था। याचिका में जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग की 14 मई की भर्ती अधिसूचना को चुनौती दी गई है, क्योंकि इसमें तीन साल वकालत के नियम की अनिवार्यता नहीं थी। सीजेआइ बीआर गवई ने कहा, हमने फैसले में स्पष्ट किया है कि यह किसी भी शुरू हो चुकी प्रक्रिया पर लागू नहीं होगा।

कुपवाड़ा में सिपाही को हिरासत में यातनाएं देने के आरोप में डीएसपी समेत छह पर मामला दर्ज

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

- पीड़ित ने उसका गुप्तांग काटने सहित क्रूर यातनाएं देने के लगाए थे कई गंभीर आरोप
- नार्को टेरर माड्यूल को ध्वस्त करने से जुड़े मामले में पूछताछ के दौरान का है मामला

सीबीआइ ने कुपवाड़ा जिला में दो वर्ष पहले एक पुलिस कांस्टेबल खुर्शीद अहमद चौहान को हिरासत में अमानवीय यातनाएं देने के आरोप में जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी व सब इंस्पेक्टर समेत छह पुलिस कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं, हाल में इस मामले में सुप्रीम ने भी जम्मू-कश्मीर सरकार को पीड़ित खुर्शीद को उसके मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए 50 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया था।

सीबीआइ ने अपनी एफआइआर में डीएसपी एजाज अहमद नाइकू, सब इंस्पेक्टर रियाज अहमद और चार कांस्टेबल जहांगीर अहमद, इम्तियाज अहमद, मोहम्मद यूनिस और शाकिर अहमद को नामजद किया है।

यह मामला फरवरी 2023 में उत्तरी कश्मीर में पुलिस द्वारा एक नार्को टेरर माड्यूल को ध्वस्त करने से जुड़ा है। पुलिस ने कांस्टेबल खुर्शीद अहमद को माड्यूल के अन्य सदस्यों से पूछताछ के आधार पर पकड़ा था। कांस्टेबल खुर्शीद अहमद ने आरोप लगाया था कि उसे हिरासत में अपराध कबूल करने के लिए छह दिन तक यातनाएं दी गईं और उसका गुप्तांग काटा गया। उसने बताया कि वह उस समय बारामुला जिला पुलिस लाइन में तैनात था और उसे कुपवाड़ा जेआइसी में हाजिर होने को कहा गया।

खुर्शीद के आरोपों का जवाब देते हुए संबंधित अधिकारियों ने दावा किया था कि उसे जेआइसी में नहीं रखा गया था बल्कि उसे रोजाना हाजिर होने के लिए कहा गया था। उससे गुलाम जम्मू-कश्मीर से कुपवाड़ा में तस्करी के जरिए लाई गई 9.450 किलो हेरोइन, 10 मैगजीन, 77 कारतूस समेत पांच पिस्तौल, चार ग्रेनेड की बरामदगी के मामले में पूछताछ हो रही थी। जब यह जांच चल रही थी उसी दौरान उसने बैरक में ब्लेड के साथ अपना गुप्तांग काटकर आत्महत्या का प्रयास किया था।

उल्लेखनीय है कि तकरीबन एक सप्ताह पहले सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी थी। साथ ही न्यायाधीशों ने टिप्पणी की थी कि उच्च न्यायालय ने नागरिक के मौलिक अधिकारों के अपने संवैधानिक दायित्व का पालन करने में घोर भूल की है।

अमर चित्र कथा की कहानियां अब आडिबल पर उपलब्ध

नई दिल्ली, प्रेट्र: आडियो रूप से कहानी सुनाने के अग्रणी प्लेटफार्म आडिबल ने सोमवार को कामिक पुस्तक के प्रकाशक अमर चित्र कथा के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की जिसके तहत वह अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, बंगाली, तेलुगु और तमिल भाषाओं में आडियो पुस्तक के रूप में उनके कैटलाग से महाकाव्यों और विरासत की कहानियों को जारी करेगा।

अंग्रेजी भाषा का यह संग्रह अब सुनने के लिए उपलब्ध है जिसमें फिलहाल 111 प्रिय महाकाव्यों और लोककथाएं मौजूद हैं तथा इसे अमर चित्र कथा की सर्वाधिक लोकप्रिय कहानियों से संकलित किया गया है।

आडिबल के कंट्री मैनेजर शैलेश सावलानी ने बताया कि अमर चित्र कथा की कहानियां भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने में सचमुच एक विशेष स्थान रखती हैं इस संग्रह के साथ, हमने आज की पीढ़ी के लिए उस अनमोल अनुभव की पुनर्कल्पना की है और इन कालातीत कहानियों में जीवंत वर्णन और ध्वनि के माध्यम से उपलब्ध कराएंगे।

डाक्टर की लापरवाही से काटनी पड़ गईं नवजात की पांचों अंगुलियां

- चेन्नई जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने अस्पताल व डाक्टर को 33 लाख मुआवजा देने का दिया आदेश

चेन्नई, प्रेट्र: चेन्नई उत्तर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक अस्पताल और डाक्टर को गैंग्रीन के कारण नवजात शिशु की पांचों अंगुलियां काटे जाने के मामले में 10 लाख रुपये का मुआवजा देने के अलावा इलाज पर खर्च हुए 23.65 लाख रुपये की भरपाई करने का आदेश दिया है।

आयोग ने हाल में अपने फैसले में अस्पताल और स्त्री रोग विशेषज्ञ को लापरवाही का दोषी माना और उन्हें कुल मुआवजा राशि के साथ ही मुकदमे की लागत के रूप में 10 हजार रुपये देने का भी निर्देश दिया है। आयोग ने कहा, अस्पताल व डाक्टर यह समझाने में विफल रहे कि इस प्रक्रिया के लिए जरूरी सहमति को नजरअंदाज क्यों किया गया। ऐसी जानकारी है कि सर्वाइकल पेसेरी प्रक्रिया के कारण बच्चे का समय पूर्व जन्म हुआ। इस प्रक्रिया के कारण बच्चे को गैंग्रीन हो गया। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया बिना परीक्षण या आपातकालीन जरूरत के की गई। इस कारण 24 हफ्ते की गर्भवती महिला का समय पूर्व प्रसव कराना पड़ा। बच्चे की मां का इसी अस्पताल में उपचार चल रहा था और जब यह प्रक्रिया की गयी तो वह 22 हफ्ते की गर्भवती थी। प्रसव के बाद नवजात को गहन चिकित्सा इकाई में ले जाया गया, जहां गैंग्रीन के शुरुआती लक्षण दिखे। इस पर उसके दाहिने हाथ की सभी पांचों अंगुलियां काटनी पड़ीं।

प्रतीकात्मक

जागरण विशेष

दान में ही परमार्थ, चिकित्सा शिक्षा के लिए कर रहे देहदान

वाराणसी स्थित अपना घर आश्रम के 90 लोग प्रदेश के मेडिकल कालेजों को कर चुके हैं देहदान

रवि पांडेय ● जागरण

वाराणसी: काशी की पावन धरती पर अपना घर आश्रम में रह रहे निराश्रित लोग महर्षि दधीचि का अनुसरण कर रहे हैं। मानव कल्याण के लिए शरीर का उत्सर्ग ही इनके लिए परमार्थ है। परलोक सुधार के लिए अंत्येष्टि या समाधि लेने की बजाय मेडिकल कालेजों को पार्थिव देह दान कर रहे हैं, ताकि चिकित्सा शोध हो सके। 90 लोग अब तक देहदान कर चुके हैं।

डा. कुमार निरंजन और उनकी पत्नी डा. कात्यायनी द्वारा संचालित अपना घर आश्रम में सड़कों पर भटकते बेसहारा, बीमार और निराश्रित लोगों को सम्मानजनक जीवन दिया जा रहा है। वर्तमान में यहां 600 से अधिक निराश्रित लोग रह रहे हैं। डाा. निरंजन इन्हें प्रभुजी बुलाते हैं।

"देहदान को लेकर लोगों को बहुत जागरूक करने की आवश्यकता है। बीएचयू में चिकित्सा विज्ञान संस्थान के मेडिकल छात्रों को कठिनाई नहीं होती। अपना घर आश्रम की वजह से पर्याप्त संख्या में शव मिल जाते हैं।
प्रो. आनंद मिश्रा, विभागाध्यक्ष एनाटामी, आइएमएस, बीएचयू

1300 लोगों को स्वजन से मिलाया : सड़क पर भटकने वाले निराश्रित तीन हजार लोगों को रेस्क्यू करके अपना घर आश्रम लाया गया। जिनके रहने खाने और और उनके स्वास्थ्य का इंतजाम आश्रम की तरफ से किया जाता है। 1300 लोगों को उनके स्वजन से मिलाया गया।

शौक और हुनर के अनुसार काम भी दिया

अपना घर आश्रम में आश्रय पाए सभी लोगों के हुनर को संवारने व आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से प्रभुजी कौशल विकास केंद्र बनाया गया है। इसमें हर्बल साबुन, सुगंधित अगरबत्ती, इको फ्रेंडली दीये, रक्षाबंधन पर राखी भी बनती है। ये पत्तल-दोना और गिलास भी तैयार करते हैं। इन लोगो को शौक व हुनर के अनुसार पेंटिंग, बिजली के काम, संगीत, खाना बनाना, सफाई और चिकित्सा जैसे काम भी कराए जाते हैं। तैयार उत्पाद सामाजिक संस्था के अलावा अन्य आगंतुक खरीदते हैं और इससे होने वाली आय को इन्हीं के बीच बांट दिया जाता है।

वाराणसी स्थित अपना घर आश्रम में रंगोली बनाकर त्योहार मनाते वहां आश्रय पाए लोग ● जागरण

मेडिकल के छात्रों के लिए मानव शरीर की उपलब्धता हमेशा से बड़ी चुनौती रही है और भावी डाक्टरों को मानव शरीर रचना विज्ञान के अध्ययन में कठिनाई होती है। बीएचयू में एमबीबीएस करते समय स्वयं डा. कुमार निरंजन इन परिस्थितियों से गुजर चुके हैं। वह बताते हैं कि उस समय प्रदेश के ज्यादातर मेडिकल कालेजों में मानव शरीर मिलना बेहद मुश्किल था। इसे देखते हुए उन्होंने अनूठी मुहिम शुरू की। आश्रम में रहने वाले प्रभुजी की मृत्यु के बाद उनके शरीर को जलाया या दफनाया नहीं जाता, बल्कि उनकी सहमति से मेडिकल कालेजों को दान कर दिया जाता है। यह देहदान न केवल मेडिकल छात्रों के लिए शोध व अध्ययन का आधार बनता है, बल्कि मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण भी पेश करता है।

पहल को देश के 65 आश्रमों ने अपनाया : डा. निरंजन की इस पहल को अपना घर आश्रम की भरतपुर स्थित मुख्य शाखा सहित देशभर के 65 आश्रमों ने अपनाया है। वाराणसी में 2018 से संचालित इस आश्रम ने अब तक 90 लोगों की देह को विभिन्न मेडिकल कालेजों को दान किया है। इनमें बीएचयू, वाराणसी स्थित हेरिटेज मेडिकल कालेज, गोरखपुर, प्रयागराज, आजमढ़, गाजीपुर और जौनपुर के मेडिकल कालेज शामिल हैं। सबसे अधिक देहदान बीएचयू के एनाटामी विभाग को किए गए हैं। आश्रम में किसी की मृत्यु के बाद शरीर को डीप फ्रीजर में सुरक्षित रखा जाता है। इसके बाद प्रशासनिक व कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा कर शव को मेडिकल कालेजों को सौंपा जाता है। शव को कम से कम तीन महीने तक रखने की शर्त होती है। मृत प्रभुजी के नाम से आश्रम में नियमित गीता पाठ और भजन कीर्तन भी कराया जाता है। हर वर्ष पितृपक्ष में सामूहिक पिंडदान किया जाता है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

हरिद्वार मंदिर प्रबंधन मामले में उत्तराखंड सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने हरिद्वार के मां चंडी देवी मंदिर के "सेवायत" द्वारा दायर याचिका पर उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा है, जिसमें बदरी-केदार मंदिर समिति को रिसीवर नियुक्त करने के आदेश को स्थगित करने की मांग की गई है। कोर्ट ने कहा, बदरी-केदार मंदिर समिति का लिया गया कोई भी निर्णय याचिका के परिणाम पर निर्भर करेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ देव व अश्विनी दुबे ने मां चंडी देवी मंदिर के महंत भवानी नंदन गिरी की ओर से याचिका दायर की, जिसमें कहा गया कि हाई कोर्ट ने बिना साक्ष्य व शिकायत के मंदिर का नियंत्रण समिति को सौंप दिया, जबकि पहले से ही 2012 में हाई कोर्ट द्वारा हरिद्वार के डीएम व एसएसपी की समिति थी।

****

दैनिक जागरण

पाप का अंत निश्चित होता है

फजीहत कराता विपक्ष

विपक्षी नेता किस तरह अपने ही आचरण से अपनी फजीहत कराने में लगे हुए हैं, इसका ताजा और शर्मनाक उदाहरण है कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम का यह बयान कि पहलगाम में हमला करने वाले आतंकियों के पाकिस्तान से आने का प्रमाण दिया जाना चाहिए। चिदंबरम केंद्र में गृहमंत्री ही नहीं रह चुके हैं, बल्कि वे सुप्रीम कोर्ट में वकील भी हैं। आखिर वे इतना बेतुका बयान कैसे दे सकते हैं? पहलगाम में आतंकी हमले और आपरेशन सिंदूर के संदर्भ में उनकी ओर से पूछे गए सवालों पर जो हंगामा मचा, उसके लिए वही जिम्मेदार हैं। उनकी इस सफाई का कोई मतलब नहीं कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। अच्छा हो कि वे अपने ही कथन को खुद सुन लें। वे पहले भी बेतुके बयान देकर विवादों में आ चुके हैं। ऐसा लगता है कि बिना विचारे ज्यादा बोल जाना उनकी आदत है। जो भी हो, चिदंबरम विपक्ष के एकमात्र ऐसे नेता नहीं जो पहलगाम, आपरेशन सिंदूर अथवा अन्य विषयों पर पाकिस्तान को रास आने वाले बयान दे चुके हैं। यह काम राहुल गांधी समेत अन्य अनेक नेता करने में लगे हुए हैं। किसी के लिए भी यह समझना कठिन है कि कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के नेता अपने बेजा बयानों से यह बताने की कोशिश में क्यों लगे हैं कि पहलगाम के बर्बर आतंकी हमले में पाकिस्तान का कहीं कोई हाथ नहीं। कम से कम कांग्रेस के नेताओं को तो पाकिस्तान की पक्षधरता करने वाले बयान देने में शर्म आनी चाहिए। आखिर वे पाकिस्तान को क्लीन चिट देकर किसे खुश करना चाहते हैं? कौन हैं वे लोग जो पाकिस्तान की तरफदारी करने वाले उनके बयानों से प्रसन्न होकर उन्हें वोट देना पसंद करेंगे?

कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल यह साबित करने की भी कोशिश कर रहे हैं कि मोदी सरकार पाकिस्तान प्रेरित-प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ उतनी सख्त नहीं, जितना उसे होना चाहिए। पाकिस्तान के खिलाफ सख्ती की कोई सीमा नहीं हो सकती, लेकिन सब जानते हैं कि मोदी सरकार के आदेश पर ही भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकियों के अड्डे पर बम बरसाए थे। आपरेशन सिंदूर जैसी साहसिक कार्रवाई की चर्चा तो अब भी हो रही है और संसद में भी हो रही है। विपक्ष को संसद में भी फजीहत का ही सामना करना पड़े तो हैरानी नहीं। आपरेशन सिंदूर पर संसद में विपक्ष की ओर से जैसे सवाल पूछे जा रहे हैं, वे उसकी अपरिपक्वता को ही बयान करते हैं। हमारे संविधान और राष्ट्र निर्माताओं ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत की राजनीति इतनी अधिक सतही होगी। दुर्भाग्य से आज का यथार्थ यही है कि भारतीय राजनीति स्तरहीन होती चली जा रही है। यह संसद में भी देखने को मिल रहा है।

सुरक्षा एजेंसियों की चुनौती

पंजाब में जिस प्रकार से हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी हो रही है, वह सुरक्षा एजेंसियों की चुनौती बढ़ाने वाली है। खासकर प्रदेश के गैंगस्टरों और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के बीच जिस प्रकार का गठबंधन विकसित हुआ है, वह परेशानी बढ़ाने वाला है। आइएसआइ लगातार घातक हथियार भेज रही है। शनिवार देर रात अमृतसर पुलिस के स्पेशल सेल ने आइएसआइ की तरफ से भेजे गए घातक हथियार बरामद किए। इनमें एके-47 भी शामिल है, जिसे उन्नत कर और घातक बना दिया गया है। निःसंदेह यह सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है। यह भी पता चला है कि आइएसआइ ने यह हथियार जेल में बंद गैंगस्टर के कहने पर भेजे थे। विगत कुछ समय में सीमापार से हथियारों और मादक पदार्थों की खेप भेजने का क्रम तेज हुआ है और शायद ही कोई दिन ऐसा बीत रहा है, जब सीमावर्ती जिलों से हथियारों अथवा मादक पदार्थों की बरामदगी न होती हो। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की प्रशंसा करनी चाहिए कि वह पर्याप्त मुस्तैदी दिखा रहे हैं, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता है कि सतर्कता और बढ़ानी होगी। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित करना होगा। केंद्रीय और राज्य की एजेंसियों को समन्वय के साथ काम करते हुए सूचना तंत्र को और सशक्त बनाना होगा, तभी नापाक षड्यंत्र को विफल किया जा सकता है।

> कुछ समय से शायद ही कोई दिन ऐसा बीत रहा है, जब सीमावर्ती जिलों से हथियारों अथवा मादक पदार्थों की बरामदगी न होती हो

गाजा संकट पर मूकदर्शक मोदी सरकार

सोनिया गांधी

पीएम मोदी स्पष्ट और साहसिक शब्दों में उस विरासत की ओर से जोरदार आवाज उठाएं, जिसका प्रतिनिधित्व भारत लंबे समय से करता आया है

7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल में निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों पर हमास द्वारा किए गए बर्बर हमलों या उसके बाद इजरायली लोगों को लगातार बंधक बनाए रखने को कोई भी उचित नहीं ठहरा सकता। इसकी बार-बार और बिना किसी शर्त निंदा की जानी चाहिए, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सदस्य और उससे भी बढ़कर एक इंसान होने के नाते यह स्वीकारना हमारी जिम्मेदारी है कि गाजा की जनता पर इजरायली सरकार की प्रतिक्रिया और प्रतिशोध न केवल उग्र रहा है, बल्कि यह पूरी तरह आपराधिक भी है। पिछले लगभग दो वर्षों में 55,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं, जिनमें 17,000 बच्चे शामिल हैं। गाजा में अधिकांश आवासीय इमारतों को जानबूझकर लगातार हवाई बमबारी के जरिये पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया है। इनमें अस्पताल भी शामिल हैं। वहां का सामाजिक ढांचा पूरी तरह बिखर चुका है। अक्टूबर 2023 से अब तक की घटनाएं परेशान करने वाली रही हैं। हाल के महीनों में स्थिति और हृदयविदारक हो गई है। हमने देखा है कि किस तरह मानवीय सहायता को भी एक नृशंस रणनीति के तहत हथियार बना दिया गया है। इजरायली रक्षा बलों ने गाजा की सैन्य नाकेबंदी कर वहां दवाओं, भोजन और ईंधन की आपूर्ति को क्रूर नीयत से बाधित किया है। वहां के बुनियादी ढांचे का अंधाधुंध विनाश और आम नागरिकों का बेरोकटोक नरसंहार एक मानव निर्मित त्रासदी को जन्म दे चुका है। नाकेबंदी ने इसे और भी भयावह बना दिया है। भूख से मरने को मजबूर करने की रणनीति मानवता के खिलाफ अपराध है। इस तबाही के बीच इजरायल ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संगठनों से आने वाली मानवीय सहायता या तो सिरे से ठुकरा दी है या उसे रोक दिया है। इंसानियत के हर विचार को विकृत करते हुए इजरायली सैनिकों ने उन लोगों पर बेरहमी से गोलियां बरसाईं, जो परिवारों के लिए भोजन जुटाने की कोशिश कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र ने इस पर गंभीर चिंता जताई है। इजरायली रक्षा बलों को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना पड़ा है।

गाजा में इजरायल के सैन्य कब्जे को लेकर विशेषज्ञों के लगभग सभी आकलनों के अनुसार यह एक ऐसा अभियान है, जिसका प्रभाव जनसंहार जैसा है और जिसका उद्देश्य गाजा पट्टी से फलस्तीनियों का नस्लीय सफाया करना है। इसका पैमाना और परिणाम 1948 की 'नकबा' त्रासदी की याद दिलाता है, जिसमें फलस्तीनियों को उनके घरों से बेदखल किया गया। यह क्रूरता कुछ सबसे घिनौने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए की जा रही है। इनमें औपनिवेशिक मानसिकता से लेकर कुछ लालची रियल एस्टेट कारोबारियों के स्वार्थ भी शामिल हैं। दुर्भाग्य से गाजा संकट ने वैश्विक व्यवस्था की सबसे गंभीर कमजोरियों को उजागर कर दिया है। गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्धविराम की मांग करने वाले यूएन महासभा के प्रस्तावों को पूरी तरह उपेक्षित कर दिया गया। सुरक्षा परिषद गाजा में आम नागरिकों पर किए जा रहे हमलों और उनके बुनियादी ढांचे के बड़े पैमाने पर विनाश के लिए इजरायली सरकार पर प्रतिबंध लगाने में विफल रही है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने 26 जनवरी, 2024 को इजरायल को जनसंहार जैसे कृत्य रोकने और नागरिकों तक आवश्यक सेवाएं तथा मानवीय सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए थे। इन्हें भी अनदेखा किया गया। अमेरिका से मिले प्रत्यक्ष-परोक्ष समर्थन ने न केवल इजरायल को इन कार्रवाइयों के लिए प्रोत्साहित किया, बल्कि उन्हें संभव भी बनाया। जब अंतरराष्ट्रीय कानून और संस्थाएं लगभग निष्क्रिय हो चुकी हैं, तब गाजा के लोगों के हितों की रक्षा की लड़ाई अब अन्य देशों के जिम्मे आ गई है।

अवधेश राजपूत

दक्षिण अफ्रीका साहसिक कदम उठाते हुए इजरायल को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया और अब ब्राजील भी इसी प्रयास में शामिल हो गया है। फ्रांस ने फलस्तीनी राज्य को मान्यता देने का फैसला किया है और ब्रिटेन, कनाडा जैसे देशों ने गाजा में आक्रामकता को बढ़ावा देने वाले इजरायली नेताओं पर प्रतिबंध लगाए हैं। खुद इजरायल के भीतर भी विरोध के सुर तेज हो रहे हैं। उसके एक पूर्व पीएम ने गाजा में इजरायली युद्ध अपराधों की वास्तविकता को माना है। इस मानवीय संकट के प्रति दुनिया भर में उभर रही वैश्विक चेतना के बीच यह एक राष्ट्रीय शर्म की बात है कि भारत इस मानवता के अपमान का मूकदर्शक बना हुआ है।

भारत वैश्विक न्याय का प्रतीक रहा है। उसने उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक आंदोलनों को प्रेरित किया, शीत युद्ध के दौर में साम्राज्यवादी प्रभुत्व के खिलाफ आवाज उठाई और रंगभेद-ग्रस्त दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय संघर्ष का नेतृत्व किया। जब निर्दोष इंसानों का निर्मम संहार हो रहा है, भारत का अपने मूल्यों से विमुख हो जाना राष्ट्रीय विवेक पर कलंक, हमारे ऐतिहासिक योगदान की उपेक्षा और हमारे संवैधानिक मूल्यों के प्रति विश्वासघात भी है। राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वह 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने, राष्ट्रों के बीच न्यायपूर्ण संबंध बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय कानून तथा संधि-कर्तव्यों के प्रति सम्मान' के लिए प्रभावी कदम उठाए, पर इजरायल द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून, मानवाधिकारों और न्याय की बुनियादी अवधारणाओं की अवहेलना और उसके समक्ष हमारी वर्तमान सरकार की नैतिक कायरता हमारे संवैधानिक मूल्यों के प्रति कर्तव्यों की उपेक्षा के समान है।

भारत सदैव दो-राज्य समाधान और इजरायल तथा फलस्तीन के बीच न्यायसंगत शांति का समर्थक रहा है। 1974 में, इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत पहला गैर-अरब देश बना, जिसने फलस्तीन मुक्ति संगठन-पीएलओ को फलस्तीनी जनता के एकमात्र और वैध प्रतिनिधि के रूप में मान्यता दी। 1988 में भारत उन शुरुआती देशों में था, जिन्होंने फलस्तीन को आधिकारिक मान्यता दी। इजरायल द्वारा गाजा के लोगों पर लगातार जुल्मों के बीच प्रधानमंत्री मोदी की शर्मनाक चुप्पी बेहद निराशाजनक है। यह नैतिक कायरता की पराकाष्ठा है। समय आ गया है कि वे स्पष्ट और साहसिक शब्दों में उस विरासत की ओर से जोरदार आवाज उठाएं, जिसका प्रतिनिधित्व भारत करता आया है। आज समूची मानवता के सामूहिक विवेक को झकझोरने वाले इस मुद्दे पर ग्लोबल साउथ फिर से भारत के नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रहा है।

(लेखिका कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष हैं)

response@jagran.com

आवारा कुत्तों के आतंक से बेबस जनता

विजय गोयल

आवारा कुत्ते बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए खतरा बन जाएं, तो क्या जनहित को प्राथमिकता नहीं मिलनी चाहिए?

देश के कई हिस्सों में आवारा कुत्तों के हमलों और रेबीज की बीमारी से होने वाली मौतों की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए चिंता जताई है। भारत में आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इनके कारण जनजीवन और खासकर शहरी जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। यह समस्या केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक, स्वास्थ्य और प्रशासनिक संकट भी बनती जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में कुत्तों की संख्या छह करोड़ के करीब है, पर अनुमान है कि यह संख्या 12 करोड़ से भी अधिक है। अकेले दिल्ली में ही आठ लाख से अधिक कुत्ते हैं और हर रोज कुत्तों द्वारा काटे जाने के करीब 2,000 मामले आते हैं। मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, लखनऊ जैसे महानगरों में लाखों कुत्ते सड़कों पर घूमते देखे जा सकते हैं। छोटे शहरों और कस्बों में स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि वहां इनकी देखभाल या नियंत्रण के कोई ठोस उपाय नहीं हैं। यह विडंबना ही है कि मानव द्वारा बसाए गए शहरों में अब आवारा कुत्तों के आतंक के चलते बच्चे खेलने, बुजुर्ग अकेले टहलने, लोग पैदल चलने और दोपहिया वाहन चलाने से डरने लगे हैं। अचानक हमला कर देने वाले कुत्ते जानलेवा साबित हो रहे हैं। रात के समय तो इनका आतंक और बढ़ जाता है।

सबसे भयावह समस्या है आवारा कुत्तों का काटना और उससे होने वाली बीमारी रेबीज। भारत में हर साल 15-20 लाख लोगों को कुत्ते काटते हैं और लगभग 20,000 मौतें रेबीज के कारण होती हैं। यह संख्या विश्व में सबसे अधिक है। इससे देश की स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। कई बार समय पर रेबीज का टीका न मिलने पर पीड़ित को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में तो स्थिति और भी खराब है। देश में पशु अधिकारों की बात करने वाले कई संगठन हैं, जो कुत्तों के संरक्षण के पक्ष में हैं। वे कहते हैं कि ये जीव निर्दोष हैं, उन्हें मारना या हटाना अमानवीय होगा। उनकी यह भावना सही है, पर जब यही कुत्ते बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए खतरा बन जाएं, तो क्या जनहित को प्राथमिकता नहीं मिले? एक ओर पशु प्रेम है, तो दूसरी ओर इंसानी सुरक्षा।

पशु प्रेम में मानव सुरक्षा की न की जाए उपेक्षा। फाइल

यह संघर्ष अब सड़कों और अदालतों तक पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक मामले में टिप्पणी की कि जिनको कुत्तों से प्रेम है, वे उन्हें अपने घर ले जाकर खाना खिलाएं, सड़कों पर नहीं। तमाम रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) मांग कर रहे हैं कि सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो और सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम भेजा जाए। शहरों में 'नो डाग आन स्ट्रीट पालिसी' लागू की जाए। हालांकि आवारा कुत्तों की नसबंदी कर उनकी आबादी को नियंत्रित करने के लिए नगर निगमों के पास एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) योजना है, लेकिन वह कागजों में सिमट कर रह गई है। कुत्तों की नसबंदी एवं उनका वैक्सीनेशन ठीक से हो नहीं रहा, क्योंकि यह काम मुख्य रूप से एनजीओ पर छोड़ दिया गया है, जिनमें काफी भ्रष्टाचार है। एबीसी रूल्स, 2023 में संशोधन की आवश्यकता है, क्योंकि उसके नियम सोसायटियों पर अत्यधिक बोझ डालते हैं। इन नियमों में लोगों को कुत्तों को सोसायटी परिसर में ही खिलाने और उनके लिए जगह तय करने को कहा गया है। इससे अक्सर विवाद होते हैं।

आखिर नसबंदी के बाद भी कुत्तों को मोहल्लों, सोसायटियों में ही क्यों छोड़ दिया जाता है। जो कुत्ते आक्रामक या काटने वाले हों, उन्हें तो वहां से हटाया जाना चाहिए। आवासीय परिसरों में आवारा कुत्तों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। लोग मदद के लिए सरकारी विभागों को फोन करते हैं, शिकायतें दर्ज होती हैं, लेकिन कार्रवाई न के बराबर होती है। कभी-कभी परेशान लोग कटखने कुत्तों को भगा देते हैं, तो पशु प्रेमी व्यक्ति या संगठन उन पर केस कर देते हैं। कुत्ता पालतू हो या आवारा, उसे आदमी से अधिक अहमियत नहीं मिलनी चाहिए।

आवारा कुत्तों का हल केंद्र एवं राज्य सरकारों को स्थानीय निकायों के साथ मिलकर खोजना होगा। इसके लिए नसबंदी अभियान तेज, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाना चाहिए। पिछले 15 वर्षों से कुत्तों की गिनती नहीं हुई है। उनकी गिनती के साथ जीपीएस ट्रैकिंग जैसे उपाय लागू करने चाहिए। सभी शहरों में डाग शेल्टर बनने चाहिए। पशु प्रेमियों को कुत्तों को गोद लेने को कहा जाए। आज यदि हम कैब, फूड डिलीवरी और पेमेंट के लिए एप बना सकते हैं, तो आवारा कुत्तों की रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग के लिए क्यों नहीं? कुत्ते हमारी सभ्यता का हिस्सा रहे हैं। वे वफादार साथी हो सकते हैं, पर जब उनके कारण लोगों की जान खतरे में आ जाए, तो सह-अस्तित्व की परिभाषा बदलनी चाहिए। हमें संवेदनशीलता और व्यावहारिकता के संतुलन से इस समस्या को हल करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है, ताकि लोग कुत्तों को नफरत की निगाह से न देखें। केरल सरकार ने तो आवारा कुत्तों को यूथेनेशिया (जीवन समाप्त करने के वाला इंजेक्शन) देने की बात कही है। हमारी गलियां सुरक्षित बनें, बच्चे खुलकर खेलें और लोग डर के साये में न जिएं। कुत्तों के लिए भी जगह हो, लेकिन नियंत्रित और सुरक्षित दायरे में।

(लेखक पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

विस्मृति का वरदान

स्मृति और विस्मृति एक-दूसरे के विपरीतार्थक शब्द हैं। स्मृति में व्यक्ति वह सब याद रखता है, जो उसके साथ घटा होता है। विस्मृति में व्यक्ति कुछ समय बीत जाने पर अपने अनुकूल और प्रतिकूल घटित हुई घटनाओं को भूल जाता है। हमारे शास्त्रों ने मनुष्य के जीवन पर विचार करते हुए एक स्वर में यही कहा है कि जन्म, जरा तथा मृत्यु तीन ऐसे सत्य हैं, जो परम दुखद हैं और सभी के साथ घटित होते हैं। स्वामी विवेकानंद ने इसीलिए परमात्मा के स्मरण की आवश्यकता पर जोर दिया।

जगत की अनित्यता प्रत्यक्ष रूप में सभी को दिखाई देती है। इसी का निश्चयात्मक स्वरूप जानने के लिए कुरुक्षेत्र के रण में जब अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण से अपनी जिज्ञासा प्रकट की तो श्रीकृष्ण ने यही कहा कि जिसका इस पृथ्वी पर जन्म हुआ है, उसका मरण निश्चित है, यद्यपि उसका पुनर्जन्म भी होता है। भगवान बुद्ध ने जब अपने त्रिसत्य के सिद्धांत को स्थापित किया तो कहा कि जन्म, जरा और मृत्यु ही इस संसार का सत्य है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्ति जो भी अपने जीवन में प्राप्त करना चाहता है, वह उसे नहीं मिलता। इसी तरह से जो वह नहीं चाहता है, वह उसे अवश्य मिलता है। यदि हम गोस्वामी तुलसीदास जी के कथन को ध्यान में रखें तो उन्होंने इस जगत की संपूर्ण प्रक्रिया को दुखात्मक बताते हुए कहा कि जन्म लेते समय और मृत्यु पाते समय प्राणी को जो दुख होता है, वह दुख असह्य होता है। यह कह सकते हैं कि जीव का निरंतर नौ महीने तक गर्भ में रहना और प्राणों का शरीर त्यागना ऐसे असह्य दुख हैं, जिनका कथन किन्हीं भी शब्दों के द्वारा व्यक्त करना संभव नहीं है। यह भगवान की परम कृपा है कि उन्होंने इन दुखों के साथ जीवन के छोटे-मोटे दुखों का भी विस्मरण कर देने की शक्ति हमें दी है। इसलिए हम उनके कृतज्ञ हैं।

डा. गदाधर त्रिपाठी

समृद्ध भारत की राह

रंजना मिश्रा

> सरकार यह सुनिश्चित करे कि राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे

भारत का आत्मा उसके गांवों में बसता है, और इस आत्मा की सामूहिक शक्ति का नाम है 'सहकारिता'। इसका सरल सा अर्थ है- 'मिल-जुलकर अपने विकास के लिए काम करना'। इसी विचार ने गुजरात में अमूल जैसी दूध की क्रांति को जन्म दिया, लिज्जत पापड़ के माध्यम से लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया और इफको के जरिए करोड़ों किसानों तक खाद पहुंचाई। दशकों से यह सहकारी आंदोलन देश की अर्थव्यवस्था की एक मूक रीढ़ रहा है। हाल में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का अनावरण किया है। इस नीति का सबसे बड़ा जोर व्यवस्था को जमीनी स्तर से, यानी गांव से मजबूत करने पर है। यह नीति सुनिश्चित करती है कि सहकारी समितियां केवल लोकतांत्रिक ही न हों, बल्कि पेशेवर तरीके से चलें।

नीति का एक और क्रांतिकारी पहलू सहकारिता के दायरे का विस्तार करना है। अब सहकारिता सिर्फ खेती-किसानी, दूध या चीनी मिलों तक सीमित नहीं रहेगी। यह नीति पर्यटन, स्वास्थ्य, बीमा, भंडारण, टैक्सी सेवा और यहां तक कि हरित ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों के लिए भी दरवाजे खोलती है। यह नीति ऐसे नवाचारों को बढ़ावा देती है, जिससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर भी पैदा होंगे। यह सहकारिता को 21वीं सदी के भारत की जरूरतों के साथ जोड़ने का एक ईमानदार प्रयास है। किसी भी संस्था को चलाने के लिए पूंजी यानी धन सबसे जरूरी है। अब तक सहकारी समितियों के लिए पूंजी जुटाना एक बड़ी चुनौती थी। यह नीति उन्हें बाजार से भी धन जुटाने के लिए सक्षम बनाएगी। इससे उनकी वित्तीय निर्भरता कम होगी और वे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट हाथ में ले सकेंगी।

एक राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस भी बनाया जा रहा है, जो एक ही जगह पर देश की सभी सहकारी समितियों की जानकारी रखेगा। इससे बेहतर योजना बनाने और यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंच रहा है। यह नीति उस छोटे किसान के लिए है, जो अपनी फसल का सही दाम चाहता है। यह उस महिला के लिए है, जो घर पर रहकर भी सम्मान के साथ आजीविका कमाना चाहती है। यह उस युवा के लिए है, जो अपने गांव में ही रहकर एक सफल उद्यमी बनने का सपना देखता है, लेकिन सिर्फ नीति बना देना ही काफी नहीं होता। इसकी असली सफलता इसके सही और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इस नीति का लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। ऐसा होगा तभी यह नीति भारत को सामूहिक प्रयास की शक्ति से एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने की राह पर मीलों आगे ले जाएगी।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

घटना नहीं, चेतावनी बनें हादसे

'भारत और भगदड़' शीर्षक से प्रकाशित संपादकीय सामयिक और संवेदनशील विषय को सामने लाता है, लेकिन इसकी विश्लेषणात्मक परिधि सीमित रह गई है। इसमें केवल प्रशासनिक लापरवाही को लक्ष्य बनाकर बात की गई है, जबकि समस्या कहीं अधिक गहरी और बहुआयामी है। ऐसे आयोजनों में बार-बार घटने वाली भगदड़ की घटनाएं तात्कालिक विफलता से अधिक सामाजिक अनुशासन के क्षरण और जन-जागरूकता के अभाव की परिणति हैं। संपादकीय में यह चर्चा नहीं की गई कि ऐसी भीड़ मानसिकता को किस प्रकार तकनीक और शिक्षा के माध्यम से रोका जा सकता है। भीड़ नियंत्रण का प्रश्न केवल सुरक्षा बलों या अवरोधकों का नहीं, बल्कि नागरिक चेतना, डिजिटल सतर्कता और सटीक सूचना प्रबंधन का भी है। जब देश की भीड़ बारंबार अनियंत्रित हो और त्रासदी का रूप ले, तब केवल परंपरागत तरीकों से नहीं, बल्कि नवाचार आधारित दृष्टिकोण से सोचना आवश्यक हो जाता है। भीड़ यदि जनशक्ति है, तो उसे अनुशासित ऊर्जा में बदलने के लिए तकनीक को लोक व्यवहार से जोड़ना ही आज की सबसे रचनात्मक नीति बन सकती है। संपादकीय में आधुनिक समाधान जैसे स्मार्ट क्राउड एनालिटिक्स, लाइव डाटा ट्रैकिंग, आपातकालीन चेतावनी तंत्र और आयोजन-पूर्व माक ड्रिल जैसी रणनीतियों का उल्लेख नहीं किया गया है। इंटरनेट मीडिया पर फैलती अफवाह, प्रशिक्षित वालंटियर फोर्स की भूमिका और मीडिया की जवाबदेही जैसे आयामों की भी उपेक्षा की गई है। जब घटनाएं दोहराई जाने लगें, तब विचारों का दायित्व केवल आलोचना नहीं, समाधान सुझाना होता है। प्रतिक्रिया की पुनरावृत्ति से बदलाव संभव नहीं। जरूरी है कि अब चिंतन 'क्या हुआ' से आगे बढ़कर 'क्या होना चाहिए' पर केंद्रित हो।

awanishg30@gmail.com

प्रतिक्रिया

देशहित में हों समझौते

ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से पहले वर्ष में भारत को लगभग 4,060 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। इसमें विभिन्न वस्तुओं पर शुल्क को या तो कम किया गया है या समाप्त कर दिया गया है। वैश्विक स्तर की आर्थिक शोध संस्थान 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' ने ब्रिटेन से वर्तमान आयात आंकड़ों के आधार पर यह आकलन प्रस्तुत किया है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मुक्त व्यापार समझौते से देश को लाभ भी हो, आयात-निर्यात का संतुलन न बिगड़े और कूटनीतिक मामलों में ब्रिटेन भारत का दिल खोलकर सहयोग करे। यह समझौता केवल व्यापारिक विषयों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि वैश्विक कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर भी देश के हित में होना चाहिए।

युगल किशोर शर्मा, फरीदाबाद

चुनाव आयोग पर भरोसा करे विपक्ष

बिहार में चुनाव आयोग का मतदाता सूची सत्यापन एक महत्वपूर्ण कदम है। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का सघन पुनरीक्षण किया है। इसके परिणामस्वरूप 60 लाख से अधिक लोग ऐसे पाए गए हैं, जो राज्य में वोट डालने के योग्य नहीं हैं। यह कार्य चुनाव आयोग का प्रमुख दायित्व है, जिसे उसने सफलतापूर्वक निभाया है। यदि मतदाता सूची का पुनरीक्षण नहीं किया जाता, तो ये फर्जी मतदाता बिहार के चुनावों को प्रभावित कर सकते थे। कांग्रेस और उसके प्रभावी नेताओं को आयोग के ऐसे कदमों का समर्थन करना चाहिए, जिससे चुनाव की निष्पक्षता साबित हो सके। बिहार के संदर्भ में मतदाता सूची के पुनरीक्षण ने निष्पक्षता को बढ़ावा दिया है। इसी प्रकार चुनाव आयोग का अन्य राज्यों में भी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के सघन पुनरीक्षण का निर्णय सही है। यह सच है कि किसी भी चुनाव में हार-जीत चलती रहती है। कांग्रेस और विपक्ष को सकारात्मक राजनीति अपनाकर खुद को स्थापित करना चाहिए, न कि हार का दोष ईवीएम या चुनाव आयोग पर डालना चाहिए।

डा. प्रदीपकुमार संघवी, झाबुआ

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष: नई दिल्ली कार्यालय: 011-43166300, नोएडा कार्यालय: 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

815 किलोमीटर लंबी है थाइलैंड और कंबोडिया के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा। यहां पहाड़ी पर स्थित एक मंदिर को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने 1962 में कंबोडिया को सौंप दिया था। दोनों देशों के बीच यहां की 4.6 किमी लंबी भूमि पट्टी पर विवाद कायम है।

विवेक ओझा
अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

थाइलैंड-कंबोडिया सैन्य संघर्ष

दक्षिणपूर्व एशिया की क्षेत्रीय शांति में बाधा

थाइलैंड और कंबोडिया के बीच हालिया सैन्य संघर्ष इस बात का साक्ष्य है कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में राष्ट्रों के बीच विवाद आसानी से उभर रहे हैं। साथ ही, राष्ट्रों में सहिष्णुता और धैर्य की जगह निजी स्वार्थ एवं आवेश बढ़ता जा रहा है। थाइलैंड और कंबोडिया जैसे पड़ोसी देशों ने एक दूसरे पर हथियार चलाकर एक गंभीर क्षेत्रीय अशांति की स्थिति को पैदा किया। इसमें 30 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और दो लाख से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। हालांकि इस बीच अच्छी बात यह है कि ये देश अब शांति कायम करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं

सैन्य संघर्ष से प्रभावित कंबोडिया में एक राहत शिविर में शरण लिए लोगों के बीच किया जा रहा भोजन सामग्री का वितरण। फाइल

थाइलैंड और कंबोडिया के बीच लगभग आठ सौ किमी लंबी सीमा दशकों से विवादित रही है। इस ताजा टकराव की जड़ें सौ साल पुरानी हैं, जब फ्रांसीसी उपनिवेश काल के दौरान दोनों देशों की सीमाएं तय की गई थीं, तब से अब तक दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और खासकर एक खमेर-हिंदू मंदिर को लेकर कई बार खूनी टकराव हो चुके हैं। हालिया तनाव मई में और बढ़ गया, जब एक कंबोडियाई सैनिक एक झड़प में मारा गया। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुके हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान थाइलैंड ने कंबोडिया के कुछ क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया, लेकिन 1946 में उसे फ्रांसीसी शासन को वापस करने के लिए मजबूर होना पड़ा। दोनों देशों के बीच 2008 में 900 साल पुराने एक मंदिर से सटे जमीन के टुकड़े को लेकर सैन्य झड़पें हुईं। वर्ष 2012 में प्रीह विहार मंदिर के आसपास हुई झड़पों में दर्जनों सैनिक मारे गए थे। इस मंदिर को 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने कंबोडिया को सौंपा था। दोनों देशों के बीच 4.6 किमी लंबी भूमि पट्टी पर विवाद है। थाइलैंड इसपर अपना दावा करता है।

ताजा संकट की शुरुआत 28 मई को हुई, जब थाई सेना के साथ सीमा पर हुई गोलीबारी में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई। दोनों पक्षों ने आत्मरक्षा में गोलीबारी की बात कही। इस बीच पूर्व कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ थाई प्रधानमंत्री शिनावात्रा की लीक फोन काल ने थाइलैंड में राजनीतिक भूचाल ला दिया। शिनावात्रा पर थाई सेना को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से निलंबित कर दिया गया था।

भारतीय हित : दक्षिणपूर्वी एशिया में क्षेत्रीय शांति का बना रहना भारत के हितों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। सर्वविदित है कि थाइलैंड और कंबोडिया आसियान के सदस्य के रूप में भारत की एक्ट ईस्ट पालिसी को प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। आसियान क्षेत्र में अभी तक म्यांमार राजनीतिक विवादों और नृजातीय संघर्ष के लिए जाना जाता रहा है जिससे भारत पर भी असर पड़ा। एक बार किसी भी क्षेत्र में विवाद शुरू होने के बाद विवाद या युद्ध की स्थिति द्विपक्षीय नहीं रह पाती और कई अन्य प्लेयर्स को खेल खेलने का मौका मिल जाता है। भारत ने पिछले कुछ ही समय से दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों को ब्रह्मोस मिसाइल सहित कई अन्य रक्षा उपकरणों का निर्यात करना शुरू किया है, उससे मिलने वाले लाभ पर किसी न किसी रूप में नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

भारत- म्यांमार- थाइलैंड ट्राईलेटरल हाइवे प्रोजेक्ट में अब कंबोडिया भी शामिल हो चुका है और भारत के लिए यह एक जरूरी रीजनल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट है। ऐसे में इसके दो सदस्यों के बीच का संघर्ष सकारात्मक कार्यवाहियों में भी खलल डाल सकता है। भारत थाइलैंड और कंबोडिया के विवाद में जिस तरह स्टैंड लेगा, उसपर यह निर्भर करेगा कि हमारे आर्थिक, सामरिक एवं रक्षा संबंधों पर कोई गलत प्रभाव न पड़े।

बिम्सटेक के संस्थापक सदस्यों और बंगाल की खाड़ी की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और थाइलैंड की अग्रणी भूमिका रही है। इंडो पेसिफिक से जुड़ी सुरक्षा, दक्षिण चीन सागर विवाद में दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों की चीन के खिलाफ एकजुटता, हिंद महासागर से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में 'आसियान सेंट्रलिटी' की धारणा को मजबूत बनाए रखने के लिए दक्षिण पूर्वी एशिया में किसी भी प्रकार के विवाद का समाधान जरूरी है। दक्षिणपूर्वी एशिया और पूर्वी एशिया में दुनिया की बड़ी ताकतें कैसे रुचि लेती हैं इसे आसियान, ईस्ट एशिया समिट, एपेक की बैठकों में देखा जा सकता है।

भारत के इस क्षेत्र के साथ आर्थिक हित, सामरिक हित (इंडो पेसिफिक स्ट्रेटजी, एक्ट ईस्ट पालिसी, नेकलेस आफ डायमंड पालिसी) जुड़े हुए हैं। बौद्ध धर्म के स्तर पर भारत थाइलैंड और कंबोडिया दोनों से कनेक्टेड है। मेकांग गंगा कोआपरेशन पहल के जरिए भी भारत इन दोनों देशों से क्षेत्रीय सहयोग के लिए जुड़ा हुआ है। ऐसे में भारत थाइलैंड और कंबोडिया के विवाद का तत्काल शांतिपूर्ण समाधान चाहेगा।

अगर युद्ध में रूस के हथियारों का उपयोग कंबोडिया करेगा तो इस मामले में अमेरिका भी हस्तक्षेप करेगा ही और चीन अपने आर्थिक एवं सामरिक मंसूबों के लिए इन दोनों देशों को ही अलग-अलग स्तर पर डील करने से भी नहीं चूकेगा। चीन और अमेरिका दोनों के इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी हित कायम हैं। कंबोडिया ने 'गल्फ आफ थाइलैंड' के पास चीनी नौसेना को नौसैनिक अड्डे पर 'नेवल एक्सेस' दिया है जो दक्षिण चीन सागर के निकट स्थित है, जहां चीन के अवैध समुद्री दावे विवाद का विषय बने हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ भारत ने नेकलेस आफ डायमंड पालिसी के तहत सिंगापुर के चांगी और इंडोनेशिया के साबंग नौसैनिक अड्डे तक पहुंच को लेकर समझौता किया है। भारत की इस पालिसी में वियतनाम भी शामिल है।

इस विवाद के समाधान के लिए महाशक्तियों की मध्यस्थता आवश्यक है। किसी धार्मिक स्थल को लेकर विवाद उभरने का हश्र कुछ वैसा ही हो सकता है जैसा इजरायल और अरब देश अल अक्सा मस्जिद के संदर्भ में देख चुके हैं। इसलिए इस समस्या के समाधान के लिए सभी संबंधित पक्षों को व्यावहारिक रूप से सोचना और आगे बढ़ना होगा। एक ऐसे समय में जब महामारी, भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की मार पहले से ही राष्ट्रों के सतत विकास को दुष्प्रभावित कर रही है, ऐसे में संकीर्ण लाभों के लिए राजनीतिक सैन्य विवाद उभारना विजन के अभाव का परिचायक है।

हिंद-प्रशांत रणनीति नए सिरे से आगे बढ़ाए भारत

डा. एम. एल. मीणा
विभागाध्यक्ष, भूगोल, हरियाणा केंद्रीय विवि, महेंद्रगढ़

दक्षिणपूर्व एशिया में कंबोडिया-थाइलैंड सीमा विवाद ने एक बार फिर हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीति को परिभाषित करने वाली नाजुक अंतर्धाराओं को उजागर कर दिया है। हालांकि यह टकराव जमीन, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय दावेदारी को लेकर स्थानीय संघर्ष की तरह लग सकता है, लेकिन ऐसे संघर्षों के झटके अक्सर तात्कालिक भूगोल से कहीं आगे तक गूंजते हैं। दक्षिणपूर्व एशिया और व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र से गहरे जुड़ाव वाले एक सभ्यतागत राष्ट्र भारत के लिए कंबोडिया-थाइलैंड गतिरोध एक चेतावनी भी है। वस्तुतः कंबोडिया-थाइलैंड तनाव के मूल में ऐतिहासिक शिकायतों, राष्ट्रीय पहचान की राजनीति और क्षेत्र में कमजोर होते बहुपक्षवाद के कारण उत्पन्न रणनीतिक शून्यता का मिश्रण निहित है। औपनिवेशिक काल की सीमाओं में निहित मंदिर से जुड़ा विवाद केवल एक मानचित्र संबंधी विसंगति नहीं है। यह दर्शाता है कि कैसे विरासत के प्रतीक अक्सर संप्रभुता के युद्धक्षेत्र बन जाते हैं।

कंबोडिया-थाइलैंड विवाद का मूल औपनिवेशिक मानचित्रकला और सांस्कृतिक विरासत पर प्रतिस्पर्धा में निहित है। वस्तुतः वर्ष 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय द्वारा कंबोडिया को प्रदान किया गया प्रीह विहिर मंदिर, ऐतिहासिक रूप से थाइलैंड की ओर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। निकटवर्ती क्षेत्र को लेकर अस्पष्टता दशकों से विवाद का विषय रही है, जिस कारण बार-बार सैन्य झड़पें होती रही हैं। भारत को इसे एक परीक्षण के रूप में देखना चाहिए कि कैसे छोटे-छोटे संघर्ष महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा के केंद्र बन सकते हैं, खासकर जब दक्षिणपूर्व एशियाई देशों पर चीन का साया मंडरा रहा हो। कंबोडिया में बुनियादी ढांचे से लेकर सैन्य प्रशिक्षण तक बीजिंग के बढ़ते निवेश ने उसे बेहिसाब बढ़त दिला दी है। दूसरी ओर, थाइलैंड ने अमेरिकी सुरक्षा क्षेत्र और चीन की आर्थिक उदारता के बीच रणनीतिक हेजिंग के बढ़ते संकेत दिखाए हैं।

भारत की एक्ट ईस्ट नीति और उसकी हिंद-प्रशांत महासागर पहल इसी संदर्भ में बनाई गई थी। यह एक ऐसे दृष्टिकोण का प्रतीक है जहां भारत न केवल एक संयोजक है, बल्कि इस क्षेत्र में एक आदर्श निर्माता भी है। इस संदर्भ में कंबोडिया-थाइलैंड विवाद भारत की विश्वसनीयता के लिए एक चुनौती प्रस्तुत करता है। यह भारत को अपनी नैतिक एवं कूटनीतिक क्षमता को और मजबूत करने का निमंत्रण है। कूटनीति, सांस्कृतिक संवाद मंचों और यहां तक कि आसियान-नेतृत्व वाले मंचों जैसे बहुपक्षीय मंचों के माध्यम से भारत गैर-आधिपत्यवादी स्थिरता की आवाज बनकर उभर सकता है। कंबोडिया और थाइलैंड भारतीय सांस्कृतिक जड़ों और हमारी सौम्य शक्ति एवं ऐतिहासिक संबंधों से बंधे हुए हैं। लिहाजा, ऐसे समय में जब तमाम देशों के बीच भू-सांस्कृतिक कूटनीति बढ़ रही है, भारत अपने प्राचीन संबंधों, बौद्ध विरासत, समुद्री व्यापार विरासत और प्रवासी नेटवर्क के माध्यम का लाभ उठाकर संघर्ष के बजाय संवाद को बढ़ावा देने वाले आख्यानों को सूक्ष्मता से आकार दे सकता है। आखिरकार ऐसे क्षेत्र में जहां मंदिर युद्धक्षेत्रों में बदल जाते हैं, भारत की समन्वयवाद और सभ्यतागत परिपक्वता की आवाज पहले से कहीं अधिक मायने रखती है।

इस घटना से भारतीय रणनीतिकारों को यह याद दिलाना चाहिए कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र केवल एक समुद्री क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह बहुसांस्कृतिक और बहुआयामी है। लिहाजा भारत की रणनीतिक गणना नौसैनिक तैनाती और रक्षा संवादों से आगे बढ़नी चाहिए। कंबोडिया-थाइलैंड विवाद भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति को फिर से सहानुभूतिपूर्ण जुड़ाव, सभ्यतागत एकजुटता और निवारक कूटनीति के रूप में परिभाषित करने का आह्वान है।

खरी-खरी

अग्नि परीक्षा

पूरन सरमा

दुल्हन के प्रवेश के साथ ही दूल्हे की शर्त सुनकर पूरे घर में सन्नाटा छा गया। दूल्हे की मांग थी कि दुल्हन को पहले अग्नि परीक्षा देनी होगी। सारा मोहल्ला दूल्हे की घोषणा से हतप्रभ था। मुझे जानकारी हुई तो हैरानी से अपनी पत्नी का मुंह ताकता रह गया। पत्नी बोली- 'जाओ उसे समझाओ कि यह जिद ठीक नहीं है। बिना बात वह अग्नि परीक्षा क्यों कर देगी? न कोई रावण उसे अपनी लंका में ले गया, न ही उसने कोई गलत कार्य किया है।'

मैंने कहा- 'मेरी समझ में यह नहीं आ रहा कि दूल्हे की ओर से यह मांग उठी क्यों है? सात फेरों के समय उसने जो शपथ लेकर उसकी अर्धांगिनी होना स्वीकारा है, क्या वह पर्याप्त नहीं है।'

'दरअसल दूल्हे का मानना है कि यदि दुल्हन सती-सावित्री है, तो उसे अग्नि परीक्षा में कुछ नहीं होगा।'

'अरे छोड़िए, फालतू बात। आपको भी देनी पड़ जाती मेरे सामने तो अग्नि परीक्षा।'

मैंने कहा- 'यह तो पारस्परिक विश्वास की बात है- वरना यह शर्त तो हम भी लगा सकते थे।'

मैं चुप रहा। दूल्हे के घर पहुंचा तो वह बैठक में परशुरामजी की तरह क्रोध में नाक फुलाए इधर-से-उधर टहल रहा था। मैंने छूटते ही कहा- 'इस जमाने में तुम्हारी यह मांग अनुचित है। यह कलियुग है। दुल्हन का अग्नि में कूदने का मतलब वह अपनी जान से हाथ धो देगी।'

दूल्हे ने कहा, 'मेरा आशय कोई समझ नहीं रहा और बात का बतंगड़ बना रखा है। मैं कहता हूं कि उसे अग्नि परीक्षा देनी होगी। वह इससे इन्कार क्यों करती है?'

मैंने कहा- 'वह इसलिए मना कर रही है, क्योंकि यह गलत परंपरा है। अभी यदि तुम्हारे कहने से उसने परीक्षा दे दी तो उसका अनुत्तीर्ण होना निश्चित है। इसलिए ऐसी कोई जिद मत करो जिससे कानून और व्यवस्था प्रभावित हो।'

'इसमें कानून और व्यवस्था कहां से आ गई,' दूल्हा बोला।

मैंने समझाया, 'जहां तक कूदने की बात है, वह तैयार है, परंतु युग की मान्यताओं को आघात लगता है। सच तो यह है कि दहेज के कारण उसे अग्नि परीक्षा तो देनी ही है, परंतु अभी चार दिनों के लिए तो उसे तुम हृदय से स्वीकार कर स्नेह दो।'

X पोस्ट

कुछ ड्रा भी जीत से कम नहीं होते। शून्य पर दो विकेट गंवाने, 300 से अधिक रनों से पिछड़ने और करीब दो दिनों तक बल्लेबाजी की चुनौती को देखते हुए कुछ ही लोगों को यह उम्मीद रही होगी कि हम मैनचेस्टर टेस्ट बचा सकेंगे।

विक्रम चंद्रा@vikramchandra

हत्या की तस्वीरें वैसे तो विचलित करती हैं, लेकिन धर्म पूछकर गोली मारने वाले आतंकियों का हश्र सबको दिखाना चाहिए। हमारी सेना ढूंढ़-ढूंढ़ कर हिसाब पूरा करती है, यह भी याद रहना चाहिए।

सुशांत सिन्हा@SushantBSinha

अमेरिका में आयातित तमाम वस्तुओं के मामले में वियतनाम ने चीनी वस्तुओं को पीछे छोड़ दिया है। कायदे से चीन प्लस वन की यह रणनीति भारत के लिए एक बहुत बड़ा अवसर थी, लेकिन ऐसी संभावनाएं साकार नहीं हो सकीं।

सदानंद धूमे@dhume

कांग्रेस नेताओं के सोचने का तरीका ही समझ में नहीं आता। अब पी. चिदंबरम कह रहे हैं कि हम ऐसा क्यों मान रहे हैं कि पहलगाम के हत्यारे आतंकी पाकिस्तानी थे?

हर्ष वर्धन त्रिपाठी@MediaHarshVT

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या मनसा देवी हादसा प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है?

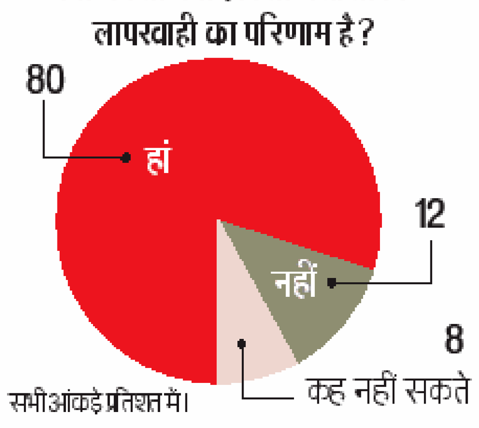

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या पहलगाम में आतंकी हमलावरों से जुड़ा पी. चिदंबरम का बयान कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

जिनसे मिलती ना प्रकृति ना आचार-विचार,
बनते ऐसे लोग ही बीजेपी पर भार।
बीजेपी पर भार चहे हों दादा धनखड़,
चाहे शौरी, शत्रु और सिन्हा की खड़खड़!
रखिए दस पग दूर स्वयं को सदैव उनसे,
मिलता नहीं विचार आपका बिल्कुल जिनसे!!

\- ओमप्रकाश तिवारी

जयकृष्ण वाजपेयी
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बंगाल

बंगाल डायरी

'चौथी जंग' जीतने को ममता ने बनाया 'त्रिकोण'

महिला, मुस्लिम और भाषा। इन तीनों का 'त्रिकोण' बनाकर बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी 2026 की अपनी 'चौथी जंग' जीतने की तैयारी में हैं। महिला-मुस्लिम के इसी समीकरण के बूते तृणमूल सुप्रीमो ने पिछले तीन विधानसभा चुनावों में सफलता हासिल की थी। परंतु, इस बार स्थिति थोड़ी अलग है, क्योंकि एक तो 15 वर्षों का एंटी इनकंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर)। दूसरा- भ्रष्टाचार और तीसरा- बेरोजगारी व कानून-व्यवस्था जैसे अहम ज्वलंत मुद्दे हैं, इसीलिए ममता ने महिला-मुस्लिम के साथ अब बांग्ला भाषा को जोड़ दिया है, ताकि बंगाली भावना और अस्मिता को लेकर एक ऐसा त्रिकोण बनाया जाए, जिससे चौथी बार भी जीत की राह आसान हो जाए।

जीत में किसी तरह का संशय न रह जाए, इसके लिए पिछली बार की तरह इस बार फिर चुनाव पूर्व लोक-लुभावन नई योजनाएं शुरू करने की ममता सरकार ने घोषणा कर दी है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल ने अपने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की सलाह पर 'दुआरे सरकार' यानी 'दरवाजे पर सरकार' योजना शुरू की थी। वर्तमान में भी प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित चुनावी प्रबंधन संस्था 'आइपैक' तृणमूल के लिए काम कर रही है। इस बार ममता दो अगस्त से 'आमादेर पाड़ा, आमादेर समाधान' यानी 'हमारा मोहल्ला, हमारा समाधान' योजना शुरू करने जा रही हैं। तृणमूल सुप्रीमो ने 21 जुलाई को हुई रैली से पार्टी की ओर से विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका था। इसके 24 घंटे बाद ही नई सरकारी योजना की भी घोषणा कर दी। इस योजना का असली मकसद सरकारी सेवाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाना है। इसे लागू करने के लिए तृणमूल के नेता-कार्यकर्ता सरकारी व्यवस्था के समानांतर गांव-गांव जाएंगे। प्रत्येक बूथ के लिए 10-10 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। अधिकारी बूथ स्तर पर जाकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे।

इसी वर्ष ईद के दौरान ममता बनर्जी। फाइल

राज्य में कुल 80 हजार बूथ हैं। इस आंकड़े के साथ इस कार्यक्रम पर राज्य के खजाने से 80 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। हर मोहल्ले की छोटी-बड़ी मांगों को पूरा करने की कोशिश की जाएगी। जैसे सड़कें बनाना, पीने के पानी के नल लगवाना, ग्रामीण इलाकों में छोटे पुलों की मरम्मत, स्कूलों के बुनियादी ढांचे का विकास। सरकार उन सभी को पूरा करने का प्रयास करेगी। तृणमूल नेताओं का कहना है कि जब एक ही पार्टी लगातार 15 वर्षों से सरकार चलाती है, तो एंटी इनकंबेंसी होना स्वाभाविक है। यह भी स्वाभाविक है कि विपक्ष इसका इस्तेमाल करना चाहेगा। ऐसे में अगर सरकार गांवों, मोहल्ले तक पहुंचती है तो स्थानीय स्तर पर आक्रोश भी शांत होगा। यह कार्यक्रम इसी दृष्टिकोण से लाया गया है। आमतौर पर लोगों का यह सोच होता है कि अगर उन्हें कोई समस्या है तो उन्हें प्रशासन के पास जाना होगा। इस बार वे देखेंगे कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उन तक पहुंच रही है।

तृणमूल की 21 जुलाई की रैली में मुसलमानों और महिलाओं की उपस्थिति गौर करने लायक थी। ममता के जन समर्थन का मुख्य आधार महिला-मुस्लिम ही रहे हैं। इसे देखकर तृणमूल थोड़ी आश्वस्त है। ममता ने 21 जुलाई के मंच से एक और भाषा आंदोलन का आह्वान किया था। दरअसल तृणमूल के अग्रिम पंक्ति के नेता 'भीड़ की भाषा' पढ़ना चाहते थे। सत्तारूढ़ दल उस भीड़ को पिछले लोकसभा चुनावों के आलोक में आगामी विधानसभा चुनाव के आधार के रूप में इस्तेमाल करना चाहता है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में देखा गया कि भाजपा ने कई शहरी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तृणमूल को गांवों में विशेष समर्थन मिला। लोकसभा चुनाव ने साफ कर दिया था कि मुस्लिम और महिला वोट ममता के साथ हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जिस तरह से ममता बनर्जी ने बांग्लाभाषी और भाषा आंदोलन शुरू किया है, उससे साफ हो गया है कि बाकी सभी मुद्दों को वह गौण करना चाहती हैं। उन्होंने जिस तरह से कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की मतगणना तक भाषा आंदोलन जारी रहेगा, उससे साफ हो गया है कि उन्होंने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया है। बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ देश के अन्य राज्यों में कार्रवाई हो रही है, उसमें जो मुस्लिम हैं, उन्हें बांग्लाभाषी बताना एक रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि बांग्लादेश में भी बांग्ला ही बोली जाती है। इससे यहां के मुस्लिम वोटरों को एकजुट रखने में मदद मिलेगी, वहीं महिलाओं को हर माह एक हजार से 1,200 रुपये देने की 'लक्ष्मी भंडार' और 'कन्याश्री' जैसी नकदी बांटने की योजनाएं चलाई जा रही हैं। वहीं भाजपा बंगाल में हिंदुओं को एकजुट करने की कोशिश में है। तृणमूल इसे रोकने के लिए जवाबी रणनीति बना रही है। ममता सरकार मुसलमानों और महिलाओं का समर्थन मजबूत करते हुए बंगाली अस्मिता के साथ-साथ विकास के हथियार से ध्रुवीकरण को कुंद करना चाहती है। दीघा में जगन्नाथ मंदिर के निर्माण के बाद ममता ने 'दुर्गा आंगन' (देवी दुर्गा का मंदिर) बनवाने की भी घोषणा की है। यही नहीं, 31 जुलाई को ममता ने दुर्गापूजा कमेटियों की बैठक भी बुलाई है, जिसमें वह सरकार की ओर से पूजा आयोजकों को दी वाली 85-85 हजार रुपये की अनुदान राशि को बढ़ाकर एक लाख रुपये करने की घोषणा कर सकती हैं। इन कवायदों और महिला-मुस्लिम-भाषा के 'त्रिकोण' से ममता अपनी चौथी जंग जीत पाती है या नहीं, यह आगामी वर्ष पता चलेगा।

मंथन

ऋषभ मिश्र
असिस्टेंट प्रोफेसर, कानपुर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, कानपुर

दुनिया पर छाने को तैयार रोबोट

अनेक विधाओं में रोबोट के उपयोग को संभव बनाते हुए तमाम देश इनकी संख्या को निरंतर बढ़ा रहे हैं। भारत समेत समूचे विश्व में इस मद में बड़ी रकम खर्च करने की तैयारी है

प्रतीकात्मक

मेडिकल सर्जरी में एआइ नियंत्रित रोबोट्स तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने हाल ही में दावा किया है कि अगले पांच वर्षों में रोबोट सर्वश्रेष्ठ सर्जनों से भी बेहतर हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा उपकरण कंपनी 'मेडट्रानिक' के 'ह्यूगो' रोबोट को इंटरनेट मीडिया पर दिखाया गया था। ह्यूगो रोबोट का हाल ही में सौ से अधिक सर्जरियों में सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है। हो सकता है कि मेडिकल क्षेत्र में रोबोट्स का पूर्णकालिक उपयोग अभी दूर की कौड़ी हो, फिर भी मस्क के दावे को गलत नहीं कहा जा सकता। पिछले कुछ वर्षों में दुनियाभर में रोबोट्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है और अनेक देश इस पर अरबों डालर का निवेश भी कर रहे हैं।

भविष्य में रोबोटिक्स के महत्व को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के अंतरिक्ष संस्थान नासा ने इसके लिए दो अरब डालर का वार्षिक बजट रखा है। इसमें से 30 प्रतिशत हिस्सा स्पेस रोबोटिक्स के लिए है। अमेरिका के रक्षा विभाग ने रोबोटिक्स के लिए 10 अरब डालर का बजट रखा है। हुंडई ने 'ह्यूमोनाइड' रोबोट्स का विकास करने के लिए 1.1 अरब डालर में बोस्टन डायनामिक्स का अधिग्रहण किया है। वर्ल्ड रोबोटिक्स के अनुसार, अमेरिका में कुल मिलाकर इस पर 45 अरब डालर का निवेश हो रहा है। चीन में भी 50 अरब डालर का ग्लोबल रोबोटिक्स इनोवेशन फंड बनाया गया है। अगली पीढ़ी के रोबोट्स तैयार करने के लिए चीन की सरकार 'स्पेशल इनोवेशन हब' में 15 अरब डालर का निवेश करने की योजना बना रही है। हालांकि निजी क्षेत्रों में हो रहे निवेश की तो कोई गणना ही नहीं है।

इसी प्रकार जापान का 'सोसाइटी 5.0' एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, जिसमें रोबोट्स के जरिए सामाजिक चुनौतियों को हल करने के लिए अगले 10 साल में 100 अरब डालर खर्च करने की योजना है। जापान के टोयोटा रोबोट रिसर्च इंस्टीट्यूट ने ह्यूमोनाइड रोबोट्स व सहायक प्रौद्योगिकी के लिए एक अरब डालर का निवेश किया है। यूरोप ने भी रोबोटिक्स रिसर्च पर 108 अरब डालर खर्च किया है। 'ईयू हारिजन यूरोप' के तहत 2021-27 के बीच रोबोटिक्स व एआइ रिसर्च के लिए 108 अरब डालर का बजट रखा गया है। वहीं रोबोटिक्स रिसर्च के लिए यूरोपीय यूनियन 80 करोड़ डालर का निवेश कर रहा है।

उपयोग में निरंतर वृद्धि : औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन प्रक्रियाओं में एआइ संचालित रोबोट्स का उपयोग निरंतर बढ़ रहा है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 'थ्री-डी प्रिंटिंग' रोबोट्स के साथ ही सर्विस क्षेत्र में भी इनकी मांग बढ़ रही है। कुल रोबोट्स में से 18 प्रतिशत सर्विस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इनमें अधिकांश रोबोट्स होटलों व रेस्टोरेंट्स में खाना 'सर्व' करने व सफाई जैसे कार्यों में लगे हैं। तो वहीं बुजुर्गों की देखभाल और कृषि के क्षेत्र में भी इसका उपयोग बढ़ रहा है। खासकर उन देशों में जहां खेती ज्यादा है और श्रमिक कम, वहां ये काफी उपयोगी हो सकते हैं। ऐसे क्षेत्रों में ड्रोन और रोबोट के माध्यम से फसलों की निगरानी की जा रही है।

वहीं यदि रोबोटिक्स में भारत के योगदान की बात करें तो इंटरनेशनल फेडरेशन आफ रोबोटिक्स की वर्ल्ड रोबोटिक्स रिपोर्ट के अनुसार, भारत में साल 2023 में 8,510 नए रोबोट 'इंस्टाल' हुए जो एक साल पहले की तुलना में 59 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। भारत अब रोबोट इंस्टालेशन में दुनिया में सातवें नंबर पर आ गया है। सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआइ) योजना भी इस क्षेत्र में निवेशकों को प्रोत्साहित कर रही है। भारत में इस समय निजी क्षेत्र में लगभग 21 कंपनियां काम कर रही हैं। इनमें डिफैक्टोरोबाटिक्स और सिस्टेमैंटिक्स जैसे उभरते स्टार्टअप्स से लेकर कई स्थापित कंपनियां शामिल हैं।

भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थान भी रोबोटिक्स पर काम कर रहे हैं। आइआइटी मद्रास ने 'ग्रिपर' रोबोट और स्मार्ट प्रोस्थेटिक्स का विकास किया है। आइआइटी कानपुर रोबोटिक्स रिसर्च सेंटर पर काम कर रहा है। ट्रिपल आइटी हैदराबाद कृषि में आटोमेशन के लिए ड्रोन और रोबोट्स का विकास कर रहा है। भारत सरकार ने 'नेशनल स्ट्रैटेजी आन रोबोटिक्स' का मसौदा जारी किया है। इसका उद्देश्य देश को 2030 तक रोबोटिक्स में लीडर बनाने के लिए प्रयास करना है।

दक्षिण कोरिया वर्ल्ड रोबोटिक्स के अनुसार, दक्षिण कोरिया 10 हजार कर्मचारियों (प्रति) पर एक हजार औद्योगिक रोबोट्स के साथ दुनिया में सबसे अधिक रोबोट घनत्व वाला देश है। वैश्विक औद्योगिक रोबोट के मामले में 45 प्रतिशत आपूर्ति जापान से हुई है। तो वहीं गोल्डमैन सैक्स के अनुसार, ह्युमनोइड रोबोट का मार्केट वर्ष 2035 तक 38 अरब डालर का हो जाएगा, इससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि भविष्य में रोबोट्स के बढ़ते प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

****

अदाणी ग्रीन एनर्जी को 824 करोड़ रुपये का लाभ

नई दिल्ली: अदाणी ग्रीन एनर्जी ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) में उसका शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत बढ़कर 824 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वर्ष समान अवधि में कंपनी को 629 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। बीती तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 4,006 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 3,112 करोड़ रुपये थी। (प्रेट्र)

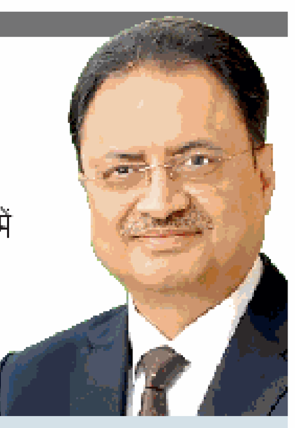

कृषि और खुदरा लोन वितरण पर ध्यान केंद्रित करना अप्रैल-जून में 485 करोड़ रुपये का रिकार्ड लाभ दर्ज करने में मददगार साबित हुआ है।
— अमिताव चटर्जी, सीईओ, जम्मू एंड कश्मीर बैंक

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना प्रति दस ग्राम	चांदी प्रति किलोग्राम	डालर	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल
80,891.02	24,680.90	₹ 98,020	₹1,13,000	₹86.70	$69.05
▼ 572.07	▼ 156.10	▼ ₹500	▼ ₹1,000	▲ ₹0.18	

एक नजर में

एक वर्ष में 10.7 प्रतिशत बढ़ा डिजिटल भुगतान

मुंबई: बीते एक वर्ष के दौरान देश में डिजिटल भुगतान में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है। आरबीआइ के अनुसार, मार्च 2025 के अंत में डिजिटल पेमेंट इंडेक्स 493.22 रहा है। मार्च 2024 के अंत में यह इंडेक्स 445.5 था। आरबीआइ के अनुसार, इस इंडेक्स में यह बढ़ोतरी पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर, आपूर्ति पक्ष के कारकों और भुगतान प्रदर्शन जैसे मापदंडों में उल्लेखनीय वृद्धि से हुई है। (प्रेट्र)

गेल के शुद्ध लाभ में 30 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस निर्माता कंपनी गेल ने सोमवार को बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत घटकर 1,886.34 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वर्ष समान अवधि में कंपनी को 2,723.98 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कंपनी ने बताया कि पेट्रोकेमिकल कारोबार में नुकसान और गैस वितरण मार्जिन में कमी से शुद्ध लाभ घटा है। (प्रेट्र)

सेटकाम स्पेक्ट्रम आवंटन नियम दो माह में आएंगे

नई दिल्ली: सेटकाम संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन नियम दो महीने में आ सकता है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि नियम बनाने का कार्य अंतिम चरण हैं। यह एलन मस्क के नेतृत्व वाली स्टारलिंक, भारती समूह समर्थित यूटेलसैट वनवेब और जियो एसईएस को रेडियोवेव के लिए आवेदन करने और सेवाएं शुरू करने में सक्षम बनाएंगे। (प्रेट्र)

10 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी अल्ट्राटेक

नई दिल्ली: सीमेंट निर्माता अल्ट्राटेक ने चालू वित्त वर्ष में करीब सात प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद जताई है। इसके लिए कंपनी चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान निवेश के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया है। इस निवेश से क्षमता विस्तार के साथ ऊर्जा और दक्षता पहल भी शुरू की जाएंगी। (प्रेट्र)

पांच साल में 50 प्रतिशत बढ़ेगा कृषि निर्यात

ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते से वर्ष 2030 तक 1.5 अरब डालर हो जाएगा भारत का कृषि निर्यात

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : वाणिज्य मंत्रालय का अनुमान है कि भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौते से कृषि उत्पाद और प्रोसेस्ड फूड्स के निर्यात में वर्ष 2030 तक 30-50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। ब्रिटेन के बाजार में भारतीय कृषि उत्पादों के निर्यात में विगत दो वर्षों में 20 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हुआ है और पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में यह निर्यात 98 करोड़ डालर तक पहुंच गया है।

ब्रिटेन के साथ होने वाले व्यापार समझौते पर एक साल के बाद अमल होगा और वर्ष 2030 तक भारत का कृषि निर्यात ब्रिटेन के बाजार में 1.5 अरब डालर तक पहुंचने की उम्मीद है। अभी ब्रिटेन के बाजार में भारतीय कृषि उत्पादों पर दो प्रतिशत से लेकर 14 प्रतिशत का शुल्क लगता है। अब यह शुल्क शून्य हो जाएगा, जिससे भारतीय कृषि उत्पाद चीन, वियतनाम, ब्राजील, पेरू, मिस्त्र जैसे देशों के उत्पादों से आसानी से मुकाबला कर सकेंगे। हालांकि निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज करने के रास्ते में कई चुनौतियां भी हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन काम करने वाले कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक पहली चुनौती यह है कि सब्जी के साथ आम, लीची, अंगूर व अन्य फलों को किस प्रकार अधिक दिनों तक खाने के लायक रखा जा सके। अधिक समय तक इन्हें खाने लायक रखने पर ही सब्जी और फल का निर्यात अधिक मात्रा में संभव हो सकेगा। दूसरी चुनौती यह है कि बिहार, उत्तर प्रदेश जैसी जगहों से कृषि उत्पाद के निर्यात की बड़ी संभावना तो है, लेकिन इन जगहों से सीधे तौर पर निर्यात करने की सुविधा नहीं है। वहां से पहले मुंबई या कोलकाता तक माल भेजना पड़ता है। इसलिए लागत अधिक हो जाती है। एपीडा की कोशिश है कि अगले साल तक बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से सीधे तौर पर हवाई मार्ग से निर्यात करने की सुविधा विकसित हो जाए। ताकि बिहार से मखाना, लीची और आम तो पूर्वी उत्तर प्रदेश से विभिन्न सब्जी और फल का निर्यात ब्रिटेन में किया जा सके। इससे उनकी लागत कम हो जाएगी और तभी उन्हें फायदा होगा। फलों को एक माह तक रखने की तकनीक विकसित की जा रही है।

- फल और सब्जी को लंबे समय तक रखने और निर्यात लागत की चुनौतियां कायम
- अभी ब्रिटेन में भारतीय उत्पादों पर दो से लेकर 14 प्रतिशत तक लगता है शुल्क

ब्रिटेन में इन कृषि उत्पादों के निर्यात में अधिक बढ़ोतरी की संभावना और वर्तमान शुल्क

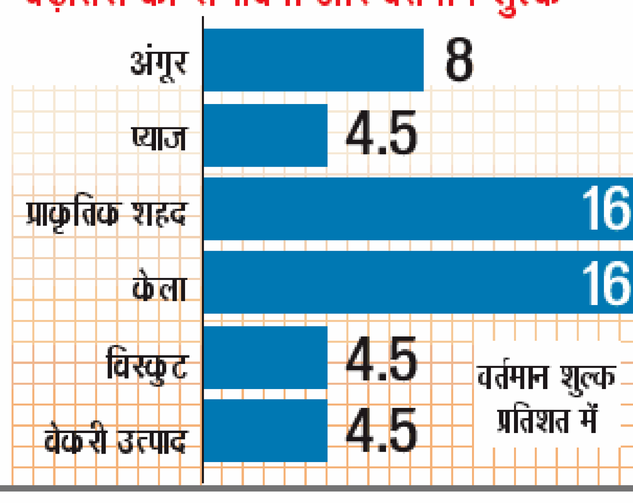

किसानों को कीटनाशकों के सही छिड़काव का दिया जा रहा प्रशिक्षण

एपीडा के मुताबिक भारतीय किसानों की तरफ से बासमती चावल के उत्पादन में इस्तेमाल किए जाने वाले कीटनाशक दवा को लेकर भी यूरोप के देश चिंता जाहिर करते रहते हैं। इसलिए किसानों को कीटनाशक दवा के छिड़काव में ड्रोन के इस्तेमाल और मात्रा की सही समझ का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों को समाप्त करने के लिए एक साल का समय है और इस दिशा में काम शुरू हो रहा है।

विकास दर बढ़ने और जोखिम बरकरार रहने का अनुमान

वित्त मंत्रालय ने मासिक रिपोर्ट में कहा- व्यापार शुल्क पर ट्रंप के रवैये को देखते हुए भारत का निर्यात प्रभावित होने की आशंका

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : वित्त मंत्रालय का मानना है कि घरेलू मांग में मजबूती, महंगाई में नरमी का रुख और बेहतर मानसून की मदद से चालू वित्त वर्ष 2025-26 में विकास दर में बढ़ोतरी पहले की तरह जारी रहेगी। हालांकि, दूसरी तरफ वर्ष 2025 की पहली तिमाही में अमेरिका में विकास दर की धीमी रफ्तार और व्यापार शुल्क पर ट्रंप के ढुलमुल रवैये को देखते हुए भारत का निर्यात प्रभावित होने की आशंका है। विभिन्न वित्तीय एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.2-6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इस रफ्तार से विकास होने पर चालू वित्त वर्ष में भी भारत की वृद्धि दर दुनिया में सबसे अधिक रहेगी।

सोमवार को जारी वित्त मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू स्तर पर मांग में मजबूती कायम है और मानसून के बेहतर होने से खरीफ के दौरान भी रिकार्ड उत्पादन की उम्मीद है। इससे आने वाले समय में ग्रामीण मांग में मजबूती बनी रहेगी। नाबार्ड ने अपने सर्वे में कहा है कि ग्रामीण इलाके के 74 प्रतिशत परिवारों को आने वाले महीनों में अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद है। गत जून माह में मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआइ अपने 14 माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिससे रोजगार को समर्थन मिलेगा। सर्विस सेक्टर का प्रदर्शन बेहतर दिख रहा है। इसके बावजूद व्यापार शुल्क को लेकर पूरी दुनिया के प्रति अमेरिका के रुख को देखते हुए एक अनिश्चतता की स्थिति है।

प्रेट्र के अनुसार, वित्त मंत्रालय का कहना है कि यदि महंगाई आरबीआइ की निर्धारित सीमा चार प्रतिशत से नीचे रह सकती है तो रेपो रेट में और कटौती की गुंजाइश है। महंगाई दर पांच साल के न्यूनतम स्तर पर है।

औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर जून में घटी

नई दिल्ली, प्रेट्र: खनन और बिजली क्षेत्र के खराब प्रदर्शन के चलते जून में भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घटकर 10 महीने के निचले स्तर 1.5 प्रतिशत रह गई। महीने के दूसरे पखवाड़े में अत्यधिक बारिश से खनन और बिजली क्षेत्र विशेष रूप से प्रभावित हुए। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) के आधार पर मापा जाने वाला कारखाना उत्पादन जून, 2024 में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मई के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर को संशोधित कर 1.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पिछले महीने 1.2 प्रतिशत का अनुमान लगाया गया था। इससे पहले अगस्त, 2024 में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर स्थिर रही थी।

मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि जून में मामूली बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.5 प्रतिशत थी।

लगातार तीसरे दिन गिरकर दो माह के निचले स्तर पर बाजार

मुंबई, प्रेट्र: कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली, विदेशी निवेश की निकासी और अमेरिका-भारत व्यापार सौदे की अनिश्चितता के कारण घरेलू शेयर बाजार सोमवार को दो महीने के निचले स्तर पर जाकर बंद हुए। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 572.07 अंक की गिरावट के साथ 80,891.02 अंक पर बंद हुआ। यह इसका चार जून के बाद का सबसे निचला स्तर है। दिनभर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 686.65 अंक की गिरावट रही थी। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 156.10 अंक गिरकर 24,680.90 पर बंद हुआ।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि निराशाजनक तिमाही परिणाम और विदेशी निवेशकों की निरंतर बिकवाली ने शेयर बाजारों को नीचे खींचा है। खराब तिमाही नतीजों के कारण सेंसेक्स में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.31 प्रतिशत की गिरावट रही है। अप्रैल-जून 2025 में बैंक का शुद्ध लाभ 4,472 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 7,448 करोड़ रुपये था। इसके अलावा बजाज फाइनेंस में 3.64 प्रतिशत, भारती एयरटेल में 2.35 प्रतिशत और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में 1.76 प्रतिशत की गिरावट रही है।

572 अंक की गिरावट के साथ 80,891 पर आया सेंसेक्स, भारत-अमेरिका के बीच व्यापार सौदे पर अनिश्चितता का असर

सिर्फ 20 लाख कनेक्शन दे सकती है स्टारलिंक

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क के नेतृत्व वाली उपग्रह संचार सेवा प्रदाता कंपनी स्टारलिंक भारत में केवल 20 लाख कनेक्शन दे सकती है। उन्होंने स्टारलिंक से सरकारी कंपनी बीएसएनएल और दूसरी दूरसंचार कंपनियों को होने वाले खतरे को खारिज किया।

बीएसएनएल की समीक्षा बैठक में राज्यमंत्री ने कहा कि स्टारलिंक भारत में केवल 200 एमबीपीएस तक की स्पीड प्रदान कर सकती है। इससे दूरसंचार सेवाओं पर असर नहीं पड़ेगा। दरअसल, सेटकाम सेवाएं ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों को ध्यान में रखकर शुरू की जा रही हैं। खास बात यह है कि इन जगहों पर बीएसएनएल काफी मजबूत है। मंत्री ने कहा कि बीएसएनएल की 4जी सेवा शुरू करने का काम पूरा हो चुका है। अभी टैरिफ बढ़ाने की योजना नहीं है।

टीसीएस में छंटनी पर आइटी मंत्रालय की नजर

नई दिल्ली, प्रेट्र: सूचना-प्रौद्योगिकी (आइटी) मंत्रालय टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी के फैसले के बाद घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहा है। सूत्रों ने बताया कि आइटी मंत्रालय पूरी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और सूचना-प्रौद्योगिकी कंपनी के संपर्क में है। मंत्रालय का यह रुख इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत की सबसे बड़ी सूचना-प्रौद्योगिकी कंपनी ने इस साल 12,261 कर्मचारियों या अपने वैश्विक कार्यबल के दो प्रतिशत की छंटनी करने वाली है। इसका ज्यादातर असर मध्यम और वरिष्ठ कर्मचारियों पर पड़ेगा। 30 जून, 2025 तक, टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 6,13,069 थी। अप्रैल-जून तिमाही में इसने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की वृद्धि की।

टीसीएस ने रविवार को एक बयान में कहा कि यह कदम कंपनी को 'भविष्य के लिए तैयार संगठन' बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो प्रौद्योगिकी, एआइ के प्रयोग, बाजार विस्तार और कार्यबल पुनर्गठन में निवेश पर केंद्रित है। वह प्रभावित कर्मचारियों को उचित लाभ, आउटप्लेसमेंट, परामर्श और सहायता प्रदान करेगी। टीसीएस का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 1.3 प्रतिशत बढ़कर 63,437 करोड़ रुपये और लाभ 5.9 प्रतिशत बढ़कर 12,760 करोड़ रुपये रहा है। टीसीएस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. कृतिवासन ने हाल ही में कहा था कि व्यापक आर्थिक और भू-राजनीतिक मोर्चों पर जारी अनिश्चितताओं के कारण कंपनी 'मांग में कमी' का सामना कर रही है। तकनीकी उद्योग में छंटनी पर नजर रखने वाले प्लेटफार्म Layoffs.fyi के अनुसार, अकेले 2025 में 169 तकनीकी कंपनियों ने 80,000 से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला है।

उधर, आइटी कर्मचारियों के संगठन ने श्रम मंत्री को पत्र लिखकर टीसीएस की इस छंटनी को अनैतिक बताया है और हजारों घरों की आजीविका प्रभावित होगी।

- इस साल 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करेगी देश की सबसे बड़ी सूचना-प्रौद्योगिकी कंपनी
- छंटनी से सबसे अधिक मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारी प्रभावित होंगे

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

राष्ट्रीय फलक

पंचायत की भूमि पर बनी मस्जिद पर समिति ने चलवाया बुलडोजर

जागरण संवाददाता, कुशीनगर

- कुशीनगर में तहसीलदार कोर्ट के आदेश पर दो घंटे चली कार्रवाई
- प्रशासन ने मलबा हटवाकर अतिक्रमण मुक्त कराकर कब्जा लिया

तरयासुजान में पंचायत की भूमि पर अवैध रूप से बनी मस्जिद व ईदगाह को मस्जिद समिति ने सोमवार को बुलडोजर मंगा कर ढहा दिया। प्रशासन ने उसी बुलडोजर से मलबा हटवाकर जगह को अतिक्रमणमुक्त कराकर कब्जा लिया। दो घंटे तक चली कार्रवाई में प्रशासनिक अफसर व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

डेढ़ दशक पूर्व ड़हिया चिंतामन में गांव के तत्कालीन प्रधान इस्लाम अंसारी ने ग्राम पंचायत की भूमि पर ईदगाह और मस्जिद का निर्माण कराया था। गांव के अरविंद किशोर शाही ने सरकारी भूमि पर कराए गए निर्माण को अवैध बताते हुए तीन माह पूर्व जिलाधिकारी के यहां शिकायत की। राजस्व अभिलेखों की जांच में शिकायत की पुष्टि होने पर तहसीलदार न्यायालय ने ग्राम पंचायत की भूमि पर निर्मित ईदगाह व मस्जिद को 15 दिन में हटाने का आदेश दिया। निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी अवैध निर्माण नहीं हटाया गया तो शिकायतकर्ता ने पुनः शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। इसका संज्ञान लेते हुए एसडीएम आकांक्षा मिश्रा सोमवार दोपहर एक बजे पुलिस व राजस्व टीम के साथ गांव गड़हिया चिंतामन में पहुंचीं।

गड़हिया चिंतामन गांव में सरकारी भूमि से अवैध निर्माण हटाता बुलडोजर। जागरण

बैंक लाकर से 50 लाख के गहने गायब, प्रबंधन पर केस

नईदुनिया प्रतिनिधि, भिलाई : छत्तीसगढ़ के भिलाई में बैंक आफ बड़ौदा के लाकर से 50 लाख रुपये के गहने गायब होने के मामले में बैंक प्रबंधन के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

इंदिरा प्लेस स्थित शाखा में एक ग्राहक का सोना रहस्यमय तरीके से लाकर से गायब हो गया। पीड़ित दरोगा सिंह ने बताया कि 1991 से लाकर संख्या 697 में उनका 40 तोला सोना रखा था। लाकर रूम में सीपेज की समस्या के बाद बैंक प्रबंधन ने उन्हें अस्थाई लाकर नंबर 547 दिया। इस लाकर में सोना बैंक प्रबंधन द्वारा ही स्थानांतरित किया गया था। 22 अप्रैल 2025 को जब दरोगा सिंह ने अस्थाई लाकर खोला तो दो पोटलियां गायब थीं। बैंक ने आरोप लगाया कि दरोगा ने अपनी बेटी के साथ लाकर का संचालन किया, लेकिन पुलिस जांच में यह दावा खारिज हो गया।

नवोदय विद्यालय में गर्मी में बंद पंखे और कच्ची रोटी से गुस्साए छात्रों ने लगाया जाम

जागरण संवाददाता, हाथरस

- हाथरस में विद्यालय में अव्यवस्थाओं पर रोष, तीन घंटे तक प्रदर्शन
- सप्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन पर शांत हुए विद्यार्थी

भीषण गर्मी में पंखे बंद हैं। कच्ची रोटी दी जा रही है। इसके अलावा भी तमाम अव्यवस्थाओं से गुस्साए नवोदय विद्यालय के विद्यार्थी सोमवार को सड़क पर उतर आए। मथुरा-बरेली राजमार्ग पर जाम लगा दिया। पुलिस के हटाने के बाद हाइवे किनारे मंदिर परिसर में धरने पर बैठ गए। उन्होंने विद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तीन घंटे तक प्रदर्शन किया।

जवाहर नवोदय आवासीय विद्यालय के कक्षा छह से 12वीं तक के छात्रों ने सुबह आठ बजे कालेज से बाहर हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने समझा-बुझाकर जाम खुलवा दिया। इसके बाद छात्र पास के ही मंदिर के बाहर धरने पर बैठ गए। उनका कहना था कि कच्ची रोटियां दी जाती हैं। इससे छात्र बीमार हो रहे हैं। मैदान में घास व झाड़ियां अधिक होने से जहरीले कीड़े-सांप आवासीय कमरों व कक्षों में घुस जाते हैं। हादसे का डर बना रहता है। दो साल से नई ड्रेस नहीं दी गई है। खेलकूद के उपकरण भी नहीं मिलते हैं। सफाई भी बदहाल है। हास्टल के पंखे खराब पड़े हैं। गर्मी में बुरा हाल है। शिकायतों के बाद भी सुनवाई नहीं होती है। उप जिलाधिकारी धर्मेंद्र सिंह चौहान के समझाने पर भी छात्र नहीं माने।

हाथरस में धरने पर बैठे जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र। जागरण

गरीबी के कारण 28 दिन की बेटी को 20 हजार में बेचा

जागरण संवाददाता, संबलपुर : ओडिशा के बलांगीर जिले के एक दंपती ने अपनी 28 दिन की दुधमुंही बच्ची को 20 हजार रुपए में बेच डाला। हालांकि, मामला सामने आने के बाद पुलिस ने बच्ची को बरगढ़ जिला के पाइकमाल क्षेत्र से एक दंपती के पास से सोमवार को बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में एक बिचौलिये को गिरफ्तार किया है। बिचौलिये के साथ-साथ बच्ची के पिता व नवजात को खरीदने वाले दंपती से पुलिस इस मामले में पूछताछ कर रही है।

कुछ वर्ष पूर्व घरेलू विवाद के बाद पत्नी द्वारा घर छोड़कर चले जाने के बाद नील ने कनक रणा नामक महिला से दूसरा विवाह कर लिया। इस दंपती को पहले से ही एक बच्ची है। लगभग एक महीने पूर्व कनक ने फिर एक बच्ची को जन्म दिया। गरीबी से परेशान इस दंपती को इसी बीच एक बिचौलिये ने नवजात को बेचने की सलाह दी।

तमिलनाडु में दलित आइटी पेशेवर की उसकी प्रेमिका के भाई ने की हत्या

चेन्नई, आइएएनएस: तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में झूठी शान के लिए हत्या का एक मामला सामने आया है। पलायमकोट्टई इलाके 26 वर्षीय दलित आइटी पेशेवर की दिनदहाड़े बेरहमी से हत्या कर दी गई। कविन कुमार की हत्या उसकी प्रेमिका के छोटे भाई ने की। इस घटना से लोगों में आक्रोश फैल गया है। पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की प्रेमिका के भाई सुरजीत को गिरफ्तार कर लिया गया। युवती के माता-पिता पुलिस अधिकारी हैं। कविन कुमार चेन्नई में एक प्राइवेट आइटी फर्म में काम करते थे। वर्षों पहले अपने गांव के पास एक स्कूल में पढ़ते समय उनकी मुलाकात एक सहपाठी से हुई और उन्हें उससे प्यार हो गया। युवती राज्य पुलिस की मणिमुथारू बटालियन में सबइंस्पेक्टर सरवनन और कृष्णकुमारी की बेटी है। परिवार वर्तमान में पलायमकोट्टई के केटीसी नगर में रहता है।

'अपराध की गंभीरता ही किशोर की जमानत रद करने का आधार नहीं'

विधि संवाददाता, जागरण • प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि केवल अपराध की गंभीरता किसी आरोपित किशोर की जमानत अर्जी खारिज करने का आधार नहीं हो सकती है। आरोपित किशोर की जमानत तीन आधारों पर निरस्त की जा सकती है। पहला- छूटने के बाद वह अपराधी से मिल सकता है। दूसरा- रिहाई से उसको नैतिक, शारीरिक व मानसिक खतरा हो। तीसरा- रिहाई न्याय हित के खिलाफ हो। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा, अधीनस्थ अदालत ने मनमाने निष्कर्ष के आधार पर जमानत देने से इन्कार किया है। कोर्ट ने 20 हजार मुचलके व दो प्रतिभूति पर रिहाई का आदेश दिया है।

हाई कोर्ट ने किशोर न्याय बोर्ड के 13 मार्च 2024 और स्पेशल जज (पाक्सो एक्ट), आजमगढ़ के 23 मई 2024 को पारित उस आदेश को रद कर दिया है जिसमें जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। आजमगढ़ कोतवाली थाने में आरोपित के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366, 376, 328, 506 और पाक्सो एक्ट की धारा 3/4(2) के तहत मामला दर्ज है।

पुनरीक्षणकर्ता के वकील जनार्दन यादव और उपेंद्र कुमार राय ने दलील दी कि कथित घटना की तारीख को आरोपित की उम्र 13 साल, आठ महीने और 22 दिन थी। उसे झूठा फंसाया गया है। उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और मुकदमा जल्दी समाप्त होने की कोई उम्मीद नहीं है। जुवेनाइल जस्टिस (केयर एंड प्रोटेक्शन आफ चिल्ड्रन) एक्ट 2000 की धारा 12 के तहत जमानत से इन्कार करने के लिए कोई भी आधार उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार के वकील ने आपराधिक पुनरीक्षण याचिका का यह कहते हुए विरोध किया कि घटना सत्य है और यह कहना गलत है कि जुवेनाइल के खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे या प्रेरित हैं।

मुस्लिम शिक्षक ने गाय के साथ किया दुष्कृत्य

नईदुनिया प्रतिनिधि, राजगढ़ : मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के सारंगपुर में शासकीय कन्या विद्यालय में पदस्थ शिक्षक रशीद ने गाय के साथ दुष्कृत्य किया। यह घृणित अपराध सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गया। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित होने के बाद हिंदूवादी संगठनों ने धरना दिया। हरकत में आई पुलिस ने रविवार देर रात आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने शहर में उसका पैदल जुलूस भी निकाला। पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के अनुसार आरोपित का प्रसारित वीडियो 25 जुलाई का है।

वीडियो में वह सुबह पांच-छह बजे के बीच सड़क किनारे बैठी गाय के साथ दुष्कृत्य करते दिख रहा है। उसके खिलाफ धार्मिक भावना आहत करने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इधर अंजुमन कमेटी सदर ने शिक्षक का समाज से बहिष्कार करने की घोषणा की है।

****

इमरजेंसी वार्ड में सोते रहे डाक्टर, घायल ने तड़प-तड़पकर दम तोड़ा

जागरण संवाददाता, मेरठ

मेरठ में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 30 वर्षीय सुनील को पुलिस ने रविवार रात 12.30 बजे इमरजेंसी वार्ड में गंभीर हालत में भर्ती कराया था, जहां उसका खून बहता रहा और डाक्टर नींद में डूबे थे। डाक्टरों को जगाने का प्रयास किया तो वे अभद्रता पर उतर गए। ड्यूटी इंचार्ज डा. शशांक भी मौके पर नहीं थे। स्वजन ने इमरजेंसी वार्ड में सोते हुए डाक्टरों का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। मरीज की तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

इमरजेंसी वार्ड में रात में हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. शशांक जिंदल व सीनियर रेजिडेंट डा. कृष्णा आनकाल ड्यूटी पर थे। जूनियर डाक्टर भूपेश कुमार राय और अनिकेत भी ड्यूटी पर थे। स्वजन घायल सुनील के हाथ-पैर पर पट्टी करने और घाव की सफाई करने की गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। स्वजन ने प्लास्टर रूम में कुर्सी पर सो रहे जूनियर डाक्टर का वीडियो बना लिया। यह देख दूसरे जूनियर डाक्टर आ गए। उनसे ड्रिप ठीक से चढ़ाने के लिए कहा गया तो अभद्रता करने लगे। सुनील के चचेरे भाई प्रमोद ने आरोप लगाया कि कुछ ही देर बाद मेडिकल स्टाफ ने सबको बाहर कर दिया। सुबह स्वजन को बिना बताए डाक्टरों ने घायल को लावारिस वार्ड भेज दिया।

इमरजेंसी में स्ट्रेचर पर घायल। सामने कुर्सी पर सोता जूनियर डाक्टर। वीडियो ग्रैब

उप्र में पूर्व भाजपा विधायक और पूर्व सांसद के बेटे के बीच मारपीट, 33 पर केस

जासं, बलिया : बैरिया से पूर्व भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह और पूर्व सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त के बेटे डा. विपुलेंद्र प्रताप सिंह के बीच रविवार को मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों से 33 नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह और डा. विपुलेंद्र प्रताप सिंह अपने-अपने समर्थकों के साथ बैरिया के हुकुम छपरा गंगा घाट पर दाह संस्कार में शामिल हुए थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में हुई कहासुनी मारपीट में बदल गई। इसके बाद पूर्व विधायक के समर्थक देवराज ब्रह्म मोड़ पर जुट गए और डा. विपुलेंद्र को वापस आते देख रोक लिया। इसके बाद दोनों गुटों में फिर मारपीट हुई। इस हिंसक झड़प में 11 लोग घायल हो गए। पूर्व विधायक के पुत्र विद्याभूषण सिंह हजारी की तहरीर पर डा. विपुलेंद्र प्रताप सिंह व अन्य और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

15 से 20 सितंबर के बीच सीरिया में 210 सीटों वाली संसद के लिए होंगे चुनाव, संसदीय चुनाव कराने के लिए गठित कमेटी का प्रमुख मुहम्मद ताहा अल-अहमद को बनाया गया है। एक तिहाई सदस्य मनोनीत किए जाएंगे। यह मनोनयन अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शारा करेंगे।

ट्रंप ने कहा–15% से 20% रहेगी वैश्विक टैरिफ दर

अमेरिका और ईयू के बीच 15% टैरिफ पर ट्रेड डील

ट्रंप और यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला के बीच बैठक के दौरान बनी सहमति

टर्नबेरी, रायटर : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका उन देशों पर 15% से 20% के बीच टैरिफ लगाएगा, जो वाशिंगटन के साथ बातचीत के जरिये व्यापार समझौता नहीं कर पाए हैं। स्काटलैंड के टर्नबेरी स्थित अपने गोल्फ रिसार्ट में ब्रिटिश प्रधानमंत्री किएर स्टारमर के साथ बैठे ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, मैं कहूंगा कि यह 15 से 20 प्रतिशत के बीच होगा। शायद इन्हीं दो संख्याओं में से एक। ट्रंप ने कहा है कि उनका प्रशासन जल्द ही लगभग 200 देशों को पत्र भेजकर उन्हें अमेरिका को निर्यात पर अपेक्षित टैरिफ दरों की सूचना देगा। ट्रंप ने अप्रैल से ज्यादातर देशों पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। एक अगस्त से टैरिफ दरें बढ़ने की संभावना है।

लंदन से एपी के अनुसार, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के बीच रविवार देर रात 15% टैरिफ पर ट्रेड डील हो गई। राष्ट्रपति ट्रंप और यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वान डेर लेयेन के बीच एक संक्षिप्त बैठक के दौरान इस टैरिफ समझौते पर सहमति बनी। यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब व्हाइट हाउस की ओर से 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ पर जवाबी टैरिफ लगाने की समय सीमा यानी एक अगस्त के कुछ ही दिन रह गए थे। इसके बाद अमेरिका ईयू के सामान पर 30 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने वाला था।

समझौते के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि यह एक बहुत ही दिलचस्प बातचीत थी। हमने व्यापार समझौता कर लिया है। मुझे लगता है कि यह दोनों पक्षों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। उन्होंने अमेरिका और ईयू की ट्रेड डील को अब तक की सबसे बड़ी डील करार दिया। ट्रंप फिलहाल यूरोप के दौरे पर हैं। ट्रंप ने यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला के साथ उनके स्काटलैंड स्थित गोल्फ रिसार्ट में उच्चस्तरीय बैठक की। इसके थोड़ी देर बाद उन्होंने कहा कि वे एक समग्र समझौते पर पहुंच गए हैं।

यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला का कहना है कि अगले तीन वर्षों में ईयू ऊर्जा के लिए अमेरिका से नेचुरल गैस, तेल और परमाणु ईंधन खरीदेगा। इससे रूस पर हमारी निर्भरता भी कम होगी। इस व्यापार समझौते से अमेरिका और यूरोपियन यूनियन के बीच सालाना 1.9 ट्रिलियन डालर यानी 157.70 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होने की उम्मीद है।

व्यापार समझौते में यह खास

- यूरोपियन यूनियन में शामिल यूरोप के 27 देशों पर यह व्यापार समझौता लागू होगा
- यूरोप से अमेरिका जाने वाले आटोमोबाइल सेक्टर के उत्पादों, फार्मास्यूटिकल और सेमीकंडक्टर समेत सभी चीजों पर अमेरिका 15 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा।
- ईयू अमेरिका से 750 अरब डालर यानी 62.25 लाख करोड़ रुपये की ऊर्जा खरीदेगा।
- यूरोपियन यूनियन ने अमेरिका में 600 अरब डालर यानी 49.80 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने पर भी सहमति जताई है।

न माना ईरान तो फिर होगी बमबारी : ट्रंप

- ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिकी राष्ट्रपति की चेतावनी
- यूक्रेन के सिलसिले में रूस पर 10-12 दिन में कार्रवाई के संकेत

स्काटलैंड स्थित गोल्फ रिजार्ट में हाथ मिलाते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर। रायटर

टर्नबेरी, रायटर: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने अपने परमाणु संयंत्रों में फिर से यूरेनियम शोधन शुरू करने की कोशिश की तो उन पर फिर से बमबारी होगी। ट्रंप ने यह बात सोमवार को स्काटलैंड स्थित अपने गोल्फ रिजार्ट में ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर से वार्ता में कही है। ज्ञात हो, इससे पूर्व ईरान ने कहा था कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा पर घरेलू जरूरत को पूरा करने के लिए यूरेनियम का शोधन जारी रखेगा।

ट्रंप ने कहा, ईरान ऐसे संकेत दे रहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने जा रहा है, लेकिन हम उसकी सारी परमाणु संभावनाएं खत्म कर देंगे। वे यूरेनियम का दोबारा शोधन शुरू करेंगे, हम उससे ज्यादा तेजी से उनके परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर देंगे। विदित हो कि जून में अमेरिका ने ईरान के फोर्डो, नातांज और इस्फहान परमाणु संयंत्रों पर हमला कर वहां बंकर बस्टर बम गिराए थे। इन हमलों से ईरानी संयंत्रों को भारी नुकसान हुआ था।

ट्रंप ने कहा, यूक्रेन युद्ध के सिलसिले में उन्होंने रूस के लिए 10-12 दिन की डेडलाइन निर्धारित की है। इसके बाद वह यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए अपनी रणनीति पर आगे बढ़ेंगे। इस दौरान उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के रुख को लेकर निराशा व्यक्त की। ट्रंप ने मलाल जताया कि एक तरफ वह यूक्रेन में युद्ध खत्म कराने की कोशिश कर रहे हैं और पुतिन उन कोशिशों में सहयोग करने की जगह हमले बढ़ाते जा रहे हैं। इस महीने के प्रारम्भ में ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध के बारे में निर्णय लेने के लिए रूस को 50 दिन का समय दिया था। इसके बाद उन्होंने रूस और उसके उत्पाद खरीदने वालों पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी थी। सोमवार को ट्रंप ने यह अवधि घटाकर 10-12 दिन कर दी है। अपनी कार्रवाई को लेकर यह बात ट्रंप ने स्टार्मर से वार्ता के बाद कही। ट्रंप इन दिनों टर्नबेरी के अपने रिजार्ट में गोल्फ खेल रहे हैं और उसी के बीच यूरोपीय नेताओं से मुलाकात भी कर रहे हैं।

पाक में लड़की की मौत पर प्रदर्शन, गोलीबारी में सात लोगों की मौत

- 17 अन्य पश्तून प्रदर्शनकारी सुरक्षा बलों की गोलियों से घायल
- प्रदर्शनकारियों ने सेना के कैंप के बाहर की आगजनी, तोड़फोड़

खैबर, एएनआइ: पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तिराह क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की की मौत के खिलाफ प्रदर्शन रविवार को हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कम से कम सात लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

समाचार पत्र डान ने सोमवार को रिपोर्ट में बताया कि प्रदर्शन तब शुरू हुआ जब सैकड़ों जनजातीय पश्तूनों ने उस लड़की का शव लाया, जिसे उन्होंने दावा किया कि उसे जखखेल के पीर मेला क्षेत्र में मोर्टार हमले में मारा गया था और इसे बाग-मैदान में सेना के कैंप में ले गए। सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोली चलाई। मौके पर कम से कम छह लोग मारे गए और 17 अन्य गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हैं। बाद में एक और व्यक्ति ने चोटों के कारण दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की कुल संख्या सात हो गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थिति तब बिगड़ गई जब एक समूह के गुस्साए युवाओं ने स्थानीय बुजुर्गों की शांति बनाए रखने की अपील को नजरअंदाज कर दिया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने सेना के कैंप के बाहर एक खोदाई करने वाली मशीन में आग लगा दी और इसके मुख्य गेट को तोड़ने की कोशिश की। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कई वीडियो में खोदाई करने वाली मशीन को जलते हुए और प्रदर्शनकारियों को गारिसन गेट पर पत्थर फेंकते हुए दिखाया गया। इसके बाद गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं जब लोग बचने के लिए भागने लगे।

फायरिंग और बल प्रयोग में घायल लोगों को शाह कस जमरूद में खैबर के बारा और पेशावर के हयाताबाद मेडिकल कांप्लेक्स में ले जाया गया। उनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। दिन के अंत में पश्तून बुजुर्गों ने कैंप में सुरक्षा अधिकारियों से मुलाकात की। बातचीत के बाद प्रदर्शनकारी तितर-बितर हो गए।

सुरक्षा अधिकारियों ने बुजुर्गों को आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं को गंभीरता से लिया जाएगा। मृतकों और घायलों के परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की गई। डान के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया और पूर्ण समर्थन का वादा किया। वहीं, खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने भी सुरक्षाबलों की ओर से की गई फायरिंग में मारे गए लोगों के परिजनों को वित्तीय सहायता प्रदान की घोषणा की। सरकार की ओर से कहा गया है कि फायरिंग में जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवारों को 10 लाख रुपये और घायलों को 2.5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

थाइलैंड व कंबोडिया संघर्षविराम पर सहमत

- मध्य रात्रि में रुकेगी दोनों देशों की लड़ाई
- पांच दिन चली लड़ाई में मारे गए 35 लोग
- मलेशियाई पीएम की मध्यस्थता में समझौता

पुत्रजया, रायटर : थाइलैंड और कंबोडिया के नेता संघर्षविराम के लिए सहमत हो गए हैं और दोनों देशों की सीमा पर यह सोमवार मध्य रात्रि से प्रभावी हो जाएगा। इसी के साथ सीमा पर स्थित शिव मंदिर को लेकर थाइलैंड और कंबोडिया के बीच पांच दिनों से चल रही लड़ाई थम जाएगी। इस लड़ाई में 35 लोग मारे गए हैं, दर्जनों घायल हुए हैं और करीब सवा दो लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम की मध्यस्थता में कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत और थाइलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुकथम वेचायाचाइ ने संघर्ष विराम समझौता किया। इब्राहीम ने दोनों नेताओं के हाथ मिलवाए। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि संघर्षविराम के फैसले में मलेशिया में मौजूद उनके अधिकारियों ने मदद की।

मलेशिया के पुत्रजया शहर में कंबोडिया और थाइलैंड के बीच संघर्षविराम का फैसला हुआ। दोनों देशों को इस निर्णय तक पहुंचाने के लिए कंबोडिया के प्रधानमंत्री मानेत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन का आभार व्यक्त किया। कहा, दोनों पक्षों के बीच बहुत अच्छी वार्ता हुई है। इस वार्ता के परिणामस्वरूप होने वाले संघर्षविराम से बहुत से लोगों का जीवन बचेगा, लोग घायल और विस्थापित नहीं होंगे, जबकि थाइलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री वेचायाचाइ ने कहा, संघर्षविराम होना दोनों देशों के लिए अच्छा होगा। मलेशिया में बातचीत के जरिये लड़ाई बंद करने का निर्णय लिया गया है, इससे बातचीत के जरिये मतभेदों को दूर करने का रास्ता खुला है, इससे भविष्य में दोनों देशों को संबंध सामान्य बनाने में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि संघर्षविराम से दोनों देशों के बीच 2011 के बाद की सबसे बड़ी लड़ाई खत्म होगी। दोनों देशों ने सोमवार मध्य रात्रि से बिना शर्त संघर्षविराम की घोषणा की है। मंगलवार सुबह दोनों देशों के शीर्ष रक्षा अधिकारी बैठक करेंगे। इससे पहले दोनों देशों के बीच मई में भी टकराव हुआ था जिसमें कंबोडिया के एक सैनिक की मौत हुई थी।

पुत्रजया में सोमवार को कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत (बाएं) के थाइलैंड के कार्यवाहक समकक्ष फुकथम वेचायाचाइ से हाथ मिलवाते मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहीम (मध्य)। प्रेट्र

पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति जारी उत्पीड़न की संयुक्त राष्ट्र में निंदा

- अहमदिया समुदाय गंभीर उत्पीड़न का सामना कर रहा है

इस्लामाबाद, आइएएनएस : पाकिस्तान में धार्मिक या आस्था के आधार पर कमजोर समुदायों के खिलाफ बढ़ती हिंसा की रिपोर्टों से चकित संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों के एक पैनल ने देश के धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए तत्काल जांच, अभियोजन और सुधारों की मांग की है। पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञों ने पाकिस्तान को यह व्यक्त करते हुए कड़ी फटकार लगाई कि वे "धार्मिक या आस्था के आधार पर कमजोर समुदायों के खिलाफ बढ़ती हिंसा की रिपोर्टों से चकित हैं। पाकिस्तान को उस दंड मुक्ति के पैटर्न को तोड़ना चाहिए जिसने अपराधियों को बिना किसी रोक-टोक के कार्य करने की अनुमति दी है।

संयुक्त राष्ट्र के पैनल ने देश के धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए तत्काल जांच, अभियोजन और सुधारों की मांग की। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक जिनमें अहमदिया मुसलमान, ईसाई, हिंदू और शिया मुसलमान शामिल हैं लगातार उपेक्षित हैं और लक्षित राज्य-समर्थित उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल और न्यूयार्क स्थित मानवाधिकार समूह ह्यूमन राइट्स वाच की नवीनतम रिपोर्टों ने भी "संविधानिक दमन" को उजागर किया है और 2025 में ईशनिंदा के आरोपों से उत्पन्न हिंसा को "उन समुदायों के खिलाफ बढ़ता आतंक" बताया है। पाकिस्तान का अहमदिया समुदाय गंभीर उत्पीड़न का सामना कर रहा है, जिसे 1974 में संविधान द्वारा गैर-मुस्लिम घोषित किया गया था। उन्हें कानून द्वारा मुसलमान के रूप में पहचानने, सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का पालन करने या अपने पूजा स्थलों को मस्जिद बनाने से प्रतिबंधित किया है। ह्यूमन राइट्स वाच ने अहमदिया के खिलाफ कई हिंसा के मामलों का दस्तावेजीकरण किया, जिसमें उनकी मस्जिदों का अपमान, उनके कब्रिस्तानों को तहस-नहस करना और उनके धार्मिक ग्रंथों का जलाना शामिल है।" दुष्कर्म, मतांतरण और जबरन निकाह निरंतर संकट बने हुए हैं, जिसमें हिंदू, ईसाई और सिख लड़कियों (कुछ की उम्र 12 वर्ष तक) का अपहरण किया जाता है, उन्हें दुष्कर्म के बाद इस्लाम में परिवर्तित किया जाता है और उनके अपहरणकर्ताओं से निकाह कराया जाता है।

बांग्लादेश में पूर्व मुख्य न्यायाधीश की सुनवाई में बाधक अफसर को नोटिस

ढाका, आइएएनएस : बांग्लादेश के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को ढाका की एक अदालत द्वारा पूर्व मुख्य न्यायाधीश एबीएम खैरुल हक की हालिया गिरफ्तारी सुनवाई के दौरान न्यायिक प्रक्रियाओं में बाधा डालने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। खैरुल हक ने बांगबंधु हत्या मामले में ऐतिहासिक निर्णय सुनाया था।

ढाका मेट्रोपालिटन पुलिस (डीएमपी) के अपराध, सूचना और अभियोजन विभाग के उप आयुक्त तारेक जुबैर को 30 जुलाई तक कथित गैर-सहयोग के लिए स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। यह आदेश ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद सना उल्लाह द्वारा जारी किया गया था। खैरुल हक को 24 जुलाई को ढाका के जत्राबारी पुलिस थाने में दर्ज एक हत्या मामले के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट चना उल्लाह को सुनवाई करने के लिए नियुक्त किया गया था। उस दिन डीसी तारेक जुबैर ने न्यायाधीश को फोन कर सुनवाई कराने पर जोर दिया, जबकि आरोपित को अदालत भवन के नीचे एक जेल वैन में बंद रखा गया था।

छात्र संगठन ने अपनी सभी इकाइयां की निलंबित

पिछले साल जुलाई में हुए हिंसक प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले बांग्लादेश के छात्र समूह ने अपनी सभी समितियों को निलंबित करने की घोषणा की है। हालांकि कई सदस्यों पर वसूली के आरोपों के बीच केंद्रीय समिति भंग नहीं की गई है। स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) के अध्यक्ष रिफात राशिद ने कहा, "राजनीतिक दलों के प्रभाव में कुछ सदस्य भ्रष्ट प्रथाओं में संलग्न हो गए हैं।" यह घटना तब हुई जब पुलिस ने एसएडी के पांच लोगों को पूर्व विधायक के परिवार से वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था।

गाजा को लेकर नेतन्याहू के दावे से ट्रंप असहमत

- इजरायली पीएम ने कहा था-भुखमरी नहीं है गाजा में

टर्नबेरी, एपी : गाजा को लेकर अमेरिका और इजरायल की असहमति बढ़ रही है। गाजा में भुखमरी की समस्या न होने के इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बयान से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने असहमति जता दी है। ट्रंप ने यह असहमति ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर से वार्ता में जताई है। दोनों नेताओं के बीच गाजा और उसे लेकर इजरायल के रुख पर खासतौर से चर्चा हुई है। इस चर्चा के बीच ही सोमवार को इजरायल ने गाजा पर फिर हमले किए। इन हमलों में 34 लोग मारे गए। इजरायल ने रविवार को गाजा के तीन इलाकों में दिन के 10 घंटे सैन्य कार्रवाई स्थगित रखने की घोषणा की है। इस दौरान यूएई और जार्डन के विमान इन तीन इलाकों में राहत सामग्री गिराएंगे। इजरायल ने यह नहीं बताया है कि यह व्यवस्था कितने दिनों तक चलेगी। जमीन पर अमेरिकी संस्था जीएचएफ के खाद्य सामग्री वितरित करने से और विमानों से राहत सामग्री गिराए जाने से जरूरी वस्तुओं का भीषण अभाव झेल रहे गाजा निवासियों को थोड़ी राहत मिली है। सोमवार को दो विमानों से 17 टन राहत सामग्री गिराई गई। संयुक्त राष्ट्र ने विमानों से राहत सामग्री गिराए जाने पर सवाल उठाए हैं और यह व्यवस्था ज्यादा लाभदायक न होने की बात कही है। रविवार को राहत सामग्री लेकर 180 ट्रक गाजा में प्रविष्ट हुए। ये ट्रक मिस्र के रास्ते से गाजा पहुंच रहे हैं।

बेंजामिन नेतन्याहू। फाइल

गाजा में इजरायल के ताजा हमलों में 34 मारे गए

थाईलैंड के बाजार में लोगों पर बरसाईं गोलियां, हमलावर समेत छह की मौत

बैंकाक, प्रेट्र: थाईलैंड में सोमवार को एक बंदूकधारी ने बाजार में गोलियां बरसाकर पांच लोगों की हत्या कर दी। फायरिंग के बाद हमलावर ने आत्महत्या कर ली। बैंकाक पोस्ट अखबार के अनुसार, मृतकों में चार सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। हमले में दो महिलाएं घायल हुई हैं। पुलिस ने कहा कि अधिकारी हमले के पीछे के मकसद की जांच कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह घटना बैंकाक के टोर कोर बाजार में दोपहर 12.38 बजे हुई। यह बाजार ताजे फलों और समुद्री भोजन के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि बंदूकधारी बाजार की इमारत के अंदर एक बेंच पर मृत पाया गया। उसने काली टी-शर्ट और शार्ट्स पहने हुए थे।

देश-दुनिया की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

पाकिस्तान में दिलीप कुमार और राज कपूर के घरों का पुनर्निर्माण शुरू

पेशावर, प्रेट्र: पाकिस्तान के पेशावर स्थित भारतीय अभिनेता दिलीप कुमार और राज कपूर के पैतृक घरों का पुनर्निर्माण कार्य सोमवार को शुरू हो गया। पुरातत्व निदेशक डा अब्दुस समद ने बताया कि यह परियोजना दो वर्षों में पूरी हो जाएगी और इसकी अनुमानित लागत सात करोड़ रुपये होगी।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने परियोजना के लिए धनराशि जारी की। इस परियोजना में ऐतिहासिक आवासों का संरचनात्मक और सौंदर्यपरक जीर्णोद्धार शामिल है। प्रांतीय पुरातत्व विभाग ने दोनों संरचनाओं को महान अभिनेताओं के जीवन और करियर को समर्पित संग्रहालयों के रूप में परिवर्तित किए जाने की योजना बनाई है। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इन घरों को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था। डा समद के अनुसार, इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्रांत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करते हुए विरासत पर्यटन को बढ़ावा देना है। प्रांतीय सरकार के पर्यटन सलाहकार जाहिद खान शिनवारी ने बताया कि विश्व बैंक के सहयोग से ये परियोजनाएं प्रांत के पर्यटन क्षेत्र में क्रांति लाएंगी।

पाकिस्तान के पेशावर में भारतीय अभिनेता दिलीप कुमार के पैतृक घर के बाहर चिपके नोटिस और पोस्टर। प्रेट्र

यूनुस सरकार ने विमान दुर्घटना की जांच के लिए आयोग बनाया

ढाका, एएनआइ: बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने 21 जुलाई को ढाका के उत्तरा क्षेत्र में मिलस्टोन स्कूल व कालेज में बांग्लादेश वायुसेना के विमान की दुर्घटना की जांच के लिए नौ सदस्यीय आयोग का गठन किया है। आयोग का नेतृत्व पूर्व सचिव एकेएम जफर उल्लाह खान करेंगे और चार हफ्ते के भीतर रिपोर्ट पेश करेंगे।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, जांच आयोग में सेवानिवृत्त एयर वाइस मार्शल, विभिन्न मंत्रालयों के तीन अतिरिक्त सचिव, ढाका के डिविजनल कमिश्नर, एक शहरी योजनाकार व बांग्लादेश यूनिवर्सिटी आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के प्रोफेसर शामिल हैं। आयोग दुर्घटना के कारणों की जांच करेगा, क्षति का आकलन करेगा और यह पता लगाएगा कि इसके लिए कौन जिम्मेदार था। यह भी जांचेगा कि कितने लोग मारे गए या घायल हुए। आयोग स्कूल व आसपास इमारतों को हुई क्षति का ब्योरा लेगा। आयोग भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं रोकने के उपायों की सिफारिश भी करेगा। इस दुर्घटना में घायल 27 बच्चों समेत कुल 33 घायलों का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सिंगापुर, चीन व भारत के 21 डाक्टरों और नर्सों की एक टीम ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद युनुस से स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में भेंट की। ये चिकित्सा टीमें विमान दुर्घटना के पीड़ितों का इलाज करने आई हैं, जिनमें कई स्कूली बच्चे हैं।

ढाका के इसी माइलस्टोन स्कूल एंड कालेज में गिरा था विमान। फाइल

मेदवेदेव ने कहा- युद्ध की ओर ले जा सकता है ट्रंप का अल्टीमेटम

मास्को, रायटर : पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के साथ "अल्टीमेटम गेम" खेल रहे हैं। इस तरह के दृष्टिकोण से अमेरिका के साथ युद्ध हो सकता है।

मेदवेदेव ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सोमवार को एक पोस्ट में लिखा 'ट्रंप का हर नया अल्टीमेटम एक धमकी और युद्ध की ओर ले जाने वाला कदम है। यह रूस-यूक्रेन के बीच नहीं, बल्कि ट्रंप के अपने देश के साथ है।" ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में नाकामी से निराश हैं। उन्होंने शांति समझौते पर सहमति के लिए समय सीमा को 50 दिनों से घटाकर 10 या 12 दिन कर दिया है।

उधर, एएनआइ के अनुसार, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पश्चिम के साथ भविष्य के संबंधों पर कहा, सब कुछ पहले जैसा नहीं रहेगा। पश्चिम अंततः मास्को के साथ संबंधों को बहाल करने का प्रयास करेगा।

अमेरिकी स्टार्टअप का दावा–पारे से सोना बनाने का तरीका खोजा

- परमाणु संलयन प्रक्रिया के जरिये हर साल बनाया जा सकता है पांच हजार किलोग्राम सोना
- संलयन रिएक्टर में रेडियोधर्मिता का उपयोग करके पारे को सोने में बदलना है संभव

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

अमेरिका के एक स्टार्टअप ने पारे को सोने में बदलने का तरीका खोजने का दावा किया है। सैन फ्रांसिस्को स्थित मैराथन फ्यूजन ने कहा, परमाणु संलयन प्रक्रिया के जरिये पारे से सोना बनाया जा सकता है। सोना बनाने वाला संलयन संयंत्र एक वर्ष में प्रति गीगावाट ताप विद्युत से पांच हजार किलो सोना पैदा कर सकेगा। मैराथन फ्यूजन की टीम ने बताया कि परमाणु संलयन रिएक्टर में न्यूट्रान कणों से निकलने वाली रेडियोधर्मिता का उपयोग करके पारे को पारा-197 में बदला जा सकता है। इसके बाद पारा-197 सोना-197 में विघटित हो जाता है। इस दावे की समीक्षा नहीं हुई है।

शोधकर्ताओं ने कहा, सोना संलयन रिएक्टरों में सह उत्पाद के रूप में निकलता है। इससे संयंत्र के स्वच्छ ऊर्जा विकसित करने का प्राथमिक उद्देश्य प्रभावित नहीं होगा।हा लांकि, मुश्किल यह है कि अन्य प्रकार के पारे की उपस्थिति के कारण सोना-197 के साथ-साथ अस्थिर सोना समस्थानिकों का उत्पादन हो सकता है। इसका अर्थ है कि यह धातु आंशिक रूप से रेडियोधर्मी हो सकती है। मैराथन फ्यूजन के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, एडम रुटकोव्स्की ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि सोने को विकिरण-सुरक्षित घोषित करने के लिए इसे 14 से 18 वर्षों तक संग्रहीत करना होगा। अर्थात इस सोने में 14 से 18 वर्षों तक विकिरण का खतरा रहेगा।

विज्ञानियों के अनुसार, परमाणु संलयन प्रक्रिया असीमित, स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करने में मददगार हो सकती है। इस प्रक्रिया में परमाणु नाभिकों का विलय करके भारी मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न की जाती है। यह परमाणु हथियारों व परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में प्रयुक्त विखंडन प्रक्रिया के विपरीत है, जहां भारी परमाणु को छोटे परमाणुओं में विभाजित किया जाता है। मैराथन फ्यूजन ने कुशल परमाणु संलयन ऊर्जा प्रणालियां विकसित करने के लिए करीब 60 लाख डालर का निवेश व 40 लाख डालर का सरकारी अनुदान जुटाया है। जब तक व्यावसायिक संलयन रिएक्टर विकसित नहीं हो जाते, तब तक पारे से सोना बनाने सपना ही है।

प्रतीकात्मक

****

कतर से मिले विमान के नवीनीकरण पर खर्च की लग रही अटकलें

न्यूयार्क टाइम्स से

वाशिंगटन : फेडरल रिजर्व के मुख्यालय के पुनरुद्धार की लागत पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुलकर नाराजगी व्यक्त करते हैं जो लगभग 2.5 अरब डालर है। हालांकि राष्ट्रपति के हिसाब से यह इससे भी ज्यादा है। लेकिन कतर से मिले मुफ्त 'एयर फोर्स वन' के नवीनीकरण के बारे में व्हाइट हाउस में कोई चर्चा नहीं करना चाहता। इसके खर्च के बारे में सिर्फ अटकलें ही लग रही हैं। इसकी कीमत गोपनीय रखी गई है। ट्रंप की इस परियोजना की लागत छिपाने को तरह-तरह के तर्क गढ़े जा रहे हैं, जैसे पुराने जासूसी उपग्रहों की कीमत छिपाने को गढ़े जाते हैं। यही वजह है कि पुरानी परमाणु मिसाइलों के आधुनिकीकरण के लिए पेंटागन के 93.4 करोड़ के बजट पर कोई चर्चा नहीं चाहता। विशेषज्ञों का मत है,इसमें नए 'एयर फोर्स वन' के नवीनीकरण की लागत शामिल है।

ड्रा ने बढ़ाई कप्तान गिल और गंभीर की चिंता

ओवल में टेस्ट मैच में जीत दर्ज करने के लिए भारत को खोजना होगा सर्वश्रेष्ठ संयोजन 31 जुलाई से होगा अंतिम मैच

अभिषेक त्रिपाठी
मैनचेस्टर से

कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की साहसिक पारियों से भारत ने मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच को भले ही ड्रा करा लिया हो, लेकिन इस परिणाम से ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट के लिए टीम संयोजन को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन की दुविधा भी बढ़ गई है। सीरीज अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है और 31 जुलाई से शुरू हो रहे ओवल टेस्ट मैच में भारत के पास सीरीज को बराबर कराने का मौका है, लेकिन उसके लिए उसे सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश का चयन करना होगा।

कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल ने इस सीरीज में अब तक आलराउंडरों पर भरोसा जताया है, जिससे भारत के लिए 20 विकेट लेना दुरूह कार्य हो गया। गेंदबाजी संयोजन को लेकर अंतिम टेस्ट से पहले कई सवाल खड़े हो गए हैं। कई पूर्व क्रिकेटर कुलदीप यादव को मैनचेस्टर में नहीं खिलाने को लेकर सवाल उठा चुके हैं और गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने तर्क दिया था कि अगर शीर्ष छह बल्लेबाज अच्छा करते हैं तो कुलदीप की टीम में जगह बन सकती है। टीम प्रबंधन को यह समझना होगा कि टेस्ट मैच जीतने के लिए आपको विरोधी टीम के 20 विकेट लेने पड़ते हैं और कामचलाऊ गेंदबाजों के साथ यह काम नहीं हो सकता है। अब तक सीरीज के दौरान टीम प्रबंधन ने आठवें नंबर तक बल्लेबाजी रखने के चक्कर में एक विशेषज्ञ गेंदबाज की कुर्बानी दी है और इस रणनीति की लगातार आलोचना हो रही है। ओल्ड ट्रैफर्ड में शार्दुल ठाकुर को खेलने का मौका मिला लेकिन उन्होंने पूरे मैच में केवल 11 ओवर ही फेंके, जिससे उनकी उपयोगिता पर सवाल खड़े हो गए।

वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने पहली पारी में 650 से अधिक रन बनाकर भारत की गेंदबाजी की पोल खोल दी। ओवल में स्पिन फ्रेंडली पिच की संभावना के चलते चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को पांचवें टेस्ट में मौका मिल सकता है, लेकिन बड़ा सवाल है कि उनकी जगह किसे बाहर किया जाएगा। रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन ने जिस तरह मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की डूबती नैया को पार लगाया, उससे इन दोनों का खेलना तय है। शार्दुल से पहले टेस्ट में 16 ओवर कराए गए तो मैनचेस्टर में गेंदबाज के रूप में उनका कुछ खास इस्तेमाल नहीं हुआ। गिल भी शायद मैनचेस्टर में कुलदीप को खिलाने के पक्ष में थे। ऐसे में शार्दुल की जगह कुलदीप को मौका मिल सकता है।

वहीं पदार्पण करने वाले तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को फिट हो चुके अकाश दीप या प्रसिद्ध कृष्णा के लिए जगह खाली करनी पड़ेगी। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी अब चोट से उबर चुके हैं और वो भी अपने टेस्ट पदार्पण का सपना देख रहे होंगे। हालांकि, टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल में कहा कि सभी तेज गेंदबाज फिट हैं, लेकिन यह भी सच है कि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे मुख्य गेंदबाज थकान से जूझ रहे हैं। बुमराह पहले ही तीन टेस्ट खेल चुके हैं और मोहम्मद सिराज ने अब तक सभी चार मैच खेले हैं।

पंत की जगह आएंगे जुरैल: रिषभ पंत पांचवें टेस्ट में नहीं खेलेंगे और उनकी जगह ध्रुव जुरैल का खेलना तय है। अगर मैनचेस्टर टेस्ट का संयोजन ओवल टेस्ट में दोहराया जाता है, तो जुरैल सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक का तर्क है कि टीम संयोजन इस बात पर निर्भर करता है कि आप टास जीतेंगे या हारेंगे, और पिच कैसी होगी। उन्होंने कहा, हमेशा संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं। कभी-कभी छह गेंदबाजों को भी पूरा स्पेल नहीं मिल पाता इसलिए चयन संतुलन पर आधारित होता है, न कि पिछले मैच के प्रदर्शन पर। अब जब सीरीज अपने निर्णायक मोड़ पर है, तो देखना दिलचस्प होगा कि टीम मैनेजमेंट बल्लेबाजी गहराई को प्राथमिकता देता है या कुलदीप जैसे अटैकिंग गेंदबाज को मौका देकर एक नई रणनीति अपनाता है।

गंभीर और स्टोक्स में इंजरी रिप्लेसमेंट पर मतभेद

मैनचेस्टर: इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में चोटिल खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट को लेकर बिल्कुल अलग-अलग राय दी। स्टोक्स ने जहां इस चर्चा को बेतुका करार दिया, वहीं गंभीर ने इस तरह के नियम की खुलकर वकालत की। यह सवाल मैनचेस्टर टेस्ट में रिषभ पंत की चोट के संदर्भ में पूछा गया, जहां पंत ने टूटे हुए पैर के साथ बल्लेबाजी तो की, लेकिन विकेटकीपिंग की स्थिति में नहीं थे। उनकी जगह ध्रुव जुरैल ने विकेट के पीछे जिम्मेदारी संभाली। स्टोक्स ने कहा कि मुझे लगता है कि चोट के कारण रिप्लेसमेंट को लेकर इतनी चर्चा होना बिल्कुल बेतुका है। अगर चोट के रिप्लेसमेंट की इजाजत दी गई तो बहुत सारी खामियां होंगी, जिनका टीमें फायदा उठा सकती हैं। आप जब मैच के लिए 11 खिलाड़ी चुनते हैं तो चोटों की संभावना उसी का हिस्सा होती है। मुझे लगता है कि इस बहस को यहीं खत्म कर देना चाहिए। वहीं, मुख्य कोच गौतम गंभीर ने स्टोक्स की राय से असहमति जताते हुए कहा कि गंभीर चोट की स्थिति में रिप्लेसमेंट की अनुमति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इसके पक्ष में हूं। अगर अंपायर और मैच रेफरी को लगता है कि खिलाड़ी को गंभीर चोट लगी है और ये साफ दिखाई दे रहा है तो रिप्लेसमेंट की इजाजत मिलनी चाहिए। इसमें कुछ गलत नहीं है, खासकर ऐसी सीरीज में जो इतनी कड़ी टक्कर की रही हो। आगे गंभीर ने कहा कि सोचिए अगर हमें 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ता, 11 के विरुद्ध तो ये हमारे लिए कितना दुर्भाग्यपूर्ण होता।

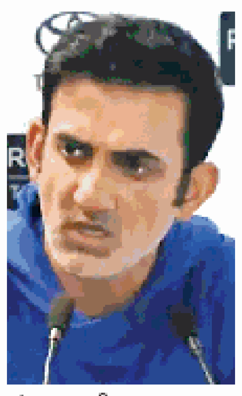
गौतम गंभीर

बेन स्टोक्स

ओवरटन की तीन साल बाद इंग्लैंड टेस्ट टीम में वापसी

लंदन: तीन साल पहले अपने करियर का एकमात्र टेस्ट मैच खेलने वाले आलराउंडर जेमी ओवरटन को भारत के विरुद्ध गुरुवार से ओवल में शुरू हो रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। सरे के इस 31 वर्षीय आलराउंडर ने 2022 में लीड्स में न्यूजीलैंड के विरुद्ध अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेला था जिसमें उन्होंने दो विकेट लिए थे और 97 रन बनाए थे। उन्होंने इस साल आइपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से तीन मैच खेले थे। ओवरटन को छोड़कर, पिछले मैच में चुने गए 14 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से लंदन में खेला जाएगा। सीरीज में इंग्लैंड की टीम 2-1 से आगे है।

इंग्लैंड टेस्ट टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्राउली, लियाम डासन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

शार्दुल ठाकुर ● प्रेट्र
अंशुल कंबोज ● प्रेट्र

बुमराह पांचवें टेस्ट में खेलते हैं तो बड़ी बात होगी : शुभमन

विशेष संवाददाता ● जागरण

मैनचेस्टर: भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि अगर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के विरुद्ध मौजूदा सीरीज के निर्णायक पांचवें टेस्ट मैच में खेलने में सफल रहते हैं तो यह टीम के लिए बड़ी बात होगी, क्योंकि टीम की मूल योजना उन्हें तीन मैचों तक सीमित रखने की थी। बुमराह को अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत इस टेस्ट सीरीज के केवल तीन मैच में खेलना था। वह एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए, लेकिन बाकी तीन टेस्ट मैचों में खेले। मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट मैच ड्रा रहने के बाद इंग्लैंड सीरीज में 2-1 से आगे है और इस तरह से भारत को पांच मैचों की सीरीज को बराबर करने के लिए 31 जुलाई से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में जीत हासिल करनी होगी। गिल ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल कार्यक्रम में कहा कि अगर उन्हें लगता है कि वह पूरी तरह से फिट हैं और हमारे लिए उपलब्ध हैं तो मुझे लगता है कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा कि अगर वह नहीं खेल पाते हैं तो मुझे तब भी लगता है कि हमारे पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है। बुमराह ने ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में 33 ओवर गेंदबाजी की। उन्होंने अब तक तीन टेस्ट मैचों की पांच पारियों में 119.4 ओवर गेंदबाजी की है, जो लगभग 24 ओवर प्रति पारी है। उन्होंने अब तक 14 विकेट लिए हैं और इस तरह से अपने साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की बराबरी पर हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक का मानना है कि बुमराह सीरीज का पांचवां और अंतिम टेस्ट खेलेंगे या नहीं, इसका खुलासा न करके गिल ने सही रणनीतिक फैसला लिया। कुक ने कहा कि भले ही वह खेलने नहीं जा रहा हो, आप अभी लोगों को यह नहीं बताएंगे। यह विशुद्ध रणनीतिक फैसला होगा। उन्होंने सीरीज के शुरू में यह कहकर गलती की थी कि वह केवल तीन मैच खेलेंगे। अगर वह फिट नहीं होते हैं तो उनका नहीं खेलना ही सही फैसला होगा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि की कि सभी तेज गेंदबाज ओवल टेस्ट से पहले चयन के लिए उपलब्ध हैं और उन्होंने बुमराह के अगले मैच में खेलने की संभावना से इन्कार नहीं किया।

शुभमन गिल

आलोचकों को लताड़ा

इंग्लैंड के विरुद्ध चौथे टेस्ट मैच में भारत के संघर्षपूर्ण ड्रा ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के अंदर के जुझारू व्यक्तित्व को फिर से सामने ला दिया है जिन्होंने कप्तान शुभमन गिल के आलोचकों को लताड़ लगाते हुए कहा कि भारतीय टीम स्वदेश के आम आदमी के लिए खेलती है। गंभीर चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी अतीत के नक्शेकदम पर चलने के बजाय अपना इतिहास खुद बनाए। उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर टेस्ट में यादगार वापसी के बाद वे इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। गंभीर ने कहा कि वे अपने देश के आम आदमी के लिए जूझना चाहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस टेस्ट मैच में कई लोगों ने हमारी हार सुनिश्चित मान ली थी लेकिन हमने शानदार वापसी की। यही इस टीम की नींव है।

खेल डायरी

सात्विक-चिराग की नजर मकाऊ ओपन पर

मकाऊ, प्रेट्र: सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार से शुरू हो रहे मकाऊ ओपन सुपर 300 में अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए सीजन का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। इसके साथ ही इन शीर्ष भारतीय शटलरों को अगले महीने पेरिस में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए अपनी तैयारी को परखने का मौका मिलेगा। एशियाई खेलों के चैंपियन इस जोड़ी ने पिछले सप्ताह चाइना ओपन सुपर 1000 में एक सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन इसके बाद उन्हें मलेशिया के दूसरे वरीय आरोन चिया और सोह वूई यिक के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की तीसरे नंबर की इस जोड़ी के लिए यह सीजन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाला रहा है। इससे पहले इन्होंने इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने के अलावा इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई थी।

तैराक मैकिंटोश ने जीता दूसरा स्वर्ण पदक

सिंगापुर, प्रेट्र: कनाडा की समर मैकिंटोश ने तैराकी विश्व चैंपियनशिप में 400 मीटर फ्रीस्टाइल में चैंपियन बनने के बाद सोमवार को 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले में भी 2:06.69 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। हालांकि, वह अपने 2:05.70 मिनट के विश्व रिकार्ड से पीछे रह गईं। अमेरिका की एलेक्स वाल्श ने रजत और कनाडा की ही मैरी-सोफी हार्वे ने कांस्य पदक जीता। मैकिंटोश चैंपियनशिप में अभी अगले छह दिनों में 400 मीटर इंटेंसिटी, 800 फ्रीस्टाइल और 200 बटरफ्लाई में प्रतिस्पर्धा करेंगी। वहीं, भारत के साजन प्रकाश चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहे।

काफा नेशंस कप खेल सकता है भारत

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय फुटबाल टीम ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान में 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच काफा नेशंस कप खेल सकती है, लेकिन मलेशिया के विकल्प के तौर पर मध्य एशियाई फुटबाल संघ ने भारत को खेलने का न्योता दिया है। आठ टीमों के टूर्नामेंट से मलेशिया ने खिलाड़ियों की उपलब्धता और लाजिस्टिक्स का हवाला देकर 15 जुलाई को नाम वापिस ले लिया था। यह टूर्नामेंट फीफा की अंतरराष्ट्रीय विंडो में नहीं पड़ता जो एक से नौ सितंबर के बीच है। ओमान को भी इसमें भाग लेने के लिये न्योता मिला है। टूर्नामेंट का पहला सत्र 2023 में हुआ था जिसमें ईरान विजयी रहा था। समझा जाता है कि एआइएफएफ ने न्योता स्वीकार कर लिया है, लेकिन आयोजकों की ओर से अंतिम पुष्टि का इंतजार है। एआइएफएफ के एक अधिकारी ने कहा कि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन हम इंतजार कर रहे हैं। अगर भारत खेलता है तो नये मुख्य कोच के साथ यह पहला टूर्नामेंट होगा। नए कोच की नियुक्ति एक अगस्त को होने वाली है। इस टूर्नामेंट में ईरान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, किर्गीस्तान और तुर्कमेनिस्तान भाग ले रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य सेन को दी राहत

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने जन्म प्रमाण में जालसाजी मामले में बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने लक्ष्य सेन, उनके परिवार के सदस्यों और कोच के खिलाफ जन्म प्रमाण पत्र धोखाधड़ी मामले में दर्ज एफआइआर रद कर दी है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ कहा कि लक्ष्य सेन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना अनुचित है और यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले कर्नाटक सरकार और शिकायतकर्ता एमजी नागराज को नोटिस जारी किया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि लक्ष्य सेन और उनके भाई चिराग सेन के जन्म प्रमाण पत्र फर्जी हैं। शीर्ष न्यायालय उस याचिका की सुनवाई कर रहा था, जिसमें कर्नाटक हाई कोर्ट के 19 फरवरी के आदेश को चुनौती दी गई थी।

विश्व शतरंज में बढ़ता भारत का दबदबा

- डी गुकेश के बाद दिव्या ने जीता वैश्विक खिताब
- बड़े टूर्नामेंट में लगातार अच्छा कर रहे भारतीय

नितिन नागर ● जागरण

नई दिल्ली : नागपुर की 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने फिडे महिला विश्व कप फाइनल में कोनेरू हंपी जैसी दिग्गज खिलाड़ी को हराकर दिव्या ने न केवल अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, बल्कि ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव भी प्राप्त किया। दिव्या की यह जीत विश्व शतरंज में भारत के बढ़ते दबदबे को दर्शाती है।

पिछले वर्ष भारत के डी. गुकेश ने इतिहास रचते हुए विश्व शतरंज चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब अपने नाम किया था। महज 18 साल की उम्र में यह कारनामा करने वाले गुकेश विश्व चैंपियन बनने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय और सबसे युवा खिलाड़ी थे। उनकी यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं थी, बल्कि भारतीय शतरंज के अभियान में बड़ी छलांग थी। पिछले वर्ष सितंबर में ही भारत ने बुडापेस्ट में हुए 45वें शतरंज ओलिंपियाड में भी शानदार प्रदर्शन किया और पुरुष और महिला दोनों टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। यह पहली बार था जब भारत ने दोनों वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किया, जो टीम के संतुलन और गहराई को दर्शाता है। भारत के कई अन्य युवा ग्रैंडमास्टर भी लगातार वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। आर प्रगनानंद, विदित गुजराती, अर्जुन ऐरिगेसी, आर. वैशाली और डी. हरिका जैसे खिलाड़ी प्रमुख टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और भारत को गौरव दिला रहे हैं। प्रगनानंद ने इस वर्ष टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट जीता और वह ऐसा करने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय हैं। अर्जुन एरिगेसी 2800 ईएलओ रेटिंग हासिल करने वाले विश्व के चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं। हाल ही में दिल्ली के नौ वर्षीय आरित कपिल ने आनलाइन प्लेटफार्म पर पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को ड्रा पर रोककर दुनिया का ध्यान खींचा। आरित की यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि भारत की शतरंज नींव कितनी मजबूत हो रही है। जब भारत के युवा ग्रैंडमास्टर्स विश्व शतरंज की हर बड़ी प्रतियोगिता में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं, तो यह कहना गलत नहीं होगा कि शतरंज में भारत का भविष्य सुनहरा है।

शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम ● फाइल फोटो

धौनी की तरह मजबूत मानसिकता से खेलती हैं दिव्या

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख को उनके प्रारंभिक कोच श्रीनाथ नारायणन ने बेहद प्रतिभाशाली करार देते हुए कहा कि वह कठिन परिस्थितियों में भी अविश्वसनीय रूप से शांत रहती हैं। उन्होंने कहा कि इस 19 साल की खिलाड़ी की धैर्य की तुलना महान क्रिकेट महेंद्र सिंह धौनी से की जा सकती है। दिव्या जार्जिया के बातुमी में अपनी से दोगुनी उम्र की प्रतिद्वंद्वी कोनेरू हंपी को हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीतकर भारतीय शतरंज में युवा उपलब्धि हासिल करने वालों की बढ़ती सूची का हिस्सा बन गई। इस खेल में भारत की बढ़ती पैठ का प्रमाण इससे ही लगाया जा सकता है कि फाइनल में दोनों भारतीय खिलाड़ी थे और मुकाबले का परिणाम टाई ब्रेकर से निकला। 38 साल की हंपी सबसे कुशल और सुलझी हुई शतरंज खिलाड़ियों में से एक हैं। वह दो दशकों से भी अधिक समय से भारतीय महिला शतरंज की ध्वजवाहक रही हैं। उन्होंने दो विश्व रैपिड चैंपियनशिप, दो एशियाई खेल स्वर्ण पदक सहित अनगिनत खिताब जीते हैं और शतरंज ओलिंपियाड की स्वर्ण पदक विजेता टीम का भी हिस्सा रही हैं। दिव्या का उनके विरुद्ध जीतना भारतीय शतरंज के लिए एक शानदार क्षण था। श्रीनाथ ने कहा कि दिव्या काफी आक्रामक खिलाड़ी है। बीतते समय के साथ वह अधिक हरफनमौला और बहुमुखी बन गई है। मुझे लगता है कि वह सभी प्रारूपों (क्लासिकल, रैपिड और और ब्लिट्ज) में समान रूप से अच्छी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मुश्किल परिस्थितियों में उसके खेल में और परिपक्वता आ जाती है। वह महेंद्र सिंह धौनी की तरह है जो आखिरी ओवरों में मैच का पासा पलट देते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार देखा है कि दिव्या महत्वपूर्ण मैचों में दबाव में अविश्वसनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन करती रही है। दिव्या इस दौरान देश की चौथी और कुल 88वीं ग्रैंडमास्टर बनी। हालांकि, टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले उनके लिए ग्रैंडमास्टर हासिल करना मुश्किल लग रहा था। श्रीनाथ ने नागपुर के इस खिलाड़ी को 2020 तक कोचिंग दी है।

विश्व कप खिताब जीतने के बाद अपनी मां के साथ दिव्या देशमुख ● प्रेट्र

> दिव्या देशमुख को बधाई, वह महिला विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं, वह भी 19 साल की बहुत कम उम्र में। कोनेरू हंपी उपविजेता रहीं। मैं हंपी के शानदार करियर में उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए उनकी गहरी सराहना करती हूं। मुझे विश्वास है कि ये दोनों महिला चैंपियन और भी गौरव हासिल करती रहेंगी और हमारे युवाओं को प्रेरित करती रहेंगी।
>
> **-द्रौपदी मुर्मु**, राष्ट्रपति

> विश्व कप जीतने पर दिव्या को बधाई। ग्रैंडमास्टर बनने और उम्मीदवारों में जगह बनाने पर। अद्भुत नर्वस फाइट। हंपी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और सराहनीय जुझारूपन दिखाया। वह एक महान चैंपियन हैं। यह भारतीय शतरंज, खासकर महिला शतरंज का एक शानदार जश्न था।
>
> **-विश्वनाथन आनंद**, पूर्व विश्व चैंपियन

> शतरंज की बिसात पर भारत का राज, फिडे महिला विश्वक जीतने पर दिव्या देशमुख को बधाई। इस अखिल भारतीय फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए कोनेरू हंपी पर गर्व है।
>
> **-मनसुख मांडविया**, खेल मंत्री

लेयला फर्नांडीज और डि मिनौर बने विजेता

लेयला ने फाइनल में कालिंस्काया को सीधे सेटों में और एलेक्स डि मिनौर ने डेविडोविच फोकीना को रोमांचक मुकाबले में शिकस्त दी

वाशिंगटन, एपी: गैर वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज के करियर का अब तक का सबसे बड़ा टेनिस खिताब रविवार को अपने नाम किया। डीसी ओपन के फाइनल मुकाबले में 22 वर्षीय लेफ्ट हैंडर कनाडा की फर्नांडीज ने एकतरफा फाइनल मुकाबले में अन्ना कालिंस्कया को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से हराया और खिताब अपने नाम किया। यह फर्नांडीज का चौथा सिंगल्स खिताब है और चारों हार्ड कोर्ट पर आए हैं। साथ ही यह उनका पहला डब्ल्यूटीए 500 स्तर का खिताब है। 2021 के यूएस ओपन में वे ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंची थीं, लेकिन उस समय एमा राडुकानू से हार गई थीं। टूर्नामेंट में इस बार उस फाइनल का रीमैच भी हो सकता था, लेकिन सेमीफाइनल में कालिंस्काया ने राडुकानू को मात देने में सफल रहीं। वहीं, पुरुष वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त आस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनौर ने 12वीं वरीयता प्राप्त एलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना को 5-7, 6-1, 7-6(3) से हराकर खिताब जीता। यह डि मिनौर का 10वां एटीपी खिताब है, जिसमें से आठ हार्ड कोर्ट पर आए हैं। डेविडोविच फोकीना अपने करियर के चौथे फाइनल में भी जीत दर्ज नहीं कर सके, जबकि वे तीसरे सेट में 5-2 की बढ़त और तीन चैंपियनशिप प्वाइंट पर थे।

एलेक्स डि मिनौर ● एएफपी

लेयला फर्नांडीज ● एएफपी

ग्रैंडमास्टर इनियान ने जीता डोल ओपन

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने फ्रांसीसी शहर ऐक्स-एन-प्रोवेंस में पोलैंड के जान मालेक को टाई-ब्रेकर में हराकर दूसरा डोल ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिताब जीता। इससे पहले दोनों खिलाड़ी 7.5-7.5 अंकों के साथ शीर्ष पर बराबरी पर थे। तमिलनाडु के इरोड के रहने वाले 22 वर्षीय इनियान टूर्नामेंट में अपराजित रहे और कुल छह जीत हासिल की। उन्होंने उज्बेकिस्तान, मेडागास्कर, तुर्की, फ्रांस और पोलैंड के अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स को हराने के अलावा तीन ड्रा भी खेले। इनियान ने कुल नौ गेम में 7.5 अंक बनाए और 43 देशों के 39 ग्रैंडमास्टरों सहित 276 प्रतिभागियों वाले इस टूर्नामेंट में ग्रैंडमास्टर मालेक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे। हालांकि, इनियान ने लगातार चार गेम जीते, जिसमें अंतिम से पहले और अंतिम गेम में उनकी जीत महत्वपूर्ण रही।

स्पेन को हराकर इंग्लैंड बना चैंपियन

यूरो कप 2025 का खिताब जीतने के बाद ट्राफी के साथ इंग्लैंड महिला टीम ● एएफपी

बासेल, एपी: गत विजेता इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से पराजित करके लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता। इंग्लैंड ने इस तरह से स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदलाव की चुकता कर दिया। स्पेन खिताबी हैटट्रिक पूरी करने में नाकाम रहा।

इंग्लैंड ने विश्व कप के अलावा 2024 में नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। स्पेन ने मैरियोना काल्डेंते के 25वें मिनट में हेडर से किए गए गोल से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की तरफ से एलेसिया रुस्सो ने 57वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद पेनाल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

****

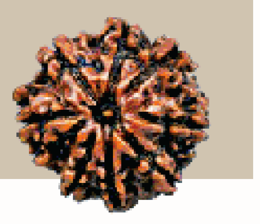

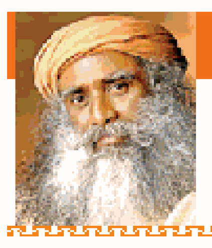

श्रावण विशेष

सद्गुरु
ईशा फाउंडेशन के प्रणेता
आध्यात्मिक गुरु

मूलभूत विज्ञान के प्रदाता आदियोगी शिव

आदियोगी शिव ने 112 सिद्धांत देवी पार्वती को दिए, जिनमें आत्मज्ञान तथा आध्यात्मिक विकास के लिए ध्यान का मूलभूत विज्ञान भी है और तकनीक भी...

लोग अक्सर कहते हैं कि आप शिव को अत्यधिक महत्व देते हैं, जबकि जेन (जापान में विकसित ध्यान की प्राचीन प्रणाली) गुरुओं का उल्लेख कम ही करते हैं। इस प्रश्न पर मैं कहता हूं कि मेरे लिए शिव जैसा कोई नहीं है। शिव में सब कुछ समाहित है।

संसार में कई महान व्यक्तित्व हुए हैं, जिन्होंने मानवता के लिए अद्वितीय कार्य किए हैं, लेकिन यदि बोध की दृष्टि से देखा जाए तो आदियोगी शिव के समकक्ष कोई नहीं है। जेन [illegible] के संदर्भ में देखें तो शिव से बड़ा जेन गुरु कौन [illegible] है? जेन गुरु गुटेई के बारे में कहा जाता है कि [illegible] अपनी अंगुली उठाते थे, यह दर्शाने के लिए कि [illegible] एक ही है।' जेन मठों में छोटी अवस्था में ही बच्चे भिक्षु बन जाते थे। एक ऐसा ही बच्चा गुटेई को देखकर बड़ा हुआ था और जब भी कोई कुछ कहता, वह भी अपनी एक अंगुली उठाता था। जब वह 16 साल का हुआ, तब गुटेई ने उसे बुलाया और उसकी अंगुली काट दी। इस घटना ने लड़के को आत्मज्ञान की ओर अग्रसर किया। उसे यह समझ आया कि यह शिक्षा 'एक' (अद्वैत) की नहीं, बल्कि 'शून्य' (अस्तित्वहीनता) की है।

शिव ने इस ज्ञान को इससे भी बहुत पहले और भी गहराई से समझाया। एक दिन, जब वह घर लौटे, तो उन्होंने अपने पुत्र को देखा, जो बड़ा हो चुका था। पुत्र ने शिव को अंदर जाने से रोका। शिव ने पुत्र के सिर को हटा दिया। पार्वती इससे दुखी हुईं और शिव ने एक गण का सिर पुत्र के शरीर पर लगा दिया। वह लड़का असाधारण बुद्धिमान हो गया। भारत में लोग किसी भी नए कार्य का श्रीगणेश उसी बालक गणेश की पूजा के साथ करते हैं। समय के साथ, गण का सिर गज (हाथी) का सिर बन गया और गणेश ज्ञान और बुद्धिमत्ता का प्रतीक बन गए।

शिव का जीवन जटिल और पूर्ण है। उन्होंने जो सिद्धांत दिए, वे पूरी तरह वैज्ञानिक थे। उन्होंने 112 मार्ग दिखाए, जिन्हें विज्ञान भैरव तंत्र में वर्णित किया गया है। इन मार्गों से मनुष्य मुक्ति का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। शिव ने योग की विधियां दीं, जिससे कोई भी सत्य को जान-समझ सकता है। शिव का ज्ञान जीवन की यांत्रिकी है, न कि कोई दर्शन या उपदेश। आदियोगी के रूप में शिव ने हमें मूलभूत विज्ञान दिया है। इसे सप्तऋषियों पर छोड़ दिया कि वे इसे तकनीक में कैसे परिवर्तित करें। आज मानवता के लिए यह आवश्यक है कि शिव के दिए हुए इस मूलभूत विज्ञान को सशक्त किया जाए।

अगले मंगलवार को पढ़ें
श्री श्री रविशंकर का चिंतन

अध्यात्म की अधिक सामग्री पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

मानस-मर्म

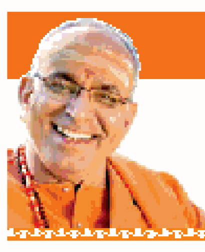

स्वामी मैथिलीशरण
संस्थापक अध्यक्ष,
श्रीरामकिंकर विचार मिशन

मैं कृतकृत्य भयउं तव बानी

अभिमान को निरभिमान होकर ही जीता जा सकता है। संसार में सुंदर, स्वस्थ और स्वचालित व्यवस्था के लिए वाणी एक ऐसा यंत्र है, जिसमें व्यक्ति स्वयं ही अपने मैं को गौण कर लेता है और व्यक्तित्व का सृजनकर्ता बन जाता है। भगवान शंकर और पार्वती इस विधा के परमाचार्य हैं...

शिव की वाणी पार्वती के लिए और पार्वती की वाणी शिव के लिए श्रुति बन गई। ● जागरण आर्काइव

भगवती पार्वती ने अपने प्राणेश्वर शिव से संपूर्ण रामकथा सुनने के बाद भी एक प्रश्न किया। वह प्रश्न था कि वैराग्य, ज्ञान, विज्ञान की प्राप्ति के साथ रामपरायण काकभुशुंडि के काक-शरीर होने का रहस्य क्या है? जिज्ञासा जब चित्त के हृदय भाग से प्रकट होती है तो समाधान सदाशिव होता है। जिज्ञासा के कई रूप हैं- मन की जिज्ञासा, बुद्धि की जिज्ञासा, अहंकार की जिज्ञासा, भाव और हृदय की जिज्ञासा। ये जिज्ञासाएं चित्त में रहती हैं और अवसर पाकर प्रकट होती हैं।

शांत और ध्यानस्थ चित्त जब शिवमय होता है, उस समय वह भक्त और भक्ति का प्राकट्य करता है। राम के प्राकट्य में कौशल्या जी माध्यम बनीं तथा काकभुशुंडि के भावनात्मक प्राकट्य को भगवती पार्वती ने अपनी अंतरंग जिज्ञासा से प्रकट किया। जन्म लेने के लिए राम गर्भ में आए और काकभुशुंडि की कथा शंकर जी के हृदय से प्रकट हुई, क्योंकि भक्ति का प्राकट्य हृदय से ही होता है। शिव का एक नाम सनातन भी है। ब्रह्मपुराण में दक्ष ने जो शिव की स्तुति की है, उसमें वह शिव के 13 नामों के पश्चात कहते हैं कि प्रभु! आप सनातन हैं।

हेमसुता पार्वती स्वयं रामपरायण हैं, कदाचित उनके प्रति शिव की प्रियता का प्रमुख कारण भी उनकी रामभक्ति है। शंकर जी काकभुशुंडि के गुरु हैं, पर गरुड़ के मोहपाश के विध्वंस के लिए महादेव उन्हें अपने शिष्य काकभुशुंडि के पास भेजते हैं। शिव जानते हैं कि गरुड़ को मोह अज्ञान के कारण नहीं, अपितु अपनी विशेषता के अहंकार के कारण हुआ है। शिव ने माना कि यदि मैं इन्हें मोहमुक्त कर दूंगा तो उन्हें एक और अहंकार हो जाएगा कि मुझे तो शिव से ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्होंने गरुड़ को सुमेरु पर्वत पर काकभुशुंडि से कथा सुनने का आदेश देकर यह संकेत किया कि एक कौआ भी भगवान की लीलाओं के रहस्य जानकर उनकी कृपा का प्रचार कर रहा है और तुम भगवान विष्णु के पास रहकर भी श्रीराम की लीला में चरित्र देख रहे हो? कभी-कभी अतिनिकटता अवज्ञा को जन्म देती है।

अभिमान को निरभिमान होकर ही जीता जा सकता है। संसार में सुंदर, स्वस्थ और स्वचालित व्यवस्था के लिए वाणी एक ऐसा यंत्र है, जिसमें व्यक्ति स्वयं ही अपने मैं को गौण कर लेता है और व्यक्तित्व का सृजनकर्ता बन जाता है। भगवान शंकर और पार्वती इस विधा के परमाचार्य हैं। वाणी श्रुति की जननी है। मंत्रदृष्टा ऋषियों ने उसे देखा। जिसको देखा जा सकता है, वह सगुण है, शब्द रूप में वही निर्गुण है। वेद मंत्रों के ऋषियों को द्रष्टा की संज्ञा दी गई और जिसको उन्होंने देखा, वे वेदमंत्र श्रुति कहलाए। कालांतर में श्रुति स्वरूप राम का अवतार हुआ, जिन्हें ज्ञानी जनक, शिव, विश्वामित्र, वशिष्ठ, अत्रि आदि मुनियों ने देखा। इस प्रकार देखा हुआ और सुना हुआ दोनों एक हो गए। वाणी श्रुति बन गई।

शिव की वाणी पार्वती के लिए श्रुति हो गई। मधुरता चाहे फल की हो, वाणी अथवा व्यवहार की हो, श्रुति वही बनेगी जो मधुर होगी। काकभुशुंडि की वाणी गरुड़ की श्रुति बन गई। इसीलिए महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम को श्रुति सेतु की [illegible] उनकी [illegible] श्रीराम वाणी और श्रुति [illegible] जीवन [illegible] चरित्र हैं। वह [illegible] बना देते हैं। 'परम' शब्द [illegible] है। मानस में इस शब्द का प्रयोग अनेक बार ईश्वर विषयों में ही किया गया है। श्रीराम का चरित्र अश्रुतपूर्व है। जो कभी सुना नहीं गया। देखा नहीं गया। उनके सगुण रूप और उनके कार्यों की स्तुति वाणी के द्वारा वेदों ने की। श्रीरामचरित संसार की व्यवस्था संचालन की चाबी है।

श्रुति सेतु पालक राम तुम्ह जगदीस माया जानकी।
जो सृजति जगु पालति हरति रुख पाइ कृपानिधान की।

राम श्रुति-सेतु इसलिए कहलाए, क्योंकि उन्होंने लोक और वेद के दो किनारों के बीच अपनी लीला-गंगा को प्रवहमान रखकर सबको संतुष्ट और प्रसन्न रखा। गुणी व्यक्ति के जीवन में उसके गुण का अभिमान ही उसे कष्ट में डाल देता है। वह संसार को दोषी और स्वयं को निर्दोष सिद्ध करता रहता है, यह कहकर कि हम अपनी ईमानदारी और कार्यनिष्ठा का फल भोग रहे हैं। संसार में ईमानदारी का कोई स्थान नहीं है। वह यह जानता ही नहीं है कि गुण को वाणी उपादान के द्वारा जीवन को शांति, सुख और आनंद के सृजन की पवित्र धारा बनाया जाता है, जिसमें सब नहाएंगे और आचमन करेंगे।

किसी के गुण को वाणी का विषय बनाने से परब्रह्म (पर+ब्रह्म) प्रकट होता है। 'पर' में 'ब्रह्म' दिखाई देना ही साधना है, शेष गुण अहं को बढ़ाते हैं। अहं ब्रह्मास्मि में से 'अहं' निकालने पर ही 'ब्रह्म' शेष रहता है। यह भक्ति और ज्ञान की वह सनातन धारा है, जिसे शंकर जी ने अपने शीष पर धारण किया। उनके आशीष से पार्वती जी ने उसे आत्मसात कर लिया और श्रोता व वक्ता दोनों ने एक-दूसरे के गुणों की खुलकर प्रशंसा की। कहीं पर शंकर जी वाणी बनते हैं और पार्वती श्रुति बनती हैं तो कहीं पर पार्वती वाणी बनती हैं और शिव श्रुति बनते हैं। यही सेतुत्व है, यही मिलन है, यही सौभाग्य है, यही श्रृंगार है, यही शरीर का अशरीरी स्वरूप है।

काकभुशुंडि गरुड़ के ज्ञान और ऐश्वर्य की प्रशंसा करते हैं। गरुड़ काकभुशुंडि की भक्ति और उनके भक्त स्वरूप की प्रशंसा करते हुए स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं। दोनों पक्ष स्वयं को सौभाग्यशाली मानें, यही तो निष्पक्षता है। वाणी और श्रुति का पूरक-तत्व भी है। वेद का उद्देश्य भी ज्ञान, भक्ति, कर्म का संतुलन और ईश्वर को अर्पण ही है। काकभुशुंडि कथा करने के बाद पक्षीराज गरुड़ से कहते हैं कि आज मैं धन्य हो गया कि आप जैसे संतों ने आकर कथा सुनी।

आजु धन्य मैं धन्य अति जद्यपि सब बिधि हीन।
निज जन जान राम मोहि संत समागम दीन।।

अंत में गरुड़ जी का मोह समाप्त हो चुका था और वे भी बोले :

मैं कृतकृत्य भयउं तव बानी।
सुनि रघुबीर भगति रस सानी।।

आपकी कृपा से श्रीराम के चरणों में मेरी नई भक्ति उत्पन्न हुई है। अज्ञानजन्य माया के प्रभाव से मैं विपत्ति में पड़ गया था, उससे मैं विमुक्त हो गया। प्रयागराज में याज्ञवल्क्य व भरद्वाज के बीच भी इसी मधुर संवाद का विनिमय हुआ।

शिवजी से कथा सुनकर पार्वती जी कहती हैं:

धन्य धन्य मैं धन्य पुरारी।
सुनेहुं राम गुन भव भय हारी।।

मैं धन्य हो गई, जो आपने भगवान के चरणों में रति देने वाली कथा सुनाई। तुलसीदास जी कहते हैं कि संसार में जब इस प्रकार का संवाद होगा तो मिथ्या अहंकार के कारण उत्पन्न दोष शांति, सुख और आनंद में परिणत हो जाएंगे।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

maithili.sharan@yahoo.com

गीता सार

ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद

विद्याविनयसंपन्ने ब्राह्मणे गवि हस्तिनि।
शुनि चैव श्वपाके च पंडिताः समदर्शिनः।।

(अध्याय 5, श्लोक 18)

भावार्थ : विनम्र साधुपुरुष अपने वास्तविक ज्ञान के कारण एक विद्वान तथा विनीत ब्राह्मण, गाय, हाथी, कुत्ता तथा चांडाल को समान दृष्टि (समभाव) से देखते हैं।

तात्पर्य : कृष्णभावनाभावित व्यक्ति योनि या जाति में भेद नहीं मानता। सामाजिक दृष्टि से ब्राह्मण तथा चांडाल भिन्न-भिन्न हो सकते हैं अथवा योनि के अनुसार कुत्ता, गाय तथा हाथी भिन्न हो सकते हैं, किंतु विद्वान योगी की दृष्टि में ये शरीरगत भेद अर्थहीन होते हैं। इसका कारण परमेश्वर से उनका संबंध है और परमेश्वर परमात्मा रूप में हर एक के हृदय में स्थित हैं। परमसत्य का ऐसा ज्ञान वास्तविक (यथार्थ) ज्ञान है। जहां तक विभिन्न जातियों या विभिन्न योनियों में शरीर का संबंध है, भगवान सभी पर समान रूप से दयालु हैं, क्योंकि वे प्रत्येक जीव को अपना मित्र मानते हैं, फिर भी जीवों की समस्त परिस्थितियों में वे अपना परमात्मा स्वरूप बनाए रखते हैं। परमात्मा रूप में भगवान चांडाल तथा ब्राह्मण दोनों में उपस्थित रहते हैं, यद्यपि इन दोनों के शरीर एक से नहीं होते। शरीर तो प्रकृति के गुणों द्वारा उत्पन्न हुए हैं, किंतु शरीर के भीतर आत्मा तथा परमात्मा समान आध्यात्मिक गुण वाले हैं। आत्मा तथा परमात्मा की यह समानता उन्हें मात्रात्मक दृष्टि से समान नहीं बनाती, क्योंकि व्यष्टि आत्मा किसी विशेष शरीर में उपस्थित होता है, किंतु परमात्मा प्रत्येक शरीर में है। कृष्णभावनाभावित व्यक्ति को इसका पूर्णज्ञान होता है, इसीलिए वह सचमुच ही विद्वान तथा समदर्शी होता है। आत्मा तथा परमात्मा के लक्षण समान हैं, क्योंकि दोनों चेतन, शाश्वत तथा आनंदमय हैं। किंतु अंतर इतना ही है कि आत्मा शरीर की सीमा के भीतर सचेतन रहता है, जबकि परमात्मा सभी शरीरों में सचेतन है। परमात्मा बिना किसी भेदभाव के सभी शरीरों में विद्यमान हैं।

पर्व-संस्कृति

डा. प्रणव पण्ड्या
अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रमुख, आध्यात्मिक चिंतक

सह अस्तित्व का पर्व

आज नागपंचमी है और यह पर्व हमें प्रकृति संरक्षण और सह-अस्तित्व की भावना का संदेश देता है...

भारत में धर्म, संस्कृति और प्रकृति का अनोखा संगम देखने को मिलता है। यहां पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों से लेकर प्राकृतिक शक्तियों तक की पूजा की जाती है। इन्हीं मान्यताओं और परंपराओं से जुड़ा एक प्रमुख पर्व है नाग पंचमी, जो प्रतिवर्ष श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि (इस बार 29 जुलाई) को मनाया जाता है। यह पर्व विशेष रूप से नागों (सांपों) की पूजा के लिए प्रसिद्ध है और भारत के अलावा नेपाल, बांग्लादेश और हिंदू संस्कृति से जुड़े अन्य देशों में भी इसे श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। सांप हमें कई मूक संदेश भी देता है। सांप के गुण देखने की हमारे पास गुणग्राही और शुभग्राही दृष्टि होनी चाहिए। भगवान दत्तात्रेय की ऐसी शुभ दृष्टि थी, इसलिए ही उन्हें प्रत्येक वस्तु से कुछ न कुछ सीख मिली।

हिंदू धर्म में नागों को दिव्यता और रहस्य का प्रतीक माना गया है। पौराणिक कथाओं में नागों का उल्लेख विभिन्न रूपों में मिलता है। भगवान शिव के गले में वासुकि नाग लिपटे रहते हैं। यह उनके संहारक रूप को दर्शाता है। वहीं भगवान विष्णु शेषनाग की शय्या पर शयन करते हैं, यह उनके संरक्षण और संतुलन का प्रतीक है। महाभारत, रामायण और स्कंद पुराण आदि ग्रंथों में नागों का वर्णन विशेष रूप से मिलता है। इसलिए नागों की पूजा को देवताओं की कृपा प्राप्ति का माध्यम माना गया है।

इस दिन नागों को दूध, फूल, चावल, दूर्वा आदि अर्पित किए जाते हैं और विशेष मंत्रों से उनकी आराधना की जाती है। यह श्रावण मास का पर्व है, जो कि बरसात का मौसम होता है और इस समय पृथ्वी के गर्भ में रहने वाले जीव-जंतु अधिक संख्या में बाहर निकलते हैं। प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, नाग देवता को प्रसन्न करने से सर्पदंश के भय (सांप के काटने) से बचाव होता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

आज के आधुनिक युग में प्राकृतिक संसाधनों और जीव-जंतुओं के संरक्षण की आवश्यकता है। सांप पारिस्थितिक तंत्र का अहम हिस्सा हैं और उनकी रक्षा करना जैव विविधता के लिए आवश्यक है। नागों की पूजा करके हम प्रकृति तथा प्रकृति प्रदत्त जीव-जंतुओं के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं और शांति, समृद्धि व सुरक्षा की कामना करते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि केवल मनुष्य ही नहीं, बल्कि अन्य जीव-जंतु भी इस धरती के समान रूप से भागीदार हैं और उनके साथ सह-अस्तित्व की भावना आवश्यक है।

ऐसा कहा जाता है कि सांप बिना कारण किसी को नहीं काटता। वर्षों परिश्रम से संचित शक्ति यानी अपने विष को वह किसी को काटकर यों ही व्यर्थ खो देना नहीं चाहता। हम भी जीवन में कुछ ऐसी ही तप-साधना करेंगे तो उससे हममें भी शक्ति पैदा होगी। यह शक्ति किसी पर गुस्सा करने में, निर्बलों को परेशान करने में या अशक्तों को दुख देने में व्यर्थ नहीं करें, बल्कि उस शक्ति को विकास करने में, असमर्थों को समर्थ बनाने में, निर्बलों को सबल बनाने में खर्च करें, ऐसा हमारा सोच होना चाहिए।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

सप्ताह के व्रत त्योहार

मंगलवार, 29 जुलाई : नाग पंचमी व्रत
गुरुवार, 31 जुलाई : श्री गोस्वामी तुलसीदास जयंती
सोमवार, 4 अगस्त : श्रावण सोमवार व्रत

इस पेज के बारे में कृपया अपनी सम्मति एवं सुझावों से अवगत कराएं: feature@jagran.com

आज का भविष्यफल- 29 जुलाई, 2025 मंगलवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : श्रावण मास शुक्ल पक्ष पंचमी का राशिफल।
आज का राहुकाल : अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : उत्तर
आज का पर्व एवं त्योहार : नाग पंचमी, मंगला गौरी पूजन, कालसर्प पूजन।

कल 30 जुलाई, 2025 का पंचांग

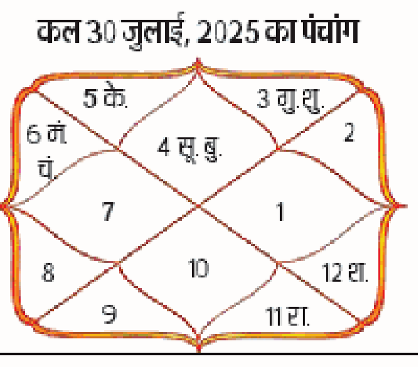

कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : कल्कि जयंती, शीतला षष्ठी
विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की षष्ठी 26 घंटे 42 मिनट तक तत्पश्चात सप्तमी, हस्त नक्षत्र 21 घंटे 53 मिनट तक तत्पश्चात चित्रा नक्षत्र, सिद्ध योग 27 घंटे 40 मिनट तक तत्पश्चात साध्य योग, कन्या में चंद्रमा।

मेष : रोग या विरोधी तनाव का कारण होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई-बहन का सहयोग रहेगा।
वृष : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। आर्थिक प्रयास फलीभूत होगा।
मिथुन : जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
कर्क : सहयोग लेने में सफलता मिलेगी। बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
सिंह : नेत्र या उदरविकार की आशंका है। अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।
कन्या : झगड़े-विवाद से बचें। अहंकार पर नियंत्रण करें। पारिवारिक या व्यावसायिक कष्ट मिल सकता है।
तुला : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। धन व्यय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
वृश्चिक : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा, लेकिन जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।
धनु : कोई ऐसी घटना हो सकती है, जो आपके हित में न हो। रचनात्मक कार्यों में व्यवधान आ सकता है।
मकर : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी।
कुंभ : व्यावसायिक प्रयास सार्थक होगा, लेकिन अपनों से तनाव मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
मीन : किया गया कार्य संपन्न होगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

वर्ग पहेली-3058

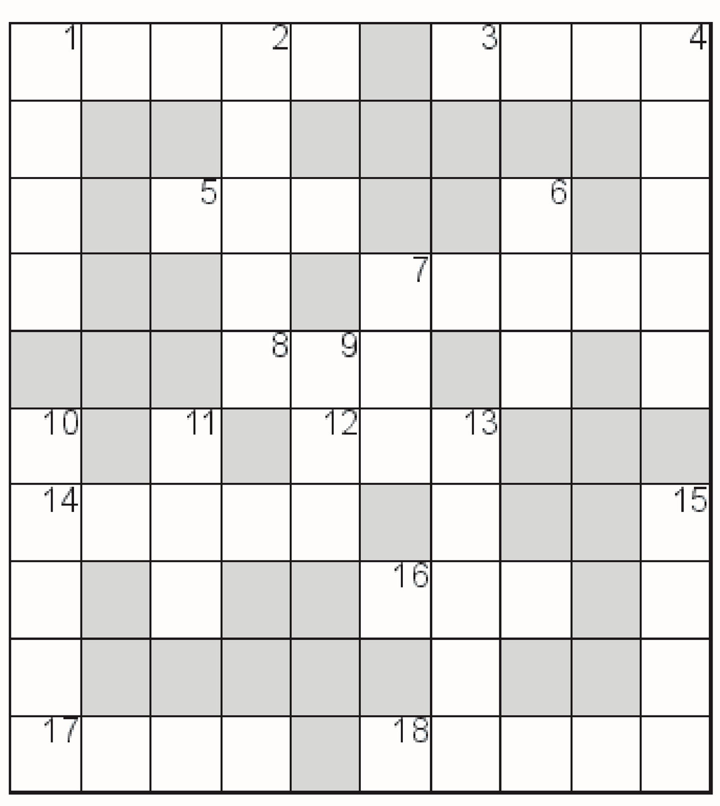

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं :
1 बावलापन, मूर्खता (5)।
3 अप्रसिद्ध, अज्ञात (4)।
5 स्पर्शन किया हुआ, कोरा, नया (3)।
7 विनययुक्त, सुशील (5)।
8 कमजोर, मुलायम (3)।
12 शस्त्र से टुकड़े-टुकड़े करना, भाग लगाना (3)।
14 महानों में महान, सबसे श्रेष्ठ (5)।
16 जंगल-झाड़ियों आदि में रहने वाला कबूतर की जाति का पक्षी (3)।
17 बकरी का में में करना (4)।
18 अपने व्यवसाय में लगे रहना (2,3)।

ऊपर से नीचे :
1 विद्यालय, पठन-पाठन का स्थान (4)। 2 छुटकारा पाना, मुक्ति पाना (2,3)। 4 शराबखाना (5)। 6 नुपुर, घुंघरू (3)। 7 विकराल, भयंकर बहुत बड़ा (3)। 9 सर्दी से होने वाला एक रोग (3)। 10 रणभूमि, लड़ाई का मैदान (5)। 11 नम्रता, शिष्टता, प्रार्थना, आग्रह (3)। 13 यश का नाश करना, इज्जत जाना (2,3)। 15 सहन करना, धीरज या धैर्य रखना (2,2)।

कल का हल

म1	न	मो2	ह	न3		ह4	म5	द	म6
ह		ह		य			न		नि
क7	था		ज8	न		हा9		लो10	हा
ना		री11	ह		तु12	ल	सी13		रि
			र				ती14	प	न
खु15	श	बू16				वी17			
दा		टी18	के19	क		ग20	ला		श्री21
के22	तु		म		अ23	र्थ		शा24	म
लि		ले25			ल		ही26		ती
ए27	रा	व	त		ग28	पो	ड	बा	जी

जागरण सुडोकू-3058

		6		8			7	
	3			7			5	
2		7			5			1
		3		2		9		
1	4			3			6	2
			7					
9				4	3	1		8
	2	8	1		7		9	6
	1	4		9			3	

कल का हल

9	5	1	6	3	4	2	8	7
3	2	6	5	8	7	4	9	1
4	7	8	9	2	1	3	6	5
8	1	3	7	6	2	9	5	4
2	4	7	8	9	5	1	3	6
5	6	9	4	1	3	8	7	2
7	3	4	1	5	8	6	2	9
6	8	5	2	4	9	7	1	3
1	9	2	3	7	6	5	4	8

राष्ट्रीय फलक

मध्य प्रदेश में बाघों की सुरक्षा और संरक्षण बन रहा चुनौती

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस

सौरभ सोनी ● नईदुनिया

- हर माह पांच बाघों की मौत ने बढ़ाई चिंता
- पांच साल में 237 तो बीते छह माह में 29 बाघों की हो चुकी है मौत

भोपाल: देश में सर्वाधिक बाघ मध्य प्रदेश के जंगलों में हैं। इसीलिए राज्य को टाइगर स्टेट कहा जाता है। बाघों की बढ़ती संख्या के साथ ही बाघों की सुरक्षा व संरक्षण बड़ी चुनौती है। पिछली बाघ गणना के अनुसार प्रदेश में 785 बाघ हैं। नए आंकड़े आने पर यह संख्या और बढ़ने का अनुमान है, लेकिन जिस गति से संख्या बढ़ी है, उतनी ही तेजी से बाघ मर भी रहे हैं।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष छह माह में ही 29 बाघों की मौत हो चुकी है। औसतन हर माह पांच बाघों की मौत हो रही है। इसमें प्रदेश के पांच टाइगर रिजर्व में 15 और उससे बाहर 14 बाघों की मौत शामिल है। वहीं देश के अन्य हिस्सों में इस वर्ष अब तक 108 बाघों की मौत हुई है। बाघ संरक्षण के लिए केंद्र सरकार राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व के लिए तो बजट देती है पर खुले जंगल में विचरण कर रहे बाघों के लिए कोई प्रविधान नहीं है। यही कारण है कि टाइगर रिजर्व के बाहर बाघों की मौत अधिक होती है। बाघों की बढ़ती संख्या से जंगलों में बाघों की टेरिटरी का दायरा कम हो रहा है। टेरिटरी को लेकर बाघों के बीच संघर्ष भी बढ़ा है। इस साल एक दर्जन से अधिक बाघों की मौत की घटनाएं आपसी संघर्ष में हुई हैं। विशेषज्ञ बाघों की संख्या बढ़ने पर जंगलों के बीच कारिडोर विकसित करने की वकालत करते रहे हैं।

बाघों की औसतन संख्या के अनुपात में मौतों का आंकड़ा बहुत कम है। बाघों की मौतें प्राकृतिक ज्यादा होती हैं। मध्य प्रदेश बाघों के लिए अनुकूल है यही वजह है कि लगातार बाघ बढ़ रहे हैं। राज्यों से समन्वय बनाकर बाघों की निगरानी की जा रही है। **-शुभरंजन सेन, मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक, मप्र वन।**

कई बाघों की मौत, अंतरराष्ट्रीय शिकारी गिरोह सक्रिय

बाघों की मौत की तमाम घटनाएं शिकारियों द्वारा फंदा लगाने या बिजली का करंट लगाने से हुई। यहां अंतरराष्ट्रीय शिकारी गिरोह भी सक्रिय हैं। हाल ही में वन विभाग ने अंतरराष्ट्रीय शिकारियों की धरपकड़ की है। इनसे पूछताछ में कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। यह गिरोह मप्र की सीमा से लगे वन क्षेत्रों में अधिक सक्रिय रहते हैं। इनके पास से बाघों के अंग भी बरामद किए गए थे। आंकड़ों की बात करें तो पांच साल में मप्र में 2,28,812 वन अपराध के प्रकरण दर्ज किए गए हैं। एनटीसीए के आंकड़ों के मुताबिक, बीते साढ़े पांच साल में मध्य प्रदेश में 237 बाघों ने जान गंवाई है। वहीं वर्ष 2012 से जून 2025 तक कुल 384 बाघों ने दम तोड़ा।

इस वर्ष राज्यवार बाघों की मौत

राज्य	मौत
मध्य प्रदेश	29
महाराष्ट्र	28
असम	10
कर्नाटक	10
केरल	9
उत्तराखंड	7

(आंकड़ों का स्रोत-एनटीसीए)

जहां तक बाघ संरक्षण का सवाल है, मध्य प्रदेश अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। बाघों की मृत्यु दर की बात करते समय लोग अक्सर राज्य में पैदा हुए शावकों की संख्या को कम आंकते हैं। हमें अप्राकृतिक मौतों को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। **-जसबीर सिंह चौहान, मप्र के सेवानिवृत्त मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक**

मप्र में फिर आकार लेगा 1300 वर्ष पुराना शिव मंदिर

अम्बुज माहेश्वरी ● नवदुनिया

- आशापुरी गांव में तालाब किनारे 9वीं से लेकर 11वीं सदी के बीच बने 26 से अधिक मंदिरों के अवशेष बिखरे
- 2011 में खोजा गया था, राज्य पुरातत्व विभाग ने इन्हें फिर से खड़ा करने योजना पर काम शुरू किया था

आशापुरी में भगवान शिव के भूतनाथ मंदिर को फिर से बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। नईदुनिया

रायसेन: भोपाल से 35 और विश्व प्रसिद्ध भोजपुर शिव मंदिर से सात किमी की दूरी पर स्थित आशापुरी गांव गुमनामी से बाहर निकलने को तैयार हो रहा है। यहां नौवीं से 11वीं शताब्दी के बीच परमार राजाओं के दौर में बने मंदिर समूह के अवशेष से भूतनाथ महादेव का मंदिर फिर से आकार लेगा। इसे बनाने की तैयारी शुरू हो गई है।

आशापुरी गांव में तालाब किनारे 9वीं से 11वीं सदी के बीच बने 26 से अधिक मंदिरों के अवशेष बिखरे हैं। इन्हें वर्ष 2011 में खोजा गया था। राज्य पुरातत्व विभाग ने इन्हें फिर से खड़ा करने की योजना पर काम शुरू किया था। सबसे पहले यहां के सूर्य मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ। अब भगवान शिव के भूतनाथ मंदिर को पुनः बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। पुरातत्व के विशेषज्ञ उसकी नींव व परमार कालीन मंदिर शैली के आधार पर ड्राइंग पर काम शुरू कर चुके हैं। इसका काम पूरा होते ही मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। करीब 900 साल पुराने वैभवशाली इतिहास से आज की पीढ़ी को रूबरू कराने को इस मंदिर का निर्माण किया जाएगा।

यहां पर मिले 26 मंदिरों की श्रृंखला में भूतनाथ महादेव का मंदिर 21वें क्रम पर है। यह मंदिर आकार में सूर्य मंदिर से चार गुना बड़ा होगा। इस पर करीब दो करोड़ रुपए खर्च होंगे। निर्माण कार्य दो साल में पूरा होना है, इसे नागर शैली में बनाया जाएगा। पुरातत्व विभाग के मुताबिक इसे त्रिकूट मंदिर के रूप में बनाया जाएगा। यानी मंदिर के तीन शिखर होंगे। गर्भगृह के स्थान पर प्राचीन काल से स्थापित शिवलिंग मुख्य शिखर के नीचे होगा। वहीं भगवान ब्रह्मा व विष्णु की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, जो यहां मिली थीं। मंदिर की लंबाई 30 मीटर, चौड़ाई 32 मीटर और ऊंचाई 12 से 13 मीटर होगी। पुरातत्व विभाग के सेवानिवृत्त अभियंता डीएस सूद इस परियोजना को तकनीकी मार्गदर्शन दे रहे हैं।

स्थापत्य खंडों के साथ अभी जो स्ट्रक्चर है, उसकी ड्राइंग बनाई जा रही है। ड्राइंग बन जाने के बाद पार्ट्स को खोलकर डिजाइन के मान से जोड़ने का कार्य शुरू होगा। मंदिर दो वर्ष में तैयार हो जाएगा। **-डा. रमेश यादव, उप संचालक, पुरातत्व विभाग**

पहली बार अमेरिका में स्थापित किया गया आयरन लंग

1927 में आज ही पहली बार अमेरिका के बेलेव्यू अस्पताल में आयरन लंग (विद्युत श्वसन यंत्र) स्थापित किया गया था। इसे फिलिप ड्रिंकर व लुई शा ने बनाया था जो रोगी के सिर को छोड़कर पूरे शरीर को घेरे रहता है। वर्तमान में इसकी जगह वेंटिलेटर मशीन ने ले ली है।

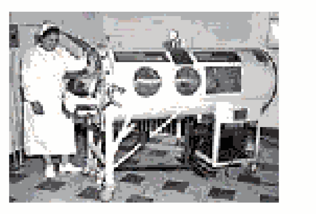

अमेरिकी संसद ने नासा की स्थापना को विधेयक पास किया

1958 में आज ही अमेरिकी संसद ने नेशनल एरोनाटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की स्थापना के लिए विधेयक पारित किया था। राष्ट्रपति ड्वाइट डी आइजनहावर ने इसकी मंजूरी दी थी। इसी साल एक अक्टूबर से नासा ने अपना कामकाज शुरू किया।

दुनिया के सबसे कम उम्र के डाक्टर हैं डा. बालमुरली अंबाती

भारतीय-अमेरिकी नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. बालमुरली अंबाती का जन्म 1977 में आज ही वेल्लोर में हुआ था। जब वे तीन साल के थे, तब उनका परिवार अमेरिका चला गया। चार साल की उम्र में कैलकुलस का अभ्यास करने लगे। उन्होंने 11 वर्ष की आयु में एचआइवी पर एक शोध पुस्तक 'एड्स : द ट्रू स्टोरी - ए कांप्रिहेंसिव गाइड' का सह-लेखन किया था। 19 मई, 1995 को 17 वर्ष की आयु में अमेरिका के माउंट सिनाई स्कूल आफ मेडिसिन से स्नातक होने के बाद दुनिया के सबसे कम उम्र के डाक्टर बन गए। उनका नाम गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी दर्ज है।

इधर-उधर की

नग्न तस्वीर लेने पर गूगल को देने पड़े 11 लाख रु.

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी: गूगल को अर्जेंटीना के एक व्यक्ति को लगभग 10.8 लाख रुपये (12,500 डालर) का भुगतान करना पड़ा क्योंकि गूगल स्ट्रीट व्यू कार ने उसके घर के बगीचे में उसकी नग्न तस्वीर खींची थी। उस व्यक्ति ने अदालत में दलील दी कि 2017 में बगीचे के 6 फुट 6 इंच की दीवार के पीछे होने के बावजूद, इंटरनेट की दिग्गज कंपनी ने उसकी नग्न तस्वीर ले ली। पेशे से पुलिस अधिकारी, व्यक्ति ने दावा किया कि इस वजह से उसका मजाक उड़ाया गया। अदालत ने इसे निजता का हनन बताते हुए व्यक्ति के हक में फैसला सुनाया जबकि गूगल ने अपने बचाव में बगीचे की दीवार पर्याप्त ऊंची न होने का हवाला दिया।

गूगल स्ट्रीट व्यू कार ने बगीचे से ली थी तस्वीर। इंटरनेट मीडिया

दिल के खतरे को पहले ही भांप लेगा एआइ

सफलता ▶ जान्स हापकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों ने बनाई एमएएआरएस तकनीक

- डीप लर्निंग तकनीक से अचानक हार्ट फेल के कारणों के लगा लेता है पता
- 40 से 60 वर्ष की उम्र के लोगों के लिए 93 प्रतिशत तक लगाया सही अनुमान

प्रतीकात्मक

न्यूयार्क, आइएएनएस: अब हार्ट से जुड़ी अचानक होने वाली मौत के खतरे को पहले से पहचाना जा सकेगा। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने इसके लिए एक एआइ तकनीक विकसित की है। यह तकनीक मौजूदा मेडिकल गाइडलाइन से कहीं अधिक सटीक और प्रभावी मानी जा रही है। जान्स हापकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों द्वारा विकसित इस माडल का नाम 'मल्टीमाडल एआइ फार वेंट्रिकुलर अरिदमिया रिस्क स्ट्रैटिफिकेशन (एमएएआरएस)' है।

नेचर कार्डियोवास्कुलर रिसर्च पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के बारे में विज्ञानियों ने बताया कि यह माडल मरीजों की कार्डियक एमआरआइ इमेज और हेल्थ रिकार्ड को मिलाकर दिल में छिपे उन संकेतों को पहचानता है जो डाक्टरों के लिए सामान्य तौर पर देख पाना मुश्किल होता है। इसमें हाइपरट्राफिक कार्डियोमायोपैथी (एक अनुवांशिक दिल की बीमारी) पर फोकस किया गया है। बता दें, यह एक सामान्य आनुवांशिक बीमारी है जो युवाओं में अचानक हार्ट फेल होने का एक बड़ा कारण है।

प्रमुख विज्ञानी नतालिया ट्रायानोवा ने बताया, 'कई मरीज जवानी में ही इस रोग के कारण मर रहे हैं क्योंकि उनका सही समय पर इलाज नहीं हो पाता। वहीं, कुछ लोग अनावश्यक रूप से डिफाइब्रिलेटर के साथ जीवन बिता रहे हैं। हमारा एआई माडल 89 प्रतिशत सटीकता के साथ यह बता सकता है कि कौन से मरीज को अचानक मृत्यु का ज्यादा खतरा है। उन्होंने बताया, अमेरिका और यूरोप में उपयोग की जाने वाली क्लिनिकल गाइडलाइंस वर्तमान में जोखिम में रहने वाले मरीजों की पहचान में केवल 50 प्रतिशत की सटीकता का अनुमान लगाती हैं। इसके विपरीत, इस माडल ने 89 प्रतिशत की सटीकता दिखाई। साथ ही 40 से 60 वर्ष की उम्र के मरीजों के लिए 93 प्रतिशत सही अनुमान लगाया।

क्या है खासियत : इस तकनीक में खास बात यह है कि यह कंट्रास्ट-एन्हांस्ड एमआरआइ स्कैन का विश्लेषण कर दिल में मौजूद सूक्ष्म घावों के पैटर्न को समझता है। डीप लर्निंग तकनीक की मदद से यह माडल उन चेतावनी संकेतों को पहचान लेता है जो भविष्य में अचानक हार्ट फेल का कारण बन सकते हैं। विज्ञानियों के अनुसार, यह माडल न केवल अधिक सटीकता से जोखिम का अनुमान लगाता है बल्कि यह चिकित्सा फैसलों को भी बेहतर बना सकता है। इसके अलावा उन्होंने इसएआइ माडल को बड़े स्तर पर मरीजों पर आजमाने का सुझाव दिया।

कई इमोशन में रोबोट

एआइ को लेकर लगातार नए प्रयोग हो रहे हैं। शंघाई में सोमवार को वर्ल्ड एआइ कान्फ्रेंस में रोबोट के कई इमोशन दिखे। इंसान रूपी रोबोट को छूते लोग (बाएं), लकड़ी की तख्ती तोड़ता रोबोट (दाएं ऊपर) और एक बच्ची की नकल करता रोबोट काफी कुछ कहता है। एएफपी

बंगाल में पाई गई 'वुल्फ स्पाइडर' की नई प्रजाति

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

जूलोजिकल सर्वे आफ इंडिया (जेडएसआइ) ने बंगाल में भेड़िया मकड़ी (वुल्फ स्पाइडर) की एक नई प्रजाति का पता लगाया है। इस प्रजाति को 'पिराटुला एक्यूमिनाटा' नाम दिया गया है। बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सागरद्वीप में इसके अस्तित्व का पता चला है। सागरद्वीप पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील सुंदरबन डेल्टा का हिस्सा है।

पिराटुला एक्यूमिनाटा मध्यम आकार की मकड़ी है जिसकी लंबाई 8 से 10 मिलीमीटर है। भारत में पाई गई यह 'पिराटुला' की पहली जाति है और यह जमीन पर रहने वाली भेड़िया मकड़ी लाइकोसिडे परिवार की है जिसे आमतौर पर भेड़िया मकड़ियां कहा जाता है। यह मकड़ी जाल नहीं बुनती। बेहद फुर्तीली होती है और रात को शिकार करती है। इसका शरीर क्रीमी सफेद रंग का होता है जिस पर भूरे व चाक जैसे सफेद दाग होते हैं। इसकी जननांग संरचना दूसरी मकड़ियों से भिन्न होती है। जेडएसआइ के वैज्ञानिक डाक्टर के राजमोहना ने कहा-'इससे पता चला है कि हमारे आसपास अभी भी कितने प्राणी हैं, जिनके बारे में कोई जानकारी नहीं है।'

जूटाक्सा में प्रकाशित इस विवरण के बारे में शोधकर्ता सुधीन पी.पी. ने कहा कि स्पाइडर से जुड़ी ये खोज भारत की छिपी हुई जैव विविधता को उजागर करने में सहायक हैं।

वुल्फ स्पाइडर। फाइल

जीवनभर बनती हैं मस्तिष्क की कोशिकाएं

- स्वीडन के करोलिंस्का इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने किया अध्ययन
- 'सिंगल-न्यूक्लियस आरएनए अनुक्रमण' विधि का प्रयोग करके लगाया पता, उम्र के साथ धीमी हो सकती है निर्माण की प्रक्रिया

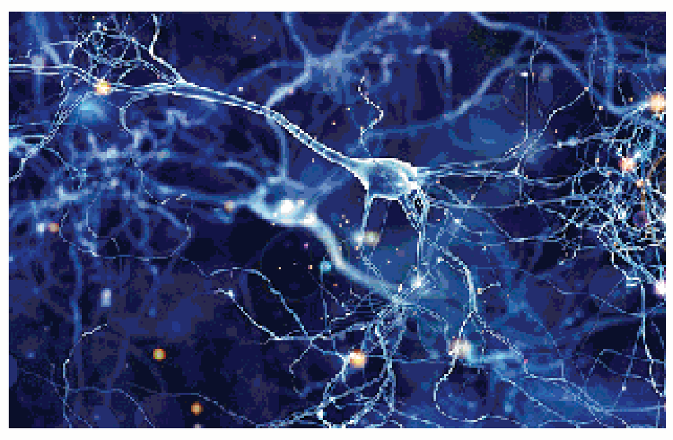
प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : मानव मस्तिष्क के हिप्पोकैम्पस (मुख्य रूप से स्मृति से जुड़ा होता है) में न्यूरान्स वयस्कता के अंतिम चरणों में भी बनती रहती हैं, यह तथ्य हाल ही में किए गए एक अध्ययन के दौरान सामने आया है। स्वीडन के करोलिंस्का इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने कहा न्यूरान्स के निर्माण की एक प्रक्रिया न्यूरोजेनेसिस जीवन भर जारी रहती है। हालांकि इसकी गति उम्र के साथ धीमी होती जाती है। अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं ने 'सिंगल-न्यूक्लियस आरएनए अनुक्रमण' नामक एक विधि का उपयोग किया जो कोशिका के नाभिक में जीन की गतिविधि को देखता है। इसका संयोजन मशीन लर्निंग के साथ किया गया ताकि न्यूरान्स के विकास के विभिन्न चरणों को समझा जा सके। शोधार्थियों ने जन्म से लेकर वयस्कता तक मानव हिप्पोकैम्पस का विश्लेषण किया।

प्रमुख विज्ञानी जोनास फ्रिसेन ने कहा, 'हम अब इन मूल कोशिकाओं की पहचान करने में सक्षम हो गए हैं जो पुष्टि करती हैं कि वयस्क मस्तिष्क के हिप्पोकैम्पस में न्यूरान्स का निर्माण जारी है।' टीम ने मस्तिष्क के ऊतकों से डीएनए का विश्लेषण करने के लिए कार्बन डेटिंग विधियों का उपयोग किया जिससे यह निर्धारित करना संभव हुआ कि कोशिकाएं कब बनी थीं। उन्होंने कहा कि 0 से 78 वर्ष की उम्र के लोगों के उत्क्रम नमूने अंतरराष्ट्रीय बायोबैंक्स से प्राप्त किए गए थे। परिणामों ने दिखाया कि वयस्कों में नए न्यूरान्स के निर्माण से पहले की कोशिकाएं चूहों, सूअरों और बंदरों की कोशिकाओं के समान हैं जिनमें सक्रिय जीनों में भिन्नताएं हैं।

शोधकर्ताओं ने व्यक्तियों के बीच कई भिन्नताएं भी पाईं जैसे कुछ लोगों में कई न्यूरल प्रोजेनिटर सेल्स थीं जबकि दूसरों में लगभग कोई नहीं थी। फ्रिसेन ने कहा कि यह अध्ययन यह समझने में मदद करता है कि मानव मस्तिष्क कैसे काम करता है और जीवन के दौरान कैसे बदलता है। उन्होंने कहा कि न्यूरान्स की निरंतर हानि कार्यक्षमता में कमी और अंततः कोशिका मृत्यु का कारण बनती है।

डिमेंशिया के निदान से जुड़ी रोचक जानकारी आई सामने

अनुसंधान

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि डिमेंशिया के शुरुआती लक्षण दिखने के बाद निदान में औसतन साढ़े तीन साल लग जाते हैं। अध्ययन में यह भी पता चला कि युवा उम्र में लक्षण विकसित होने पर निदान में चार साल से ज्यादा का समय लग सकता है।

डिमेंशिया एक न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थिति है जिसमें समय के साथ संज्ञानात्मक कार्य में लगातार गिरावट आती है। अल्जाइमर्स इस स्थिति का सबसे सामान्य रूप है। शोधकर्ताओं ने 13 अध्ययनों में 30 हजार से अधिक व्यक्तियों के डाटा का विश्लेषण किया। शोध का निष्कर्ष इंटरनेशनल जर्नल आफ जेरियाट्रिक साइकियाट्री में प्रकाशित हुआ है। शोध के मुख्य लेखक व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन में एसोसिएट प्रोफेसर वासिलिकी आर्गेंटा ने कहा कि डिमेंशिया का समय पर निदान एक वैश्विक चुनौती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह विश्लेषण डिमेंशिया के लक्षणों के उभरने के बाद निदान में लगने वाले समय पर वैश्विक आंकड़ों की जांच करने वाला पहला अध्ययन है। अध्ययन के लिए शामिल किए गए यूरोप, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और चीन के प्रतिभागियों की उम्र डिमेंशिया की शुरुआत के समय 54 से 93 वर्ष के बीच थी।

विश्लेषण में शामिल 10 अध्ययनों के आंकड़ों ने दिखाया कि सभी प्रकार के डिमेंशिया के लिए औसत निदान का समय 3.5 वर्ष था जबकि छह अध्ययनों से पता चला कि युवाओं में डिमेंशिया में निदान का समय 4.1 वर्ष था। लेखकों ने यह भी उजागर किया कि प्रारंभिक लक्षणों के विकास और डिमेंशिया के निदान के बीच समय को मापने के लिए मानक मानदंडों की कमी है। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

जब हुमा कुरैशी ने पहली बार जताई थी अभिनय की ख्वाहिश

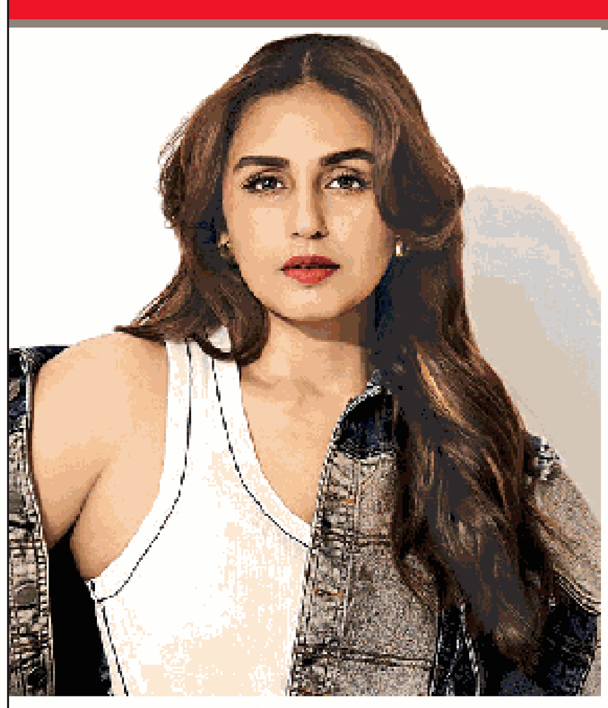
आगामी दिनों में वेब सीरीज महारानी सीजन 4 में नजर आएंगी हुमा। फाइल

अभिनय में दिलचस्पी है तो मुंबई शहर आकर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी किस्मत आजमानी पड़ती है। तभी तो अभिनेत्री हुमा कुरैशी और उनके भाई व अभिनेता साकिब सलीम अपनी किस्मत आजमाने के लिए दिल्ली से मुंबई आए थे। जैसे ही दोनों भाई-बहनों ने अपने माता-पिता को बताया कि उन्हें अभिनय में हाथ आजमाना है तो उनकी प्रतिक्रियाएं अलग थीं। फराह खान के शो में साकिब कहते हैं कि जब मैंने अपने डैड से कहा कि मुंबई जाना है तो उन्होंने कहा कि तुझे हीरो बनने जाना है। ये सुनकर मुझे खुद पर ही इतना शक हो गया कि मैंने मुंबई जाने के निर्णय लेने के लिए दस दिन और लिए थे। वहीं हुमा ने बताया कि जब मैंने मां से कहा था तो वह डर गई थीं। हम दिल्ली से हैं। वहीं पले-बढ़े हैं। किसी को मुंबई में जानते नहीं थे तो उनका सबसे बड़ा डर यह था कि किसी को जानते नहीं हो, कैसे रहोगे। पहले मैं मुंबई आई थी, उसके छह महीने बाद साकिब आए थे। हुमा आगामी दिनों में वेब सीरीज महारानी 4 और फिल्म जाली एलएलबी 3 में नजर आएंगी।

सपोर्टिंग भूमिका के लिए आडिशन देने आए थे आयुष, बन गए हीरो

कहते हैं अगर भाग्य में होता है तो कहीं न कहीं से वह चीज हमें मिल ही जाती है। कुछ ऐसा ही देखा गया आठ अगस्त को प्रदर्शित हो रही फिल्म अंदाज 2 के साथ केंद्रीय भूमिका में अपनी पारी की शुरुआत कर रहे अभिनेता आयुष कुमार के साथ। यह फिल्म साल 2003 में प्रदर्शित अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता अभिनीत फिल्म अंदाज फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म है। हालांकि, इसकी कहानी का मूल फिल्म से कोई लेना-देना नही हैं। सोमवार को इस फिल्म ट्रेलर जारी हुआ। फिल्म के बारे में निर्देशक सुनील दर्शन बताते हैं, 'पुरानी अंदाज की तरह अंदाज 2 का अपना एक अलग अंदाज है। फिल्म लिखने के बाद मैंने अपनी जरूरतें अपने कास्टिंग निर्देशक को बताई। मैंने उनसे कहा कि लीड तो बाद में ढूंढते रहेंगे, पहले सपोर्टिंग कलाकारों को ढूंढते हैं। उन्हीं सपोर्टिंग भूमिकाओं के लिए आडिशन देने के लिए कुछ कलाकार आए थे। उन्हीं में से एक लड़का मुझे सही लगा। उसमें मुझे एक अलग चमक एक अलग बात दिखी। जब मैं उस लड़के को बुलाकर साइन करने लगा तब उसे पता चला कि मैं उसे सपोर्टिंग भूमिका के लिए नहीं, लीड भूमिका के लिए कास्ट कर रहा हूं।'

फिल्म अंदाज 2 में केंद्रीय भूमिका में नजर आएंगे आयुष कुमार। फाइल

जब हांटेड 2 के सहकलाकार को मिमोह ने सिखाई जरूरी बातें

कई बार असफलता व्यक्ति में कड़वाहट भर देती है लेकिन मिथुन चक्रवर्ती के बेटे व अभिनेता मिमोह चक्रवर्ती को अब असफलता परेशान नहीं करती है। उनकी पहली फिल्म जिमी की बहुत आलोचनाएं हुई थीं। इससे मिमोह को बहुत गुस्सा आया था। वह कहते हैं कि मैंने उम्मीद नहीं की थी इतना बुरा होगा। आज मुझ पर ऐसी किसी बात का असर नहीं होता है। आज मेरी इच्छाशक्ति मजबूत है। इसके कारण आज मैं ट्रोल्स को जवाब भी दे देता हूं। गुस्सा आता है तो आप दुनिया को बर्बाद करना चाहते हैं। आप सोचते है कि जो दर्द मुझे हो रहा है, वो दुनिया को हो। मैंने हाल ही में हांटेड 2 फिल्म की शूटिंग खत्म की है। उसमें मेरे साथ एक एक्टर हैं, जिन्होंने आडिशन के लिए लंबी-लंबी लाइनें लगाई थीं। हम सेट पर बात कर रहे थे कि कैसे कई बार घंटों की प्रतीक्षा के बाद भी आडिशन करने का मौका नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि जब हांटेड 2 हिट हो जाएगी तो मैं उन कास्टिंग डायरेक्टरों को जाकर कहूंगा कि वो मैं था, जिसका तुमने आडिशन नहीं लिया। मैंने कहा ये रास्ता सही नहीं हो सकता है। अब दूसरों का नजरिया मुझ पर असर नहीं डाल सकता है। मेरा नजरिया खुद को लेकर क्या है, वो मायने रखता है।

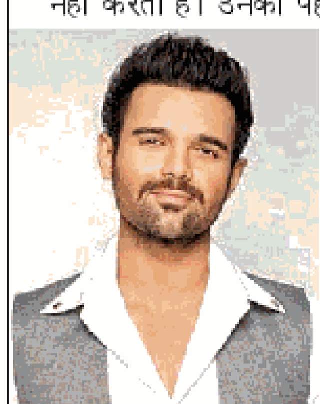
हारर फिल्म हांटेड 2 में नजर आएंगे मिमोह। फाइल

...इसलिए नहीं हो पा रही है शो में दया की वापसी

धारावाहिक तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता हैं असित। टीम असित

धारावाहिक तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने सोमवार को टीवी पर 17 वर्षों का सफर पूरा कर लिया। शो की शुरुआत से ही सभी मुख्य पात्रों के साथ अभिनेत्री दिशा वकानी भी दया की भूमिका में साल 2019 तक शो का हिस्सा था। उसके बाद व्यक्तिगत कारणों से उन्होंने शो छोड़ दिया और उसके कुछ समय बाद से ही निर्माता शो में जल्द ही दया को वापस लाने की बातें कह रहे हैं। सोमवार को शो की 17वीं वर्षगांठ के मौके पर निर्माता असित मोदी ने बताया आखिर शो में दया की वापसी में क्या समस्याएं आ रही हैं। असित ने बताया, 'दया का शो में ना होना एक बड़ी चुनौती है। दया की भूमिका में दिशा ने जिस तरह परफार्म किया था, उस स्तर पर कोई अभिनेत्री ढूंढना बहुत मुश्किल है। अगर भगवान की इच्छा से कोई जल्दी मिल जाए तो मैं शो में दया को लेकर आऊं। उनकी (दिशा) व्यक्तिगत जिंदगी है, वो अभी यह शो नहीं कर सकती हैं। मैं तो चाहता हूं कि फिर से वही आ जाएं। बिना दया भी मेरी टीम ने बहुत सपोर्ट किया है, विशेषकर जेठालाल और बापूजी। दया के साथ उनका घर जो हरा भरा रहता था, वो माहौल उन्होंने बाद में भी घर में बनाए रखा। कहते रहते हैं कि सात-आठ साल से दया अहमदाबाद है। वो मेरे लिए बड़ी चुनौती है। मैं दर्शकों को बार-बार कह चुका हूं कि दया को ले आएंगे लेकिन उनको ढूंढना मुश्किल है क्योंकि लोगों के दिमाग में उनकी एक छवि सेट हो चुकी है।'

पिता के सामने कुर्सी पर बैठ भी नहीं सकता था: संजय दत्त

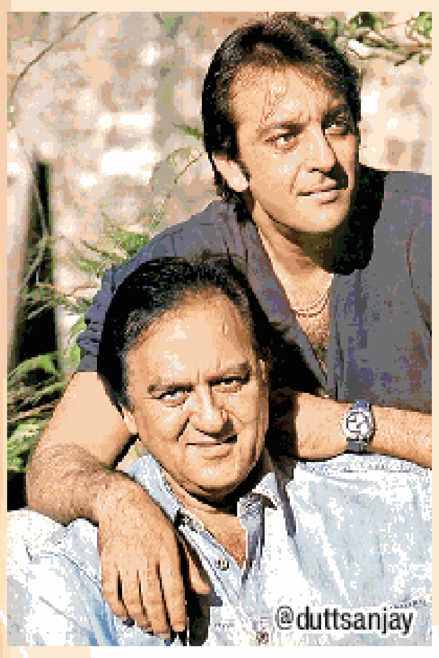
@duttsanjay

डैड खुलकर मेरी प्रशंसा भी नहीं करते थे। अगर उन्हें कभी मेरा काम अच्छा लगता था, तो भी वह बस इतना कहते थे कि हां, ठीक है अच्छा काम किया है। हालांकि मैं महसूस कर सकता था कि उन्हें मुझ पर गर्व था। वह बस महसूस करवाते थे।

आज भले ही पिता और पुत्र के बीच दोस्ती की बातें की जाती हों, लेकिन अगर बात करें अभिनेता संजय दत्त की, तो वह अपने पिता के साथ दोस्तों जैसा बर्ताव नहीं कर पाते थे। अपने पिता व अभिनेता सुनील दत्त के साथ मुन्ना भाई एमबीबीएस फिल्म कर चुके संजय बताते हैं, 'मैं तो अपने डैड के सामने कुर्सी पर बैठ भी नहीं सकता था। उनकी इतनी इज्जत थी। पता नहीं आजकल की पीढ़ी को क्या हो गया है। अगर कभी अच्छा काम कर लिया, तो भी वह बस इतना कहते थे कि हां, ठीक है। हालांकि मैं महसूस कर सकता था कि उन्हें मुझ पर गर्व था। वास्तव, मुन्ना भाई एमबीबीएस के दौरान वह महसूस करवाया था।' संजय खुद कैसे पिता हैं? इस पर उन्होंने कहा, 'मैं शांत हूं, लेकिन जब मैं सख्त होता हूं, तो बहुत ज्यादा हो जाता हूं।'

...इतने रुपये का था फिल्म शोले का टिकट

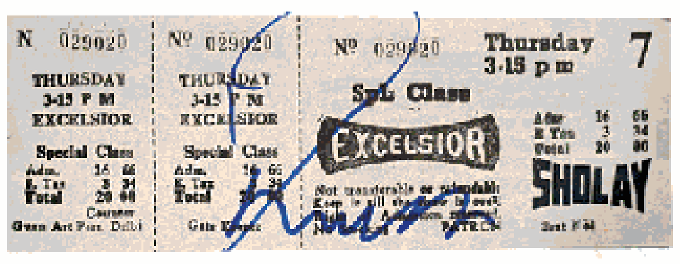

पुरानी चीजों को संभालकर रखना भी एक कला है। यह कला अभिनेता अमिताभ बच्चन में भरपूर है। तभी तो उन्होंने 50 साल पहले रिलीज हुई अपनी फिल्म शोले की टिकट को इतना संभालकर रखा है। सोमवार तड़के उन्होंने अपने ब्लाग पर प्रशंसकों से मिलने वाली तस्वीर, मंदिर में दर्शन और भगवान शिव पर जल चढ़ाते हुए कुछ तस्वीरों के बीच शोले फिल्म का टिकट भी पोस्ट किया। बिग बी ने दिल्ली के ग्वान आर्ट पेस में स्पेशल क्लास एक्सेलशिअर में बैठकर अपनी ही फिल्म देखी थी। इसके साथ ही अमिताभ ने लिखा, 'शोले का टिकट। संभालकर रखा गया है। 20 रुपये का दाम। मुझे बताया गया है कि आजकल थिएटर हाल में एक एरेटेड ड्रिंक (कोला जैसे पेय) की कीमत यही है... क्या यह सच है?' इस लाइन से अंदाजा लग गया कि उन्होंने थिएटर से काफी दिनों से कुछ लिया नहीं है क्योंकि एरेटेड पेय की कीमतें 150 से 500 रुपये तक है।

शोले की स्पेशल क्लास की टिकट दिखाई बिग बी ने
@srbachchan

पहली बार पुलिस की भूमिका में दिखेंगी फातिमा

दंगल और आप जैसा कोई फिल्मों की अभिनेत्री फातिमा सना शेख वेब सीरीज न्याय में पहली बार पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। इस शो में उनके साथ दिखेंगी, फिल्म सैयारा से लोकप्रियता बटोरने वाली अभिनेत्री अनीत पड्डा। करण कपाड़िया और नित्या मेहरा के निर्देशन में बना यह ड्रामा थ्रिलर शो फातिमा के लिए कुछ नए अनुभवों वाला रहा। वह बताती हैं, 'इस शो में मैंने एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। मेरा ये सफर भी काफी दिलचस्प रहा। डिजिटल प्लेटफार्म पर कलाकार को अपनी भूमिका की गहराई में उतरने का समय थोड़ा ज्यादा मिलता है। इस शो में मैंने पहली बार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। वर्दी पहनने वाला हर इंसान अच्छा लगता है। (हंसते हुए) थोड़ा कड़क हो जाता है। वर्दी पहनने के साथ ही अंदर एक अलग ही शक्ति और जिम्मेदारी महसूस होती है। यह एहसास काफी अलग है।' इस वेब सीरीज की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिलहाल सैयारा की सफलता से गदगद अनीत ने अपनी पहली फिल्म प्रदर्शित होने से पहले ही इसे शूट कर लिया था।

@fatimasanashaikh

मेरे लिए फिटनेस, मेरे जीने का तरीका है: भूमि पेडणेकर

फिल्म के पात्रों को विश्वसनीय बनाने के लिए कलाकार, नैन नक्श में बदलाव करना हो या वजन कम करना, सब करते रहते हैं। कई कलाकार ऐसे भी हैं, जो बोटोक्स और लिप फीलर ट्रीटमेंट के जरिये भी खुद को युवा और बेहतर दिखाने से नहीं चूकते हैं। पिछले दिनों इंफ्लूएंसर उर्फी जावेद ने लिप फीलर हटवाया था, जिसकी वजह से उनका चेहरा सूज गया था। उसके बाद उनका नेचुरल रूप लोगों को काफी भाया। फिल्म इंडस्ट्री में इन ट्रीटमेंट के दबाव को लेकर अभिनेत्री भूमि पेडणेकर कहती हैं, 'हम ऐसे समय में रह रहे है, जहां हर किसी को अपनी पसंद की चीजें करनी चाहिए। मैं किसी पर कोई भी जजमेंट देने वाली कोई नहीं हूं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। मेरे लिए फिटनेस मेरे जीने का तरीका है। लोगों को फैट्स से डर लगता है, लेकिन मेरी डायट में काफी घी होता है। मैं खाना घी में पकाती नहीं हूं, बल्कि उसे ऐसे ही कच्चा ऊपर से डालती हूं। घी को ऐसे खाएंगे, तो यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।'

@bhumipednekar

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com